"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 19] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 7 मई 2004—वैशाख 17, शक 1926

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2004

क्रमांक 256/2004/1-8/स्था.—श्री सी. के. देवाणी, अवर सचिव, छ. ग. शासन, आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग को दिनांक 6-3-2004 से 22-3-2004 तक 17 दिन का लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री सी. के. देवाणी, अवर सचिव को आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग के पद पर पुन: पदस्थ किया जाता है.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2004.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री सी. के. देवाणी, अवकाश पर नहीं जाते तो अवर सचिव, छ. ग. शासन, आदिमजाति तथा अनु. जाति विकास विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2004

क्रमांक 258/2004/1-8/स्था.—श्री नितिन कुमार पंडित, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्यमंत्री सचिवालय को दिनांक 5-4-2004 से 8-4-2004 तक 4 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक 9, 10, 11 अप्रैल, 2004 के सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री नितिन कुमार पंडित को विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्यमंत्री सचिवालय के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री नितिन कुमार पंडित, अवकाश पर नहीं जाते तो विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्यमंत्री सचिवालय के पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पंकज द्विवेदी, प्रमुख सचिव.

रायपुर, दिनांक 16 अप्रैल 2004

क्रमांक 250/2004/1-8/स्था.—श्री डी. सी. पाण्डे (रा. प्र. से.), संयुक्त सचिव, छ. ग. शासन, मुख्यमंत्री सचिवालय को दिनांक 21-4-2004 से 14-5-2004 तक 24 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक 15 एवं 16 मई, 2004 के सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री डी. सी. पाण्डे (रा. प्र. से.), संयुक्त सचिव को मुख्यमंत्री सचिवालय, रायपुर के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री डी. सी. पाण्डे (रा. प्र. से.), अवकाश पर नहीं जाते तो संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2004

क्रमांक 252/2004/1-8/स्था.—श्री पी. सी. पाण्डे (भा. व. से.), विशेष सचिव, छ. ग. शासन, आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को दिनांक 10-5-2004 से 22-5-2004 तक 13 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक 23 मई 2004 के सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री पी. सी. पाण्डे (भा. व. से.), विशेष सचिव को आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री पी. सी. पाण्डे (भा. व. से.), अवकाश पर नहीं जाते तो विशेष सचिव, छ. ग. शासन, आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 21 अप्रैल 2004

क्रमांक 254/2004/1-8/स्था.—श्री आर. सी. गुप्ता, अवर सचिव, छ. ग. शासन, ऊर्जा विभाग को दिनांक 12-4-2004 से 1-5-2004 तक 20 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक 2, 3 एवं 4 मई, 2004 के सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति प्रदान की जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री आर. सी. गुप्ता, अवर सचिव को ऊर्जा विभाग के पद पर पुनः पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में उन्हें अवकाश वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा, जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि श्री आर. सी. गुप्ता अवकाश पर नहीं जाते तो अवर सचिव, छ. ग. शासन, ऊर्जा विभाग के पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्रहास बेहार, सचिव.

रायपुर दिनांक 21 अप्रैल 2004

क्रमांक 972/585/2004/1/2/लीव.—श्री राबर्ट हांग्डोला, प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग को दिनांक 5-5-2004 से 12-5-2004 तक (8 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा साथ में दिनांक 2, 3 एवं 4-5-2004 का सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री राबर्ट हांग्डोला, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक प्रमुख सचिव, श्रम विभाग के पद पर पुनः पदस्थ होंगे.

3. अवकाश काल में श्री राबर्ट हांग्डोला, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पद पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री राबर्ट हांग्डोला, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

5. श्री राबर्ट हांग्डोला के अवकाश अवधि में डॉ. पी. राघवन, प्रमुख सचिव, अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ प्रमुख सचिव, श्रम विभाग का कार्य भी संपादित करेंगे.

रायपुर, दिनांक 16 अप्रैल 2004

क्रमांक 949/577/2004/1/2/लीव.—डॉ. पी. राघवन, कृषि उत्पादन आयुक्त तथा प्रमुख सचिव, कृषि विभाग को दिनांक 19-4-2004 से 24-4-2004 तक (6 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, दिनांक 17 एवं 18-4-2004 एवं 25-4-2004 का सार्वजनिक अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर डॉ. पी. राघवन, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक कृषि उत्पादन आयुक्त तथा प्रमुख सचिव, कृषि विभाग के पद पर पुनः पदस्थ होंगे.

3. अवकाश काल में डॉ. पी. राघवन, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि डॉ. पी. राघवन, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

5. डॉ. पी. राघवन के अवकाश अवधि में श्री राबर्ट हांग्डोला, प्रमुख सचिव, श्रम विभाग अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ कृषि उत्पादन आयुक्त तथा प्रमुख सचिव कृषि विभाग का कार्य भी संपादित करेंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

लोक निर्माण विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 31 मार्च 2004

क्रमांक 1446/1530/04/19/तक.—टोलटेक्स एक्ट, 1851 (क्रमांक 8 सन् 1851) जो कि वह छत्तीसगढ़ राज्य को लागू है, की धारा 2 में सहपठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये छत्तीसगढ़ राज्य शासन एतद्द्वारा नीचे दर्शाये नव निर्मित पुल जो जिला सरगुजा के लोक निर्माण विभाग अंबिकापुर संभाग क्रमांक 2 अंबिकापुर के अंतर्गत है, पर पथकर अधिरोपित करने हेतु इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-23/4/2000/सा-19, भोपाल दिनांक 27-1-2000 में संलग्न द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों से पथकर उदग्रहित करता है.

क्रमांक	पुल का नाम	पुल निर्माण लागत
(1)	(2)	(3)
1.	अंबिकापुर बनारस मार्ग के कि.मी. 87/2 में नव निर्मित खरहरा पुल	रुपये 53.34 लाख

राज्य शासन यह भी घोषित करता है कि इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-31-19/84/जी-19/720 दिनांक 12-6-85 की तृतीय अनुसूची में एवं अधिसूचना क्रमांक एफ-23-2-94/जी-19 दिनांक 9-5-94 में विनिर्दिष्ट वाहनों को पथकर देनगी से छूट रहेगी.

यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में प्रकाशित होने की दिनांक से प्रभावशील होगा.

Raipur, the 31st March 2004

No. 1446/1530/04/19.—In exercise of the powers conferred by Section 2 read with Section 4 of the Tolls Act, 1851 (VIII of 1851) in its application to the State of Chhattisgarh, the State Government hereby levies Toll-Taxes on following bridge situated in Surguja District under P.W.D. DIVISION, No. 2 Ambikapur.

S. No. (1)	Name of Bridge (2)	Total cost of Construction (3)
1.	Kharahara Nala Bridge in Km. 87/2 on Ambikapur Banerous Road.	Rs. 53. 34 Lakhs

at the rates specified in the second schedule appended to this department's Notification No. F-23/4/2000/G-19, Bhopal dated 27-1-2000 and declares that the vehicles, specified in the third schedule to this department's Notification No. F-31/19/84/19/720, dated 12-6-85 and Notification No. F-23-2-94/G/19, dated 9-5-94 shall be exempted from the payment of the said tolls. This order will be enforced with effect from the date of its publication.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विवेक ढांड, सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 25 सितम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-125/02/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 (3) के अधीन डॉ. सी. व्ही. रमन यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा 62 (बासठ) "प्रथम अध्यादेशों" को अनुमोदित करती है.

ये अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

ORDINANCE NO. 01

DEPARTMENTS

The Departments mentioned in column (2) of the Table below are assigned to the Faculty mentioned in column (1) thereof.

TABLE

S.No.	Faculty	Department of
i.	Faculty of Information Technology & Science	Physics
		Chemistry
		Mathematics
		Statistics
		Criminology and Forensic Science
		Computer Science
		Information Technology
		Electronics
		Bio Informatics
		Bio Technology
		Biochemistry
		Geology
		Botany
		Zoology
		Microbiology
ii.	Faculty of Arts	Pali & Prakrit
		Marathi
		Hindi
		English
		Sanskrit
		Linguistics, Foreign And Indian Languages
		Fine Arts
iii.	Faculty of Social Science -	Political Science
		Public Administration And local Self Government
		Economics
		History
		Psychology
		Sociology
		Philosophy
		Ancient Indian History Culture and Archaeology
		Mass Communication.
		Library Science and Information
		Gandhian Thought
iv)	Faculty of Home Science -	Home Science
(v)	Faculty of Education -	Education
(vi)	Faculty of Medicine -	Pharmaceutical Science
(vii)	Faculty of Commerce -	Commerce
		Applied Economics
(viii)	Faculty of Management -	Business Management
		Industrial Relations and Labour Welfare

S.No.	Faculty	Department of
		Business Administration
		Marketing Management
(ix)	Faculty of Libriray Science -	Library Science
		Information Science
(x)	Faculty of Law -	As per statute number 13.
(xi)	Faculty of Engg. and Technology -	As per statute number 13.
(xii)	Faculty of Ayurvedic medicine -	As per statute number 13.
(xiii)	Faculty of Pharmacy -	As per statute number 13.
(xiv)	Other additional departments will be created as and when need arises.	

ORDINANCE NO. : 02

CONDUCT OF EXAMINATIONS

1. All arrangements for the conduct of examinations to be held by the University shall be made by the Registrar in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.

2. The Registrar shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each Examination and the last dates by which applications and fees for examinations shall be submitted by the intending examinees.

3. (i) The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council, the centres of examination and the Registrar shall in consultation with the Head of the Institution where there is an examination centre appoint Superintendent and Assistant Superintendents, if any, for each examination centre and shall issue instructions for their guidance :

   Provided that for the purpose of appointment of an Assistant Superintendent at a Centre, the minimum strength of examinees appearing therefrom shall be atleast 300

   (ii) The Superintendent of the Examination at each centre shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer books sent to him and shall render to the University office a complete account of used and unused question papers and answer books.

   (iii) The superintendent shall supervise the work of invigilators working under him and shall conduct the examinations strictly according to the instructions issued to him by the University.

   (iv) The Superintendent of the Examination shall, whenever necessary send a confidential report to the Registrar about the conduct of examination, mentioning therin the performance the invigilators and the general behaviour of the examinees. He shall send a daily report on the number of examinees attending each of examinations, absentee roll numbers and such other information relating to the examination being held at the centre as may be considered necessary, alongwith any other matter which he thinks fit to be brought to the notice of the University. He shall also be responsible for maintenance and submission to the Registrar of the University, of the account of advance money received and expenditure incurred in connection with the conduct of the examinations.

   (v) The Centre Superintendent shall have the power to expel, an examinee, from examinations on subsequent examination days, on any of the following grounds :

      (a) That the examinee created a nuisance or serious disturbance at the Examination Centre.

      (b) That the examinee showed a seriously aggressive attitude towards an invigilator or a member of the staff entrusted with the examination work.

      (c) If necessary, the Superintendent may get police assistance, where a candidate is expelled, the Registrar shall be informed immediately.

   (vi) Unless otherwise directed, only teachers of Colleges, University Teaching Departments and Schools of Studies shall be appointed as invigilators by the Superintendents, provided that a teacher of the subject of the written examination at any session shall not be an invigilator at such a session of the examination. Invigilators can also be drawn from other educational institutions.

4. It shall be the duty of the Centre Superintendent to ensure that an examinee is the same person who had filled in the form of application for appearing at the examination, by way of checking the photograph pasted on the form in case of male ex-student and non collegiate candidates and signatures (One already on the form and the other to be obtained in the examination hall) in case of all candidates.It shall be the duty of the Centre Superintendent to see that on each day on which a candidate appears in the examination his signature is obtained on the form and to make sure that it tallies with the one already on it.

5. The University may change the examination centre of the examinees, irrespective of a college to which they belong anytime it deems proper without assigning any reasons.

6. The Registrar may, on the recommendation of the Centre Superintendent appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to questions at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself hereself on account of severe short sightedness or sudden illness, provided that such an amanuensis shall be a man/woman possessing qualification of atleast one class examination lower than the examinee concerned.

7. (i) The University may from time to time appoint Inspectors or Board of Inspectors to see that the conduct of the examination is strictly according to the rules and procedure laid down. In the event of the Inspector pointing out serious breach of rules or procedure, the Kulpati may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in part of the examination at the centre and if any such action is taken, a report of the action taken shall be made to the Executive Council at its next meeting.

The Centre Superintendent/Asstt. Superintendent/Invigilators/Members/The Board of Inspectors or any authorised person shall have power to make physical search of the examinees during the course of examination. The Inspectors or any member of the Board of Inspectors shall have the power of Centre Superintendents/Asstt. Supdtt/Invigilators.

(ii) Entry of unauthorised persons within the periphary of 100 meters from the examination centre shall be prohibited. The Centre Supdt shall identify such prohibited area by visible signs and authorising the police & other persons connected with the exam. to prevent unauthorised persons from entering this area. The Centre Superintendent shall file a report with the police if this prohibition is defied.

8. The Board of Management may cancel an examination at all centres if it is satisfied that there has been a leakage of question papers or any other irregularity which warrants such a step.

9. The Board of Management may issue such General Instructions for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper discharge of their duties.

10. Subject to the provision of this Ordinance, the Board of Management may from time to time make, alter or modify rules and procedures about the conduct of examination.

11. (1) The Results Committee for each faculty shall consist of the following :

(i) Kulpati	Chairman
(ii) Dean of the Faculty Concerned	Member
(iii) One Chairman Board of Studies	Member
(iv) Registrar	Member Secretary

(2) Three members shall form the Quorum,

(3) The term of the Results Committee shall be of one aoademic year.

(4) The functions of the Results Committee shall be as follows :

(i) To scrutinise and pass the results of the examinations conducted by the University after satisfying itself that the results on the whole and in various subjects are in conformity with the usual standards and to recommend to the Kulpati the action to be taken in any case where the result is unbalanced.

(ii) To scrutinise complaints against question papers and to take necessary action.

(iii) To decide cases of candidates who answered wrong paper.

(iv) To decide cases of candidates whose answer books were lost in transit.

(v) To exercise such other powers as the Academic Council may delegate to it from time to time.

(vi) To decide cases of mistakes made by the paper-setters, Moderators, Examiners, Invigilators. Superintendents of the Examination Centres, Tabulators, Collators, Co-ordinators and any other person concerned with the examinations whose cases are referred to the Committee.

(vii) If the results of any examination disclose understandable divergence in the marks of the candidates in any subject or divergence in the marks in any paper or subject among the candidates of the Colleges or the University Teaching Departments, the Committee may Investigate into the case of such divergence. The Committee may itself scrutinise the answerbooks or may order their scrutiny by other person, and may also call an explanation from the examiner concerned for the divergence of marks.

If after the investigation the Committee is of the opinion that such divergence may be due to leakage of paper, personal favouritism or animosity it may take such action as it deem fit including a revaluation of the answerbooks.

If leakage of paper or favouritism or animosity in valuation of answerbooks by any examiner is proved, the Committee shall report the matter to the Executive Council which may take such action against the examiner as it thinks fit and may debar him from examinership permanently or for a specific period.

(viii) To recommend to the Academic Council the ways and means of the improvement of the system of examinations including the system of Tabulation and Publication of the results.

Note : (1) If any action is to be taken against any examiner/Parper-Setter/Moderator in cases of mistakes/omissions/Negligence/Leakage in Paper Setting/Moderation evaluation, the matter shall be referred to the Board of Management with the recommendations of the Results Committee.

(2) If any action is to be taken against Centre Superintendent/Asstt. Superintendents/Invigilators, the matter shall be referred to the Board of Management directly by the Kulpati.

12. The Kulpati shall appoint Two Tabulators or Two Sets of Tabulators for tabulating the results of the examinations and collators as necessary and he may issue general instruction for the guidance of tabulators in preparing the result of the examination.

13. If a candidate has any communication to make on the subject of his/her examination paper, it shall be made in writing to the Registrar direct.

14. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his/her examination shall be reported to the Registrar who shall place the matter before the Board of Management.

15. Except as otherwise decided by the Board of Management the examination answer books and the documents regarding the marks obtained by the examinees, except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after 6 months from the date of the declaration of the results.

16. The Board of Management may, by a resolution, authorise the Registrar to publish the results of the University examinations as passed by the Results Committee on the notice board of the office of the University, the results, when published, shall simultancously be communicated to the principals of the colleges concerned. If any clerical error or error in the process of calculation or computerisation is discovered in the results so declared, the Kulpati shall have the power to ractify the same.

17. The remuneration of the Examiners, Superintendents, Asstt. Superintendents, Invigilators, Tabulators and Collators and the deductions to be made in remuneration for errors noticed shall be decided by the board of management time to time.

18.. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose whatever and no late comer will be permitted for the examination after half an hour of its commencement.

19. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes. The absence shall be recorded & if the examinee fails to return within this limit of 5 minutes, he/she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he/she gives convincing explanation.

20. A candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues talking in spite of the warning by the invigilators, the answer book of such examinee shall be withdrawn and a second answer book supplied. Only the second answer book shall be sent for valuation. The first answer book shall be cancelled & sent to the Registrar by the Superintendent.

21. The Superintendent of an examination centre shall take action against an examinee who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall or within the premises of the examination centre during the hours of examination, in the following manner :

(i) The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable materials found in his or her possession including the answer book and a memorandum shall be prepared with date and time.

(ii) The statement of the examinee and the invigilator shall be recorded.

(iii) The examinee shall be issued a fresh answer book marked "Duplicate Using Unfairmeans" to attempt answer within the remaining time prescribed for the examination.

(iv) All the materials collected and the entire evidence alongwith a statement of the examinee and the answer book duly initialled shall be forwarded to the Registrar by name, in a separate confidential sealed registered packet marked "Unfair Means" alongwith the observations of the Superintendent.

(v) The material so collected from the examinee together with both the answer books, viz, the answer books, collected while using unfairmeans and the other supplied afterward, will be sent to the examiner by the Registrar for assessing both the answer books separately and to report if the examinee has actually used unfairmeans in view of the material collected.

(vi) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent alongwith the report of the Examiner shall be examined by a Committee to be appointed by the Board of Management every year.

The Committee shall consist of :

(a) One member of the Board of Management, one of the Deans of Faculties, and one teacher who is member of the Academic Council nominated by the Board of Management.

(b) Registrar (Secretary).

The Board of Management shall appoint one of the members included under (a) to be the Chairman of the Committee.

(vii) The Committee shall after examining the cases, devide the action to be taken in each case and report to the Board of Management all cases of the use of unfair means together with the decision of the Committee in each case.

22. Where a candidate applies for revaluation, the answer book in which revaluation is sought will be sent for a valuation by the Kulpati, to Two Examiners (other than the One who initially valued it) at least one of whom shall be from a place outside the territorial jurisdiction of the University. Ten answer books valued by the same examiner and a copy of the memorandum of Instructions for the guidance of examiners if prepared by the paper setter will be sent to each of the Two Examiners to enable them to evaluate the answer book concerned in the light of the standard set by the examiner and the memorandum of instructions. If less than ten candidates had appeared at the examination in the paper concerned the answer book of all the candidates shall be sent to each of the examiners.

(2) If the marks awarded in the paper by any of the two examiners varies from the marks given by the original examiner by more than 10% of the maximum marks in the paper, the average of the marks awarded by two of the examiners, to original examiner and the two revaluers and nearest to each other will be taken to represent the correct valuation. This average of marks will be awarded to the candidate for the revision of his result.

Provided that subject to the condition that atleast one of the variations from the original marks is more than 10% of the maximum marks in the paper if two difference in marks allotted by the three examiners are equal, the two marks to the best advantage of the candidate shall be taken into account for arriving at the correct valuation.

Provided further that if the original marks obtained by the students are reduced on revaluation it shall not be taken into account.

ORDINANCE NO. 03

EXAMINATIONS (GENERAL)

Part-I

DEFINITIONS

1. In this Ordinance and in all Ordinance and Regulations laying down conditions for appearing at an examinations of the University for a degree or a diploma, either generally or for a particular examination, unless there is anything repugnant in the subject or context-

(i) "Regular Candidate" means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or College and seeks admission to an examination of the University as such.

(ii) "Ex-Student Candidate" means a person who was admitted to an examinations as a regular candidate and was not declared successful there-at or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued to him by the University and seeks admission again to the said examination.

(iii) "Non-Collegiate Candidate" means a person who seeks admission to an examination of the University otherwise than as regular candidate or ex-student candidate.

(iv) "A Regular Course of Study" Means-

(a) In case of faculties other than the Faculties of Medicine, Ayurveda and Engineering, Attendance-atleast seventy five percent of lectures and practicals separately.

(b) In case of the Faculties of Medicine and Ayurveda, attendance-atleast seventy-Five percent of lectures and Eighty-Five percent of practicals and clinicals separately.

(c) In case of the Faculty of Engineering, attendance-atleast Eighty-Five percent of lectures and practicals/sessional work separately, In a University Teaching Department, School of Studies or College in each subject which a candidate intends to offer for an examination.

N.B. in this Ordinance, unless provided otherwise, lectures shall include tutorials and Seminars.

(v) "Forwarding Officer" means-

(a) In case of an ex-student candidate, the Principal of the College where the candidate had prosecuted a regular course of study.

(b) In case of Non-Collegiate Candidate other than the one who has taken a correspondence/distance course in the University, the Principal of the College/institution which the candidate chooses as his examination-centre.

(c) In case of a Non-Collegiate Candidate who has taken a correspondence/distance course for the examination in the University, the Officer in-charge of the Correspondence Courser/Distance Education Programme.

(vi) "Attested" means attested by the Forwarding Officer.

PART-II

ADMISSION OF A REGULAR CANDIDATE TO AN EXAMINATION OF THE UNIVERSITY

2. (1) No regular candidate shall be admitted to an examination of the University unless he-

(i) has been enrolled as a student in a University Teaching Department, School of Studies or College in accordance with the Provisions of the Ordinance.

(ii) Possesses the minimum academic qualification for admission to the examination to which he seeks admission and has persued a regular course of study for that examination.

(iii) has been enrolled as a student of the University.

(iv) Satisfies all other Provisions, applicable to him, of this Ordinance and any other Odrinance governing admission to the examination to which he seeks admission.

(2) Where a candidate offers an additional subject for an examination in accordance with the provisions of the Ordinance relating to the examination, the minimum attendance requirement shall apply equally in case of such additional subject.

(3) In computing the attendance for fulfilment of the conditions regarding prosecution of a regular course of study :

(i) Attendance at lectures delivered and practicals/clinicals/sessional, if any held during the academic session shall be counted.

(ii) Attendance at any lecture delivered or practicals/clinical/sessional if held within Twenty-Eight days preceeding the first day of the written examination shall not be counted,

(iii) Attendance kept by a regular candidate in a higher class shall be counted towards percentage of attendance for the examination of the lower class to which he may revert as a result of his failure to pass in the Supplementary Examination.

(iv) Attendance at NCC/NSS camp during the session shall be taken as full attendance at lectures/practicals on each such day of camp and the days of journey to such camp.

(v) Participation as a member of University/College team in any Inter University or Inter-Collegiate Competition shall be taken as full attendance on the days of such competition and the days of journey for participating therein.

(4) The aggregate number of lectures delivered and practicals/clinicals/sessionals held in an academic session in a University Teaching Department, School of Studies or College for a Post-Graduate Degree Examination in the faculties of Arts, Social Science, Life Science, Home Science, Commerce and for LL.B. Examination shall not be less than 180.

Provided that the aggregate number of lectures to be delivered in an academic session to students offering thesis for M.A. (Final) Examination shall not be less than 135.

(5) For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical/clinical/sessional held in each subject may be condoned by the Kulpati.

(6) Except as otherwise provided a regular candidate for an examination shall on or before the last date notified by the Principal of the College or Head of the University Teaching Department/School of Studies-

(i) Submit an application for admission at the examination in the prescribed form through the Principal of the College/Head of the University Teaching Department or School of Studies indicating the subject or Subjects in which he desires to present himself for the examination.

(ii) Pay alongwith the application the fee prescribed for the exmination concerned together with a fee of Rupees Ten for the supply of marks obtained by him in each paper at the examination.

(7) (i) Application submitted by regular candidates together with the examination fee and marks fee shall be forwarded by the Principal of the College/Head of the University Teaching Department or School of Studies so as to reach the Registrar on or before the last date prescribed for the purpose by the University.

(ii) In case of each application, the Principal of the College/Head of the University Teaching Department or School of Studies shall certify that the candidate :-

(a) Possesses the minimum academic qualification for appearing at the examination to which he seeks admission.

(b) Is of good conduct.

(iii) The Principal of the College or Head of the University Teaching Department or School of Studies concerned shall send to the Registrar atleast three weeks before the commencement of the examination concerned three separate lists as detailed below-

LIST-A Of those candidates who have attended at least 75% both of the lectures delivered and of the practicals held separately in each subject of the courses of instructions for the examination (in the case of faculties of Medicine and Ayurveda, the minimum attendance in theory shall be 75 percent and in practicals and ward clinics 85 percent separately and in the case of faculty of Engineering the minimum shall be 85 percent separately of lectures for each theory paper and for practicals/sessionals).

LIST-B Of those candidates whose attendance is short by not more than 15 percent for condonation by the Kulpati. The Principal or the Head of the University Teaching Department/School of Studies concerned are required to give specific reasons for condonation of shortage alongwith their recommendation.

LIST-C Of those candidates whose shortage of attendance exceeds 15 percent and who are to be debarred from appearing at the examination.

(8) The Principal of a College or the Head of the University Teaching Department or School of Studies may detain a regular candidate from taking an examination if he does not pay out standing college dues, or does not return the college property and all the articals and uniform issued to him for sport or NNC or does not pay the cost thereof in case of loss, by the 15th of February preceding the examination or if the conduct of the student has been unsatisfactory between the time of submission of his application form to the Registrar for admission to the examination and the date of the commencement of the examination.

PART-III
ADMISSION OF AN EX-STUDENT CANDIDATE TO AN EXAMINATION OF THE UNIVERSITY

(9) (1) No Ex-Student candidate shall be admitted to an examination of the University unless he submits his application for appearing in the examination- (i) The statement of marks (in original) obtained by him at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

(ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular, candidate but could not appear a certificate from the Principal of the College last attended by him showing the year, the Roll Number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

(2) No person shall be admitted as an Ex-Student candidate-

(i) at any examination in the Faculty of Medicine or Ayurveda.

(ii) At any examination in the Faculty of Engineering if he has failed to secure the minimum marks required for passing in the sessionals.

(10) An Ex-Student candidate for an examination shall-

(i) Submit through the forwarding officer the Principal of the College wherein he had prosecuted a regular course of study, An application for admission to the examination in the prescribed form on or before the last date notified by the University and specify therein-

(a) Whether he is candidate for the full examination or for supplementary examination.

(b) The subject or subjects in which he desires to present himself for the examination.

(ii) Affix with his application for admission to the Examination if he is a male candidate his two latest passport size photographs one in attestation form and other on admission card duly authenticated by the forwarding officer. In case of a Female candidate the passport size photograph shall be submitted to the Forwarding Officer along with her examination application form to the forwarding officer for issuing indentity card in favour of the candidate which she will produce on each day of the examination in the examination hall.

(iv) Pay the fee prescribed for the examination together with the additional fee of Rs. 10/- for the statement of marks obtained in each paper at the examination. Fees shall be paid through Crossed Bank Draft drawn in favour of the Registrar of the University or in any other manner prescribed by the University.

(11) (i) An Ex-Student candidate shall offer the Subjects or optional papers which he had previously offered as a regular candidate unless on account of a change in the scheme of examination the subject/paper offered by him earlier ceases to be a part of the scheme of examination or syllabus for the examination and he is permitted by the University to offer instead a different subject or paper.

(ii) An Ex-Student candidate will be required to appear in the examination in accordance with the syllabus specifying the scope of studies in different subjects.

(12) Every Ex-student candidate shall appear at the Examination Centre at which the regular candidate from the college in which he had prosecuted a regular course of study shall be appearing.

Provided that the Registrar may, for sufficient reasons require or allow a candidate to change his Examination Centre.

PART-IV

ADMISSION OF A NON-COLLEGIATE CANDIDATE TO AN EXAMINATION OF THE UNIVERSITY

(13) (1) It shall be a prerequisite condition for every Non-collegiate candidate for any examination of the University that he should be a bonafide resident of a district within the territorial jurisdiction of the University or should have been residing on the date of submission of application form for admission to an examination for atleast Twelve Months in a place situated within the territorial jurisdiction of the University.

Provided that in case of a Chhatisgarh or Central Government Employee or transfer or his dependent, the above mentioned period may be relaxed by the Kulpati.

Provided also that in case of Non-Collegiate candidates who have taken a correspondence/distance education course for the examination concerned in the University such residence qualification shall not be necessary.

(2) Subject to fulfilment of the requirement of the Ordinance relating to the examination concerned, Non-Collegiate candidates shall be eligible to appear in B.A./B.Sc./B.Com./M.A./M.Sc. (Maths)/M.Com. examination and in all other examinations leading to a degree in the faculties of Arts, Social Science and Commerce.

Provided that the State Government may, by notification issued under clause (10) of Section 6 of the Adhiniyam permit women candidates to appear as Non-Collegiate candidates in an examination leading to a Bachelor's Degree in the faculty of Law.

(3) No Non-Collegiate candidate shall be admitted to an examination of the University unless such candidate if he has offered a subject for such examination for which a course candidate work is prescribed, has completed such work in a University Teaching Department or a School of Studies or a College and submits to the Registrar before the last date notified by the University a certificate of such completion from the Head of the Teaching Department or School of Studies or the Principal of the College.

(14) (1) Every Non-Collegiate candidate seeking permission for admission to an examination shall apply to the Registrar on or before the last date notified by the University in the prescribed form through the forwarding officer i.e. the Principal of the College which the candidate chooses as his examination centre or officer in charge correspondence/distance course, as the case may be. The candidate shall submit with his application the following -

(i) The original statement of marks obtained at the qualifying examination together with an attested copy thereof or at the examination in which he is to appear if he had failed at the examination earlier.

(ii) Certificate in original from the Collector or Deputy Collector of a District included within the territorial jurisdiction of the University or from any other gazetted officer showing that he is a bonafide resident of the district or has been residing in the district for a period of not less than Twelve Months on the date of application for admission to the examination or a certificate of such residence in original from the principal of a college affilicated to the University duly supported by an affidavit sworn by the candidate's Father, Mother, Guardian or Husband as the case may be.

Provided that where a candidate requests for relaxation of the requirement relating to the period of residence on the ground that he is a Chhatisgarh or Central Government employee or the dependent of such employee on tranfer to a place within the jurisdiction of the University, he shall submit the necessary certificate in support of such transfer from the Head of the Office where the Government Servant is employed.

Provided also that such residence certificate shall not be necessary in case of Non-Collegiate candidate who has taken a correspondence course of the University.

(a) Those candidates who were regular students of colleges affiliated to the University or of the University Teaching Departments and who desire to appear as Non-Collegiate candidate at the subsequent higher examination, shall be exempted from producing a certificate of residence of the district included within the territorial jurisdiction of the University.

(b) Those candidates who had produced a certificate of residence and who appeared at an examination shall not be required again to produce a certificate of residence for admission to the subsequent higher examination.

(c) Persons (i) who are serving in Navy, Army, Air Force and Posted within the territorial jurisdiction of the University and (ii) Central/State Government employees posted within the territorial jurisdiction of the University will be required to produce a certificate from the Local Heads of Department stating that the employee has been working as Central/State Government employee in the district included within the territorial jurisdiction of the University. In case, of the wards of such employees, a certificate should be from the Head of the Departmentstating that the candidate is wholly dependent on the employee and is residing with him.

EXPLANATION : An examinee shall be deemed to be a bonafide resident of a district if-

(a) His/her father or mother (After the death of the father or guardian (in case of the death of both the father and the mother) or in case of a married woman her husband is continuously residing in that district for not less than three years preceding the year in which the application for admission to the examination is submitted.

(b) He or his father or mother is a resident of that district possessing immoveable property therein but serving elsewhere under the Central Government or the Chhatisgarh Government.

(iii) Affix with his application for admission to the Examination if he is a male candidate his two latest passport size photographs one in attestation form and the other on admission card duly authenticated by the forwarding officer. In case of female candidate the passport size photographs shall be submitted with form to the forwarding officer for issuing identity card in favour of the candidate which she will produce on each day of the examination in the examination hall.

(iv) The Migration Certificate in original issued by the University from which he is migrating.

(v) An application for registration if he is not already registered for the examination concerned.

(vi) In case the candidate has taken a correspondence course, a certificate from the officer in charge that he has satisfactorily completed the course.

(2) In the application for admission to the examination the candidate shall specify-

(i) Whether he is a candidate for the full examination or for supplementary examination.

(ii) The subject or subjects in which he desires to present himself for the examination.

Provided that no Non-Collegiate Candidate shall be allowed to offer a subject or paper prescribed in the course of study unless the same is offered by a regular candidate.

(3) A Non-Collegiate candidate shall pay with his application for admission to an examination, the fee prescribed for the examination together with any other fees which may be decided by BOM/Governing Council.

All fees shall be paid through Crossed Bank Draft drawn in favour of the Registrar of the University or in any other manner prescribed by the University. (4) A Non-Collegiate candidate migrating from another University or Board of Secondary Education shall send with his application for admission to an examination the Migration Certificate from the University or Board from which he is migrating and pay an **immigration fee of Rs. 115/-.**

Provided that immigration fee shall not be payable by a candidate migrating from a University in Chhatisgarh or the Board of Secondary Education in Chhatisgarh.

PART-V

GENERAL CONDITIONS APPLICABLE TO ALL CANDIDATES

(15) Where there are Two or Three examinations for any degree such as Part I, II and III or Previous and Final examinations and there are Two or more alternative subjects/courses for such a degree a candidate for the degree must take the same subject/course in part III/Final examination as he has taken in the Part-II/Previous examination.

(16) No candidate shall appear in more than one degree examination or in more than one subject for the Master's Degree (Previous or Final) in one and the same year.

Provided that a student, while undergoing courses of instructions in Law, will not be permitted to offer any other Diploma (excluding Language Diploma) or Degree course simultaneously.

(17) A Candidate who has passed the Bachelor's Degree Part-I or Part-II examination or the Previous examination for a Master's Degree of another University may with the permission of the Kulpati, be admitted to the next higher examination of the University for the degree concerned provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of the University for the corresponding examination.

(18) No person who has been expelled or rusticated from any college or University or has been debarred from appearing at University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

(19) An application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late **fee Rs. 100/-.**

(20) Notwithstanding anything contained in the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University, the Kulpati may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of diligence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to

be entertained with the late fee of Rs. 20/- even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.

(21) (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of a candidate, if-

(a) the application of the candidate is complete in all particulars in accordance with the provisions applicable, and is in order.

(b) the candidate is eligible for admission to examination and the fees as prescribed have been paid by the candidate.

(2) Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers a candidate shall not be deemed to have been admitted to the examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

(3) The admission card issued in favour of a candidate and also the permission given to Non-Collegiate candidate to appear at an examination may be withdrawn if it is found that-

(a) the admission card was issued or permission was given through mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.

(b) any of the particulars given or document submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to a college .Teaching Department or School of Studies or admission to an examination is false or incorrect.

(4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on payment of a further fee of Rs. 25/- such card shall show in a prominent place the word "DUPLICATE".

(22) A candidate shall not be admitted into the examination hall unless he produces the admission card before the superintendent of the examination centre or the invigilator or satisfies such officers that it shall be produced. A candidate shall produce his admission card whenever required by the Superintendent or the invigilator.

(23) (a) In the Examination hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the Centre and he shall obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instructions of the Superintendent or his indiciplined conduct or arrogant behaviour towards the Superintendent or any invigilator, the candidate may be excluded from that day's examination and if he persists in misbehaviour he may be excluded from the rest of the examinations by the Superintedent of the Centre.

(b) If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the Superintendent or any invigilator at the centre or in its precincts endangering the personal safety of either of them or acts in a manner likely to obstruct the authorities in the discharge of their duties, the superintendent may expel the candidate from the centre and he may take police help.

(c) If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination centre, he may be expelled from the centre and/or handed over to the police by the superintendent.

(d) A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above will not be allowed to appear in the subsequent papers.

(e) In every case where action is taken by the Superintendent under (a), (b) or (c) above a full report shall be sent to the University and the Board of Management may according to the gravity of the offence further punish a candidate by cancelling his examination and/or debarring him from appearing at any of the examinations of the University for one or more years after giving the candidates an opportunity to show cause and considering any explanation submitted by the candidate.

(f) (i) If a candidate is found guilty of using or attempting to use or having used unfair means at an examination such as.copying from some book or notes or from the answer of some other candidate or helping or receiving help from any other candidate or helping or receiving help from any other candidate or keeping with him the examination hall material connected with the examination or in any other manner whatsoever, the Board of Management may cancel his examination and also debar him from appearing at any of the examinations of the University for one or more years according to the nature of the offence.

(ii) The Board of Management may cancel the examination of a candidate and/or debar him from appearing at an examination of the Vishwavidyalaya for one or more years if it is discovered afterwards that the candidate was in any manner guilty of misconduct in connection with his examination and/or was instrumental in or has abetted the tempering of Vishwavidyalaya records including the answer books, mark-sheets, result charts, diplomas and the like.

(iii) The Board of Management may cancel the examination of a candidate and/or debar him from appearing at an examination of the Vishwavidyalaya for one or more years, if it is discovered afterwards that the candidate had obtained admission ,to the examination by misrepresenting facts or by submitting false or forged certificate/documents.

(iv) When the University intends to award any of the aforesaid penalties under clause (i), (ii) or (iii) above it shall give the candidate concerned an opportunity to show cause in writing within fifteen days of the issue of such "SHOW-CAUSE" letter as to why the proposed penalty may not be imposed on him and shall consider the explanation, if any, filled within the specified time, before awarding the penalty.

A list of candidates so disqualified shall be circulated to all Universities in India requesting them not to admit these students during the period of their rustication.

(24) (1) A candidate who due to sickness or other cause is unable to present himself/hereself at an examination shall not receive a refund of his fee, provided that the Kulpati may in a case in which he is satisfied about the genuineness, or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fee towards the immediately next examination, viz.-

(i) Examination fee after deduction of **Rs. 10/-**

(ii) Fee for Statement of Marks.

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University. Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate of illness if applicable, must be sent so as to reach the Registrar not earlier than and not later than 30 days from the date commencement of the examination at which the candidate was to appear.

Provided, however, that a candidate shall not be entitled to the adjustment of examination fee mentioned in foregoing paragrah if he/she changes the faculty or his subject in case of a postgraduate examination.

(2) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures/practicals, may be refunded through the Principal of the college concerned after deduction of **Rs. 10/- (Ten).**

(3) Examination and other fees of a candidate whose application for appearing at an examination has been rejected for some reason, or who could not furnish his or within the prescribed date, necessary fees having been paid to University account, may be refunded after deduction of a sum of **Rs. 10/- (Ten).**

(4) The examination and marks fee of a candidate who dies before appearing at the examination may be refunded in full to his guardian or his successor.

(5) The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.

(24) (1) Any candidate who has appeared at an examination conducted by the University, may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the written papers in any subject and rechecking of his result. Such application must be made so as to reach the Registrar within 30 days of the publication of the result of the examination.

(2) Such application must be accompanied by fee as per schedule given below :-

(a) In One Subject Rs. 50.00

(b) In All Subjects Rs. 200.00

Provided that for purpose of this paragraph each paper of Post-Graduate examination in a subject and also LL.B., B.E., Arch., B.P.Ed., and B.Ed., examination, shall be reckoned as a subject.

(3) A candidate shall not be entitled to a refund of the fee, unless his result is affected by the scrutiny.

(4) The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate.

(5) If as a result of scrutiny it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and the fee deposited by the candidate for scrutiny of marks shall be refunded to him.

(26) (1) A candidate whose result has been declared may apply to the Registrar in the prescribed form within Thirty Days of the declaration of his result for the revaluation of any answer books.

Provided that no candidate shall be allowed to have more than Two Answer Books revalued.

Provided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practicals. field work sessional work, tests and thesis submitted in lieu of a paper at the examination.

(2) The fee for revaluation shall be **Rs. 100/- per** Answer-Book. If the application is made within 15 days. The application received after the last date upto a maximum of 10 days shall be accompanied by a late fee of **Rs. 20/- (Non-refundable)** 5 days accompanied by a late fee of Rs. 10/- per day (Non-refundable).

(3) If the correct valuation arrived at as a result of revaluation exceeds the marks awarded by the original examiner and affect the result, the candidate shall be entitled to a refund of **Rs. 40/- per answer book** after deducting the amount of remuneration payable to the two examiners out of the revaluation fee deposited by him.

(27) A candidate who has passed any final degree examination may after the declaration of his result and before the date of the next convocation apply to the Registrar for a Provisional Certificate of passing the examination of the University such application shall be accompanied by a **fee of Rs. 20/-**

(28) No person who is under sentence of expulsion or rustication from a University Teaching Department, School of Studies or College or from the University or is debarred from appearing at examination of the University for any period of time shall be granted a Migration Certificate during the period for which the sentence is in operation.

(29) Duplicate copies of the following certificates shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz.-

(i) Marks List	Rs. 50.00
(ii) Migration Certificate	Rs. 100.00
(iii) Provisional Certificate	Rs. 100.00

Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall not be granted except in cases in which the Registrar is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by Law for the time being in force that the applicant has not utilized the Original Migration Certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has real need for a duplicate.

(30) Duplicate of University Diplomas shall not be granted except in cases in which the Kulpati as satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by Law for the time being in force, that the applicant has lost his Diploma or that it has been destroyed and the applicant has real need for a duplicate. In such cases a duplicate of the diploma may be granted on receipt of **a fee of Rs. 75/-**

(31) The names of first ten successful candidates in each examination other than supplementary examination who obtain first division shall be declared in order of Merit for each class/subject as the case may be.

(32) Notwithstanding anything contained in the concerned Ordinance an examinee, who fails by a total of not more than three marks in not more than two subjects in any of the B.A./B.Sc./B.Sc. (Home Science)/B. Com./LL.B. examination except where it is held on a semester basis, but secures more than the minimum aggregate marks required shall be given three grace marks to enable him to pass the examination.

*"Provided that benefit under this para shall not be available to candidates whose marks in any paper(s)/Practical(s) are carried over from the previous examination(s) (in case of B.A., B.Sc., B.H.Sc. and B.Com., LL.B. examination)".

(33) The Kulpati may award one grace mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark where the deficiency is so condoned one mark shall no where be added Provided that the benefit under this paragraph shall not be allowed to enable a candidate to get the benefit under paragraph-32.

(34) The scope of studies in different subjects for an examination shall be as prescribed by the University from time to time and printed in the prospectus for the examination concerned.

(35) (1) There shall be a Supplementary Examination as far as possible in August/September every year for candidates having failed only in one subject of B.A., B.Sc., B.Com., B.H.Sc., and LL.B. at March/April Annual examination Every candidate desirous of appearing at the Supplementary Examination shall submit an application as indicated in this Ordinance with the requisite fees. The result of candidates appearing in the Supplementary Examination shall be declared in accordance with the provisions of the ordinances.

(2) Such candidates as are eligible to appear in the supplementary Examination may be provisionally admitted to the next higher class in a university Teaching Department, School of studies or College and their attendance in the higher class shall be counted in case they are declared successful at the Supplementary Examination. If the candidate fails at the examination, the admission to the higher class shall be cancelled and candidate shall revert to the lower class.

Provided however such candidates as are eligible to appear in the Supplementary examination may be provisionally permitted at their own risk to attend the next higher

class in the University Teaching Department or School of Studies or any College affiliated to the University and count attendance. They will however, be eligible to appear at the next higher class examination at a subsequent examination only after having passed the supplementary examination, provided they fulfil other conditions laid down in the Ordinance. In case the candidates are not able to clear the Supplementary Examination in two attempts will revert to the lower class and will have to appear in all subject.

(36) (1) The following shall be eligible to appear at Supplementary Examinations-

(A) Candidates who have failed at any B.A., B.Sc., B.Com., B.H.Sc. and LL.B. Examination in not more than one subject or group as the case may be. A student failing in one Subject shall be admitted to the next higher class but he shall not be eligible to appear at the examination of the next higher class until he passed in all subjects of the lower class.

(B) Candidates for examinations other than those enumerated in (a) above who are declared eligible to appear at a Supplementary Examination in accordance with the provisions of the respective examinations ordinance.

(2) In the case of a subject for Supplementary Examination in which there is also a practical test, a candidate shall be required to appear in the written papers only if he has passed at the main examination in practical and in practical only if he has passed in the written papers. A candidate who has failed both in written papers and practicals shall be examined in both the parts of the subjects.

(3) Except when provided otherwise in the Ordinance concerned, a candidate who has been declared eligible for a Supplementanry Examination may appear as a Supplementary Examination candidate in the two examinations immediately following the Examination in which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers at the next examination.

(4) A candidate appearing in the Supplementary Examination shall be declared to have passed the examination if he secures the minimum pass marks in the subject or group as the case may be except when provided otherwise in the examination ordinance concerned. The actual marks obtained by the candidate at the Supplementary Examination shall be taken into account for determining his division at the examination and the number of attempts shall be mentioned in the statement of marks.

ORDINANCE NO. 04

ADMISSION OF STUDENTS TO A COLLEGE, UNIVERSITY TEACHING DEPARTMENT OR SCHOOL OF STUDIES, TRANSFER OF STUDENTS AND MAINTENANCE OF DISCIPLINE

1. In this Ordinance, unless there is anything repugnant in the subject or context-

(a) "Equivalent Examination" means an examination which has been conducted by-

(i) any recognised Board of Higher Secondary Education, or

(ii) any Indian University other than University incorporated by any law in force for the time being, and recognised by the University as equivalent to its corresponding examination or the final examination held under the MP Madhyamik Shiksha Adhiniyam 1965 as the case may be.

(b) qualifying examination means an examination the passing of which makes a student eligible for admission to a particular year in a course of study leading to a Bachelor's or Post-Graduate Degree or Diploma conferable by this University.

2. A student seeking admission to a College, University Teaching Department or School of Studies (hereinafter called an Institution) shall, on or before the date prescribed for submission of applications for admission by the Head of the Institution concerned, submit his application on the prescribed form to be obtained from such Institution on payment of the prescribed fee.

3. The application for admission shall among others be accompanied by (i) the School or College Leaving Certificate signed by the Head of the Institution last attended by the student, (ii) true copy of the statement of marks showing that the applicant has passed the qualifying examination, and in the case of a student who passed the examination as private candidate, a certificate signed by two responsible person certifying to the good character of the applicant. If an applicant for admission, as aforesaid, has passed the qualifying examination from a Board other than the Board of Secondary Education, Madhya Pradesh, or a University other than this University, he shall submit in addition to the School or College Leaving Certificate an eligibility or a Migration Certificate from the Secretary or Regiatrar of such Board or University, as the case may be together with immigration fee of **Rs. 115/-**.

4 (1) No student shall be admitted to an institution for pursuing a course of study for the Initial year of the first degree under any faculty unless he has passed the final examination held under the Madhya Pradesh Madhyamik Shiksha Adhiniyam 1965 (23 of 1965), or an examination declared equivalent of such examination by the University or such other qualifying examination as may be prescribed from time to time.

(2) No student enrolled in the University shall be admitted to any subsequent higher class in any institution unless he has passed the examination qualifying him to appear for the examination for which he will be preparing.

*Admission will be made on merit basis. Reservation for Schedule Caste and Schedule Tribes persons and in some cases for sportmen will be made.

Provided that a student who is eligible to appear at a Supplementary Examination may be provisionally admitted to a subsequent higher class but if he is not declared successful at such examination his admission to the college/institution will be cancelled and he shall revert to the lower class.

(3) No student migrating from any other University shall be admitted to any class in an institution unless he has passed the examination which has been declared by the University as equivalent to the qualifying examination for a student of the University.

(4) Without prejudice to the provision contained in sub-clause (3) above, no student migrating from any other University shall be admitted to any class in an institution without the previous permission of the Board of Management wherever by any general or special direction, such permission is necessary.

(5) An applicant for admission to a course leading to a Bachelor's Degree shall not be so admitted unless he is prepared to appear in all the subjects prescribed for the particular degree examination.

5. (1) No student who has passed a part of any degree or Post-Graduate examination from another University shall be admitted to subsequent higher class for such examination in any institution without the approval of the Kulpati in consultation with the Dean of the Faculty in case of Degree examination and the Chairman of the concerned Board of Studies in case of Post-Graduate Examination.

(2) No person who is under sentence of rustication from another University or a Teaching Institution connected with that University shall be admitted to any course of study in any Institution maintained by or affiliated to this University.

6. (1) Admission of students to all institutions except those for Ayurveda, Engineering and Medicine in each academic year shall be completed by the first day of the academic session concerned.

Provided that the Head of an Institution may, in his discretion, admit a student to the institution till 31st July and for special reasons with the permission of the Kulpati by 14th August.

Provided where 31st July or 14th August is a holiday, the next working day will be the last date in each case. In Institutions for Ayurveda, Engineering and Medicine, the corresponding last date of admission shall be 21st August and 31st August.

Provided that a student who is eligible for supplementary examination of the University shall be permitted to take provisional admission to the next higher class within the date prescribed above. If he/she fails to clear the supplementary examination the provisional admission in the higher class shall stand as cancelled and the candidate will revert to the lower class.

Provided further that the Kulpati shall have powers to grant admission in cases of candidates (i) who qualify for admission as a result of revaluation and who seek admission within 15 days from the date of declaration of the result, their attendance to be counted from the date of such admission.

(ii) Candidates coming on transfer from other university because of the transfer of their Parents Guardians, beyond the last date for admission (iii) Genuine hardship beyond the last date for admission, as given above on the clear understanding that their attendance of all such students admitted under the provision shall be counted from the date of commencement of the session.

(2) A Complete list of all students admitted to the Institution upto 14th August shall be forwarded by the Head of the Institution to the Registrar of the University by the last Monday in August, (or as per the last date declared in the academic calender of the university) with a certificate that all admissions have been made as per University Rules and that no exception has been made. Colleges of Engineering, Ayurveda and Medicine shall forward such list as per the academic calender declared by the University.

7. (1) A student shall be enrolled as a member of an Institution as soon as he is admitted by the Head of the Institution and has paid the prescribed fees.

(2) A student seeking admission to an Institution after the commencement of the session shall be required to pay tuition fees from July of the year unless he migrates from another Institution in the University and has paid his fees in the former Institution upto the preceding month.

8. The Head of the Institution may permit a student to change his optional subjects for a course or with the approval of the Kulpati, to change the Faculty till 31st August. No change there after shall be permitted.

9. No student shall be allowed to migrate from one Institution to another under the jurisdiction of this University without a Transfer Certificate and no transfer from one such Institution to another shall in any case be permitted after the date on which the application of a student for admission to the ensuing examination has been forwarded to the University.

10. (1) Subject to the provision contained in para-9 a student, who during an academic session desires to leave the Institution of which he has become a member shall give notice in writing to the Head of the Institution of his intention to leave stating reasons therefor and further stating the name of the Institution, if any, which he wishes to join. If the change is to another Institution in the same city, the Head of the Institution shall consider the reasons given by the student justifying such a change, and if they are strong enough to justify such a change, he may pass orders accordingly.

(2) On such orders being passed, the student in question shall-

(i) Make payment of all fees due to the Institution upto the month of the aplication for the transfer certificate: and

(ii) refund whatever, if any schlorship or studentship has been paid to him from the funds of the Institution, if required by the Head of the Institution to do so.

(3) When the student has made all the aforesaid payments, the Head of the Institution shall issue a transfer certificate.

11. A student migrating from one Institution to another under the jurisdiction of the university shall not be required to pay such Instalments of tuition fees as he has already paid in the Institution from which he is migrating.

12. Every student in the University shall at all times be of good behaviour, show diligence in studies, maintain decorum and dignity, take proper interest in cocurricular activities and observe all rules of discipline of the Institution of which he is a student and of the University.

13. (1) When a student has been guilty of breach of discipline within or outside the precincts of the University or an Institution, or persistent idleness or has been guilty or misconduct, the Head of the institution at which such student is studying Kulpati/Registrar/Dean, Student Welfare may according to the nature and gravity of the offence-

(a) suspend such a student from attending classes for not more than a week at a time, or

(b) expel such a student from his institution,

(c) disqualify such a student from appearing at the next ensuing examination, or

(d) rusticate such a student.

(2) Before inflicting any punishment as aforesaid, the Head of the Institution shall give the student concerned an opportunity of personal hearing and record the reasons of inflicting the punishment in writing.

(3) The Head of the Institution concerned shall have power to suspend for such time as may be necessary a student temporarily from the institution pending inquiry into his conduct in connection with an alleged offence.

(4) The period, during which a student remains suspended for completion of an enquiry, shall be reckoned in the calculation of his attendance for appearing at an examination provided he is found innocent.

(5) A student who has been rusticated shall not be admitted to another Institution within the jurisdiction of this University. Ordinarily, the period of rustication shall not exceed two years. Other Universities shall be informed of the fact of the restigation.

(6) The restigation of a student from an Institution shall entail the removal of his name from the registrar of enrolled students.

ORDINANCE NO. 05

ENROLMENT OF STUDENTS AND THEIR ADMISSION TO COURSES OF STUDY

1. Any person who shall have passed the Higher Secondary School Certificate Examination of the Board of Secondary Education, Chhattisgarh or an examination recognised by the University as equivalent to it, may be enrolled as a student of the University.

(b) A candidate who after passing Higher Secondary School Certificate Examination (10+2) held in 1988 and thereafter or Intermediate Examination of Chhattisgarh Board of Secondary Education, Raipur Chhattisgarh of Secondary Education or any other Examination recognised by the University/Chhattisgarh Board of Secondary Education as equivalent there to has attended a regular course of study in an affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the under graduate degree programmes.

Besides regular students and failed students and subject to their compliance with the Ordinance Non-Collegiate student shall be eligible for admission to the examination.

2. Application for enrolment as a student of the University shall be made to the Registrar in the prescribed form and it shall be accompanied by an enrolment fee of Rs. 20/-. Such application shall be submitted through the Principal of the College to which the student has been admitted.

3. (i) No student shall be deemed to have been admitted to any course of study as a regular student of the University unless his name is borne on the register of enrolled students.

(ii) Except in a case in which a student does not hold the minimum qualifications prescribed for admission to the course of study concerned, the fee for enrollment paid by a student shall not be refunded under any circumstances.

4. The procedure for submission of applications for enrollment of student by colleges shall be as follows, viz.

(i) All application forms from students shall, tog ether with the necessary fees, migration certificate, if necessary, and returns on the prescribed forms reach the University Registrar by 30th September of the Academic year as per the academic calender of the year in which the students are admitted.

(ii) On payment of a late **fee of Rs. Ten**, the Kulpati may, for special reasons to be recorded, permit the enrollment of student whose application, form, enrolment fee or the Migration Certificate have been submitted after the due date and if the Kulpati is satisfied that the delay in submission is not due to any lack of diligence on the part of the student, he may sanction remission of the late fee.

(iii) In the case of all students who apply for enrolment the Principal of the college shall send to the University general certificate to the effect that he has inspected the certificate issued by the appropriate authorities and satisfied himself that in each case the student concerned has passed the examination which under the rules of the University entitles him to join the course to which he has been admitted in the College.

5. No person, who is under sentence or expulsion or rustication from another University shall be admitted to any course of study during the period for which the sentence is in operation.

6. (1) A student who is enrolled in the University may apply for a change, correction or alteration in one's own name or surname to the Registrar of the University with a **fee of Rs. 50/-**

(2) The Registrar, if he is satisfied with the reasonableness of the request, may pass order for the change or correction of the name of the student.

(3) Any change, addition or modification, shall be recorded in the University Register in Red Ink under the attestation of the Registrar and a certificate to that effect shall be issued to applicant.

(4) Under no circumstances shall any alteration be made in the University Diploma, Degree and other document issued in favour of the application prior ot the order for a change or correction in the name.

(5) In all subsequent Documents, Certificates, Diplomas and Degrees of the University the former as well as the new name shall be entered and all correspondance shall be carried on in like manner.

(6) The application for change or correction in the name shall be made either through the Head of the Institution where the student is studying or in case of others shall be countersigned by two members of the Court or a first class Magistrate and shall be supported by an affidavit.

(7) The fee deposited with the application shall not be refunded to the student unless his application is rejected.

ORDINANCE NO. 06

THE CONDITIONS OF THE AWARD OF FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS

1. (a) Every year in the month of July the University shall invite applications through an advertisement in the newspaper for the awards to be made.

(b) all awards of Fellowships, Research Scholarships and other Scholarships shall be made on the recommendation of a Committee consisting of-

1.	The Kulpati	Chairman
2.	Three Deans of Faculties appointed by the Governing Council every year.	
3.	The Registrar	Member-Secretary

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of award of University Grants Commission Fellowships shall be such as are laid down by the University Grants Commission.

3. The value and duration of Research Scholarships instituted by the University will have the following conditions-

(i) The Fellow/Scholar will do whole time Research Work under an approved guide on a subject approved by the University.

(ii) The Felloow/Scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary stipend etc. from any other source during the tenure of the award nor shall he engage himself in any profession or trade during that period. He may, however, undertake teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution, where he is working without accepting any remunneration.

(iii) The Fellow/Scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the Fellowship/Scholarship.

Provided that the Kulpati may, on the recommendation of the guide, permit the Fellow/Scholar to join a Language Diploma Course and appear in an examination therefor.

Provided further that exmption could be provided for those also who wish to appear in an examination or a subject relevant to the problems of research without supplicating for a degree.

(iv) Unless permitted by the guide to work for a specified period at some other place, the Fellow/Scholar shall be required to attend the institution, where he is to work, on all working days.

(v) If any information submitted by the Fellow/Scholar in his application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Executive Council after giving him an opportunity of being heard.

(vi) If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the Fellow/Scholar has not been satisfactory, the Fellowship/Scholarship may be suspended or withdrown.

(vii) A. Leave for a maximum of Thrity Days in a year in addition to general holidays may be taken by a Fellow/Scholar with the approval of the guide and the University. The general holidays, however, do not include the vacation period e.g. Summer, Dussehra, Dewali and X-Max vacation. No other leave with Fellowship/Scholarship shall be admissible.

*Provided that the women awardee would be eligible for Maternity Leave at full rates for a period not exceeding Three Months once during the tenure of the award.

B. The Fellow/Scholar may, in special case, be allowed by the University leave without Fellowship/Scholarship for a period not exceeding Three Months during the tenure of the award on the recommendation of the guide.

(viii) The Fellow/Scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he works.

5. Post-Graduate Schoilarship instituted by the University shall ordinarily be tenable for Two Academic Sessions i.e. Twelve Months in the First Year and Ten Months in the Second Year on condition that the Scholarship holder produces a certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study or the Principal of the College.

6. If two or more candidates are eligible for the award of the last Scholarships, the scholarship shall be divided equally between the candidates concerned.

7. The Scholarship shall be tenable from the Ist of July if the Scholarship holder joins the college with One Month of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the college.

8. The payment of Scholarships shall be made only on receipt of scholars receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he studies. No scholarship shall be drawn for a month unless the scholarship holder has attended the institution regularly in that month.

9. The drawal of Scholarship shall be done in accordance with the procedure, that may be laid down by the University.

10. A Scholarship holder shall not combine any other course of study with the course for which the award is made.

11. A Scholarship shall be cancelled in the Final Year if the Scholarship holder fails to secure at least 50% marks in the Previous Examination of the concerned Master's Degree of Arts, Science. Life Science. Social Science and Commerce and 60% in other Faculties.

12. If a Scholarship holder is unable to appear at the Previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the Months of March and April shall be paid only if the Head of the Institution certifies that the scholar deligently studied for the examination, but was unable to take the examination for reasons beyond control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final Examination, if the scholar passes the Previous Examination with the requisite in the succeeding year in the first attempt.

13. A Scholarship-holder shall at all times be of good behaviour and observe all rules of discipline.

14. (1) A Scholarship shall be liable to termination if-

(i) The Scholarship-holder discountinues studies during the middle of a session; or

(ii) The scholarship holder, after he has been given a reasonable opportunity to explain his conduct, is in the opinion of the Executive Council guilty of a breach of para 13 of this Ordinance; and if the Executive Council so directs, the Scholarship-holder shall also be liable to refund the amount of Scholarship drawn by him.

(2) The order of termination passed by the Executive Council shall be final.

ORDINANCE NO. 07
BACHELOR OF SCIENCE

ORDINANCE FOR B.Sc. EXAMINATION UNDER PATTERN 10+2+3 SYSTEM

1. The three year course has been broken up into three parts Part-I know as B.Sc. Part-I Examination at the end of first year, Part-II known as B.Sc. Part-II Examination at the end of the Second year, Part-III known as B.Sc. Part-III Examination at the end of the third year.

2. A candidate who after passing Higher Secondary Examination alongwith twelve class with Science subjects under pattern 10+2+3 system of Chhattisgarh board of secondary Education, Raipur or any other examination recognised by the University of Chhattisgarh Board of Secondary Education as equivalent there to has attended a regular course of study in an affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the B.Sc. Part-II Examination.

3. A candidate who after passing the B.Sc. Part-I Examination of the University or any other Examination recognised by the University as equivalent, thereto, has attended a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Sc. Part-II Examination.

4. A candidate who after passing the B.Sc. Part-II Examination of the University, has completed a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Sc. Part-III Examination.

5. Besides regular students and subjects to their compliance with this ordinance for admission ex-student and non-collegiate students shall be eligible for admission to the examination as per provisions of ordinance No. 6 relating to examination (General)

   Provided that non-collegiate candidates shall be permitted to offer only such subjects/Papers as are taught to the regular students at any of the University Teaching Department or college.

6.A Every candidate appearing at the B.Sc. Part-I Examination shall be examined in :-

(1) Foundation Course :,
   - (a) General Awareness
   - (b) Language Component.
     - (i) Hindi Language
     - (ii) English Language

(2) Any one of the following combinations of three core subjects :-
   - (i) Chemistry, Botany, Microbiology
   - (ii) Mathematics, Physics, Computer Science
   - (iii) Chemistry, Industrial Chemistry Botany
   - (iv) Chemistry, Industrial Chemistry Mathematics
   - (v) Chemistry, Botany, Geology
   - (vi) Chemistry, Zoology, Defence Studies.
   - (vii) Mathematics, Physics, Geology
   - (viii) Mathematics, Physics, Defence Studies
   - (ix) Chemistry, Zoology, Botany
   - (x) Mathematics, Physics, Information Technology
   - (xi) Mathematics, Physics, Electronics
   - (xii) Physics, Chemistry, Maths

(3) Practicals in case prescribed for core subject.

6.B Every candidate appearing at the B.Sc. Part-II and Part-III Examinations shall be examined as per papers/subjects and scheme of examination prescribed from time to time.

   Provided that a candidate who has passed the B.Sc. Part-I examination of the University may appear in any additional subject of the B.Sc. Part-I examination but the candidate will not be permitted to appear in two examination of the University simultaneously, that is B.Sc. Part-I and B.Sc. Part-II.

7. A candidate will be required to offer the same combination of subject at the B.Sc. Part-III examination, as offered by them at their B.Sc. Part-II examination. The combination of subjects for the B.Sc. Part-II class shall be from among the subjects offered by them at the B.Sc. Part-I.

8. In order to pass at any part of the three years degree course examination, an examinee must obtain minimum marks in each paper, if prescirbed and not less than 33% of the total marks in each group of subject. In groups of subject where both theory and practical examinations are provided, the examinee must pass separately in both theory and practical parts of examination.

9. Candidate will have to pass separately at the Part-I, Part-II and Part-III examinations. No division shall be assiged on the result of the Part-I and II Examinations. In determining the result of the Final

Examination, total marks obtained by the examinees in their Part-I, Part-II and Part-III examinations in the aggregate shall be taken into account. Candidates will not be allowed to change subjects after passing Part-I examination.

10. (i) There shall be a supplementary examination ordinarily in August/September each year.

(ii) The following shall be eligible to appear at the supplementary examination :-

(a) Candidates who have failed in one Group or subjects or paper as the case may be.

(iii) A candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as supplementary examination candidate in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be so eligible and thereafter he/she be required to appear in all the papers/subjects or group at the examination.

11. Successful examinees at the Final year Examinations obtaining 60% or more marks shall be placed in the First Division those obtaining less than 60% but not less than 45% marks in the Second Division and other successful examinees in the Third Division.

B.Sc. PART-I EXAMINATION, 1989

MARKING SCHEME

Subject		Paper	Max. Marks		Min. Marks
(A)	**Foundation Course**				
	General Awareness Component		50		17
	Hindi Language		50		17
	English Language		50		17
(B)	Three Elective Subjects :				
	1. Physics	Paper-I	50		
		Paper-II	50	33	50
		Practical 50	17		
	2. Chemistry	Paper-I	34		
		Paper-II	33		
		Paper-III	33	33	50
		Practical 50	17		
	3. Mathematics	Paper-I	50		
		Paper-II	50		50
		Paper-III	50		
	4. Geology	Paper-I	50		
		Paper-II	50	33	50
		Practical 50	17		
	5. Botany	Paper-I	50		
		Paper-II	50	33	50
		Practical 50	17		
	6. Zoology	Paper-I	50		
		Paper-II	50	33	50
		Practical 50	17		
	Total		**600**		**198**

Other additional subjects will also have the same examination scheme.

ORDINANCE NO. 08

MASTER OF SCIENCE EXAMINATION

1. (a) The course of study for the Degree of Master of Science shall extend over four semesters in two full academic sessions and each of these academic sessions shall consist of the following :-

(i) First Academic Session : First & Second Semester.

(ii) Second Academic Session : Third & Fourth Semester.

(b) It shall be a full time course of study and there shall be an examination at the end of each semester on such date as may be notified by the University.

Provided that normally First/Third Semester Examination shall be held as far as possible in the month of November/December and Second/Fourth Semester examination shall be held in the nonth of March/April, in the academic session concerned.

Provided further that the examination in practicals/viva if any prescribed in the course of study shall normally be held alongwith theory examination of Second & Fourth Semesters and First & Second Academic Sessions respectively.

Provided further that the University shall decide otherwise also to hold the examinations in the better interest of the students.

2. (i) A candidate who after having obtained Bachelor's Degree in any discipline of the University or of any Statutory University in India or an equivalent examination recongnised by the University for the purpose shall be eligible to be admitted to the regular course of study in a University Teaching Department or an Institution/College recognised by the University for the purpose.

(ii) The candidate who after having been admitted to the regular course of study in the first semester in the subject in the University Teaching Department or an Institution/College recongnised for the purpose and has also prosecuted a regular course of study in the subject shall be eligible to be admitted to the first semester examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for the admission to the Examination as prescribed in the Statutes or Ordinance or Regulations or Notifications issued from time to time by the University.

(iii) A candidate who after having passed the first semester examination of the University in the subject has been admitted to second semester and has also prosecuted a regular course of study of the Second Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible to be admitted to the Second Semester examination only if he she fulfils all other conditions and requirements for admission to the examination as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

(iv) A candidate who after having passed the Second Semester examination of the University in the subject has been admitted to third semester and has also prosecuted a regular course of study of the third semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible for admission to the Second Semester Examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for admission to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

(v) A candidate who after having passed the third semester examination of the University in the subject has been admitted to fourth semester and has also prosecuted a regular course of study for the Fourth Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible to be admitted to the fourth semester examination only if he/she fulfils all other requirements for admission to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Provided that a candidate shall also be eligible to be admitted to the Examination, mentioned in clause 2 (i), (ii), (iii), (iv), (v); of the Ordinance as a non-collegiate candidate if he/she fulfils all other conditions and requirements as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time, subject to the condition that the subject of study offered by the candidate does not comprise of any practical work, field work, sessional work or any study of similar nature/examination, prescribed in the course of study of the subject.

Provided further that no non-collegiate candidate shall be eligible to be admitted to the Examination if the subject of study/paper offered by the candidate is not taught in the University Teaching Department or an Institution /College recognised for the purpose by the University.

4. Each Semester examination shall be by means of thory papers and practicals if any. The scope of studies, in different papers and of practicals if any, shall be as per syllabus prescribed by the University.

5. A candidate seeking admission to a Semester examination shall submit through his Head or the Teaching Department/Principal or the College his/her application therefor on a prescribed form so as to reach the office of the Registrar by the date fixed for the pupose together with the feen for the examination alongwith all other fee as prescribed in the Statutes, Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time in this behalf, and also the following certificates from the Principal of College/Head of Teaching Department viz:

Certificate of :

(1) Good conduct.

(2) Certified copy/copies of the Statement of Marks/Degrees/Diplemas of having obtained the minimum academic qualification prescribed for appearing at the examination, in this Ordinance.

(3) Heving prosecuted regular course of study for the semester concerned.

(4) All other Certificates as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Note: The term 'regular course of study' used in this Ordinance shall mean as defined in Ordinance No. 6 relating to Examination (General) and the principal/Head while granting the certificate about this, follow the procedure laid down in para 1 (iv) of the said Ordinance.

6. A candidate who has appeared at any of the semester examinations shall be supplied with a Mark Sheet indicating Interalia the marks obtained by him/her at the Examination.

(ii) In order to be declared successful at the examination of each semester the candidate shall obtain minimum 33% marks in each theory paper of the concerned semester examination together with 40% in the aggregate in both theory and practical separately.

(iii) The Division shall be awarded at the end of fourth semester exam. on the basis of the aggregate of marks obtained by him/her in all the four semester examinations taken together, The Division shall be awarded on the following basis :-

First Division-60% and above

Second Division - 48% and above

Third Division - 40% and above but less than 48%

(iv) It shall be competent for the Kulpati to condone the deficiency of one mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark, but where the dificiency is so condoned one mark shall no where be added.

(v) The names of first ten successful candidates who obtain first division at the end of fourth semester examination may be declared in order of merit.

Provided that the merit list shall be declared only after the revaluation result of all the candidates who may apply for revaluation is declared.

7. If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to be admitted to the course of study of second semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the second semester examination, unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the University may conduct at the time of second semester examination.

(ii) If the candidate who has appeared at the first semester examination in the manner prescribed above and has passed the first semester examination he/she shall be eligible to appear at the second semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at the first semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above; he/she shall be eligible to appear at the first semester examination in the next academic session as an Ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis of syllabus in-vogue for the examination.

(iii) If a candidate fails at the third semester examination he shall be eligible to be admitted to the course of study of fourth semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the fourth semester examination unless he/she has passed the third semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the third semester examination which the University may conduct at the time of fourth semester examination.

Provided that if the candidate who has appeared at the third semester examination in the manner prescribed above and he/she has passed the third semester examination shall be eligible to appear at the fourth semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at third semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above he/she shall be eligible to appear at the third semester examination in the next academic session as an ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis at syllabus in-vogue for the examination .

8. Candidates who have passed the Master of Science examination of the University in any subject in third or second division at the end of fourth semester examination and desire to re-appear at the Master of Science examination in the same subject for improvement of division may apear at the aforesaid examinations of first, second , third and fourth semester in the subsequent academic sessions when these examinations are conducted for other students, as non-collegiate candidates and shall not be rquired to attend a regular course of study in the University Teaching Department or Institution/College recognised by the University for the purpose.

Provided that no candidate shall be permitted to appear at the examination for improvement of the division if the examination in the subject/paper is not conducted for regular students.

Provided further that the candidates shall be permitted to appear at the examination on the basis of the syllabus in vogue for other students for the examination of the first/second/third and fourth semesters as the case may be at which he/she re-appearing in the aforesaid manner, if so permitted.

Provided furhter that the following conditions shall also be applicable to the students appearing at the examination for improvement of division id so permitted by the University.

(i) There shall be only two divisions for such candidates i.e. first division and second division. The aggregate of marks required for the award of first division and second division as also the rules shall be the same as prescribed in para 6 (iii) of this Ordinance.

Provided that the candidate so permitted shall be required to complete the four semester examinations in two continuous academic sessions.

Provided further that the result of the candidate who appeared for improvement of division in the manner prescribed above shall be declared only if there is an improvement in the division secured by the candidate earlier, and in the absence of any improvement in the division of such candidate after the result of the 4th semester examination the results as also the examinations of the first, second, third and fourth semesters at which he/she appeared for improvement of division shall stand cancelled.

(ii) If the candidate improves his/her division after re-appearing at the first/second/third and fourth semester examinations in two continuous academic sessions and his/her result is declared at the end of 4th semester he/she shall be awarded a fresh degree after cancelling the degree awarded to him earlier.

Provided that he/she shall be required to deposit the degree fee again as may be prescribed for other candidates appearing at the fourth semester examination in which the candidate has so appeared.

9\. (i) Any candidate who has appeared at an examination conducted by the University and whose result of the examination has been declared may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the theory paper/papers only, but no scrutiny shall be permitted in case of scripts of procticals, field work, sessional work/tests, and thisis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination. Such application must be made within 15 days from the date of issue of marks sheet accompanied by such fee as per schedule given in Ordinance 6 notified by the Univerisity for the purpose.

(ii) The candidate shall not be entitled to refund of fee.

Provided that if as a result of scrutiny it is found that the candidate should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and the fee declared to be refundable by the University, may be refunded to the candidate, on receipt of an application by the candidate.

(iii) The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate.

10\. (i) A candidate who has appeared at an examintion and whose result has been declared, may apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days of the date of issue of Mark-sheet for the Revaluation of any of his Answer books.

Provided that no candidate allowed to have more than one answer bookds revalue.- Provided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practical, field work, sessional work/test and thesis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination.

(ii) The fee of Revaluation shall be Rs.100/- per answer book if the application is made within 15 days from the date of issue of the Mark-sheet. The application received after last date upto a maximum 10 days shall be accompanied by a late fee of Rs.15/- which shall not be refundable, the application received after expiry 10 days upto a maximum at 5 days shall be accompanied by a further late fee of Rs.5/- per day over and above of Rs.15/- which shall also be non refundable.

Procided that the fee shcedule given above shall be subject to revision by the Executive Council of the University from time to time.

(iii) If the result of the candidate declared earlier is affected as a result of revaluation the candidate shall be entitled for refund of such free as may be declared refundable out of the revaluation fee deposited by the candidate, by the Univeristy but such a refund shall not exceed 30% in any case unless otherwise decided by the Co-ordination Committee.

11\. No candidate shall be permitted to offer thesis/dissertation in lieu of a theory paper.A thesis/dissertation/project report may be allowed to be offered by regular students undergoing regular course of study if it is compulsory.

Provided that a candidate who has obtained 60% or more marks in the aggregate of his first and second semester examination marks taken together may be permitted to offer dissertation or a project report if provision has been made in the syllabus for the subject concerned in lieu of a theory paper.

12\. All successful candidates shall receive a degree in the form prescribed therefor.

ORDINANCE NO. 09

Bachelor of Computer Application (BCA)

1. The Bachelor of Computer Application BCA shall be a full time degree course.
2. The examination for the degree of (BCA) shall consist of Part-I, Part-II and Part-III (Final).
3. Duration of the Course shall be three Academic years.
4. A candidate who has completed (10+2) of a Board of Higher Secondary Examination, Chhattisgarh or any other equivalent examination recognised by the university with mathematics as a distinct subject would be eligible for admission to BCA programme. The university may hold an entrance test in order to determine the merit of the student for admission. A student who has attended regular course of study

in affiliated colleges or in the University teaching department (UTD) for one academic year shall be eligible for appearing at the admission of BCA I examination.

5. A candidate who, after passing the BCA Part I examination or equivalent to it (the syllabus being identical and of the same standard) conducted by the University incorporated by law inforce and the completed a regular course of study for one academic year in an affiliated college, or in the UTD shall be eligible for appearing at the BCA Part II examination.

6. A candidate who has passed the BCA Part II of three Year Degree Course of the University or any other examination equivalent to it (the syllabus being identical and of the same standard) conducted by any other University incorporated by law inforce, and has completed regular course of study for one academic year in an affiliated college or University Teaching Department, shall be admitted to the BCA Part III (Final examination).

7. Only regular students and ex-students shall be eligible for appearing in the Examination.

8. The BCA course shall comprise of papers related to the computer application, foundation course, practicals and project work. The detailed syllabus and number of papers of each year of BCA shall be decided by the Board of Studies subject to the revision from time to time as approved by concerned faculty. At present the proposed structure for BCA Ist, IInd and IIIrd year classes is as follows.

The intake of students for BCA part I shall be 30.

8. In order to pass at any of the three degree course examination, an examinee must obtain not less than 33 percent of the total marks in the foundation course as well as in each of the theory papers and practicals separately. Candidate failing in foundation course or in any other two papers in BCA PartI/II/III shall be eligible to appear at the supplimentary examination.

9. In determining the result of BCA Part III (Final) examination total marks obtained by the examinees at their part I, IInd part III (Final) examinations in each subject and in the aggregate shall be taken into account. No division shall be assigned on the result of BCA Part I and II examination.

10. Successful examinees at the BCA Part III (Final) examination obtaining 60% or more marks shall be placed in the first division, those obtaining less than 60% but not less than 45% marks in the second division and other successful examinees in the Third division.

11. The revaluation of the candidates for admission shall be as per Government rules.

12. The Degree holder will be eligible for higher studies (including post graduate degree) at par with other graduate degrees of the University. Specifically, BCA degree holder will be aligible for admission to all computer science courses provided they fulfil other criteria.

13. In the matter of, eligibility for admission to the examination including attendance, examination fee and other fees (including Tuition/Lab. Fee), publication of merit list and in other matters not provided for in this ordinance, shall be governed by the provisions of the relevant ordinances/regulations/orders of the University, save in so far as such provisions are inconsistent with the express provisions of this ordinance.

ORDINANCE No. 11

BACHELOR OF COMMERCE, ORDINANCE FOR B.Com. EXAMINATION UNDER PATTERN 10+2+3 SYSTEM

1. The three year couse has been broken up into three parts Part-I know B.Com. Part-I Examination at the end of first year, Part-II known as B.Com. Part-II Examination at the end of the Second year, Part-III known as B.Com. Part-III Examination at the end of the third year.

2. A candidate who after passing Higher Secondary Examination alongwith twelve class with Commerce Group under pattern 10+2+3 system of Chhattisgarh Board of Secondary Education, Raipur or any other examination recognised by the University of Chhattisgarh Board of Secondary Education as equivalent there to has attended a regular course of study in an affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-I Examination.

3. A candidate who after passing the (i) B.Com. Part-I Examination of the University or (ii) any other Examination recognised by the University as equivalent, thereto, has attended a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-II Examination.

4. A candidate who after passing the B.Com. Part-II Examination of the University, has completed a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-III Examination.

5. Besident and non-collegiate students shall be eligible for admission to the examination as per provision to the regular students at any of the University Teaching Department or college.

6. Every candidate appearing at the B.Com. Part-I Examination shall be examined in the subjects as mentioned in the marking scheme and course of studies.

7. A candidate who passed the B.Com. Part-II Examination of the University shall be allowed to present himself for examination in any of the suejcts prescribed for the B.Com. Examination and not taken by him at the Examination. Such candidate will have to first appear and pass the B.Com. Part-I Examination in the subject which he/she proposed to offer, and then B.Com. Part-II and Part-III Examination in the same subject. Successful candidate will be given a certificate to that effect.

8. In order to pass at any part of the three years degree course examination, an examinee must obtain minimum marks in each paper, if prescirbed and not less than 33% of the total marks in each group of subject. In groups where both theory and practical examinations are provided, the examinee must pass separately in both theory and practical parts of examination.

9. Candidate will have to pass separately in the Part-I, Part-II and Part-III examinations. No division shall be assiged on the result of the Part-I and II Examinations. In determining the result of the Final Examination, total marks obtained by the examinees in their Part-I, Part-II and Part-III examinations in the aggregate shall be taken into account. Candidates will not be allowed to change subjects after passing Part-I examination.

10. (i) There shall be a supplementary examination ordinarily in August/September each year.

(ii) The following shall be eligible to appear at the supplementary examination :-

(a) Candidates who have failed in one Group or subjects or paper as the case may be.

(iii) A candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as supplementary examination candidate in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be so eligible and thereafter he/she be required to appear in all the papers/subjects or group at the examination.

11. Successful examinees at the Final year Examinations obtaining 60% or more marks shall be placed in the First Division those obtaining less than 60% but not less than 45% marks in the Second Division and other successful examinees in the Third Division.

B.Com. PART-I EXAMINATION

MARKING SCHEME

Subject	Paper		Max. Marks	Min. Marks
(A)	**Foundation Course**		50	17
	(i) English Language		50	17
	(ii) Hindi Language		50	17
(B)	**Three Compulsory Groups**			
	(I) Applied Economics.			
	(a) Micro Economics	I	75	
	(b) Banking Law & Practice	II	75	50
(C)	**(II) Accounting**			
	(a) Financial Accounting	I	75	
	(b) Business Mathematics	II	75	50
(D)	**(III) Business Management**			
	(a) Business Organisation	I	75	
	(b) Mercantile Law	II	75	50
	Grand Total		600	198

ORDINANCE NO. 12

MASTER OF COMMERCE EXAMINATION

1. (a) The course of study for the Degree of Master of Commerce shall extend over four semesters in two full academic sessions and each of these academic sessions shall consist of the following :-

(i) First Academic Session :First & Second Semester.

(ii) Second Academic Sesion : Third & Fourth Semester.

(b) It shall be a full time course of study and there shall be an examination at the end of each semester on such date as may be notified by the University.

Provided that normally First /Third Semester Examination shall be held as far as possible in the month of November/December and Second/Fourth Semester examination shall be held in the month of March/April, in the academic session concerned.

Provided further that the examination in practicals/viva if any prescribed in the course of study shall normally be held alongwith theory examination of Second &Fourth Semesters and First & Second Academic Sessions respectively.

Provided further that the University shall decide otherwise also to hold the examinations in the better interest of the students.

2. (i) A candidate who after having obtained Bachelor's Degree in any discipline of the University or of any Statutory University in india or an equivalent examination recognised by the University for the purpose shall be eligible to be admitted to the regular course of study in a University Teaching Department or an Institution/College recognised by the University for the purpose.

(ii) The candidate who after having been admitted to the regular course of study in the first semester in the subject in the University Teaching Department or an Institution/College recognised ofr the pupose and has also prosecuted a regular course of study in the subject shall be eligible to be admitted to the first semester examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for the admission to the Examination as prescribed in the Statutes or Ordinance or Regulations or Notifications issued from time to time by the University.

(iii) A candidate who after having passed the first semester examination of the Univeristy in the subject has been admitted to second semester and has also prosecuted a regular course of study of the Second Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible to be admitted to the Second Semester examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for admission to the examination as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

(iv) A candidate who after having passed the Second Semester examination of the University in the subject has been admitted to third semester and has also prosecuted a regular course of study of the third semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible for admission to the Second Semester Examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for admision to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulation or Notifications issued by the University from time to time.

(v) A candidate who after having passed the third semester examination of the University in the subject has been admitted to fourth semester and has also prosecuted a regular course of study for the Fourth Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the pupose shall be eligible to be admitted to the fourth semester examination only if he/she fulfils all other requirements for admission to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Provided that a candidate shall also be eligible to be admitted to the Examination, mentioned in clause2 (i), (ii), (iii), (iv), (v); of the Ordinance as a non-collegiate candidate if he/she fulfils all other conditions and requirements as prescribed in the Statutes or Irdinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time, subject to the condition that the subject of study offered by the candidate does not comprise of any practical work, field work, sessional work or any study of similar nature/examination, prescribed in the course of study of the subject.

Provided further that no non-collegiate candidate shall be eligible to be admitted to the examination if the subject of study/paper offered by the candidate is not taught in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose by the University.

4. Each Semester examination shall be by means of theory papers and practicals if any. The scope of studies, in different papers and of practicals if any, shall be as per syllabus prescribed by the University.

5. A candidate seeking admission to a Semester examination shall submit through his Head of the Teching Department/Principal of the College his/her application therefor on a prescribed form so as to reach the office of the Registrar by the date fixed for the purpose together with the fees for the examination alongwith all other fee as prescribed in the Statutes, Ordinances or Regulations or Notifications issued by the Univeristy from time to time in this behalf, and also the following certificates from the Principal of College/Head of Teaching Department viz:

Certificate of :

(1) Good conduct.

(2) Certified copy/copies of the Statement of Marks/Degrees/Diplomas of having obtained the minimum academic qualification prescribed for appearing at the examination, in this Ordinance.

(3) Having prosecuted regular course of study ofr the semester concerned.

(4) All other Certificates as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Note : The term regular course of study used in this Ordinance shall mean as defined in Ordinance No.6 relating to Examination (General) and the Principal /Head while granting the certificate about this, follow the procedure laid down in para 1 (iv) of the said Ordinance.

6. A candidate who has appeared at any of the semester examinations shall be supplied with a Mark Sheet indicating Interalia the marks obtained by him/her at the Examination.

(ii) In order to be declared successful at the examination of each semester the candidate shall obtain minimum 33% marks in each theory paper of the concerned semester examination together with 40% in the aggregate in both theory and practical separately.

(iii) The Division shall be awarded at the end of fourth semester exam. on the basis of the aggregate of marks obtained by hi/her in all the four semester examinations taken tgether. The Division shall be awarded on the following basis:-

First Division - 60% and above

Second Division -48% and above

Third Division - 40% and above but less than 48%

(iv) It shall be competent for the Kulpati to condone the deficiency of one mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark, but where the deficiencyis so condoned one mark shall no where be added.

(v) The names of first ten successful candidates who obtain first division at the end of fourth semester examination may be declared in order of merit.

Provided that the merit list shall be declared only after the revaluation result of all the candidates who may apply for revaluation is declared.

7. If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to beadmitted to the course of study of second semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the second semester examination, unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the University may conduct at the time of second semester examination.

(ii) If the candidate who has appeared at the first semester examination in the manner prescribed above and has passed the first semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at the first semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above; he/she shall be eligible to appear at the first semester examination in the next academic session as an Ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis of syllabus in-vogue for the examination.

(iii) If a candidate fails at the third semester examination he shall be eligible to be admitted to the course of study of fourth semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the fourt semester examination unless he/she has passed the third semester examination and such candidate shall be eligible to be admitted to the third semester examination which the University may conduct at the time of fourth semester examination.

Provided that if the candidate who has appeared at the third semester examination in the manner prescribed above and he/she has passed the third semester examination shall be eligible to appear at the fourth semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at third semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above he/she shall be eligible to appear at the third semester examination in the next academic session as an ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis at syllabus in-vogue for the examination.

8. Candidates who have passed the Master of Commerce examination of the University in any subject in third or second division at the end of fourth semester examination and desire to re-appear at the Master of Commerce examination in the same subject for improvement of division may appear at the aforesaid examinations of first, second, third and fourth semester in the subsequent academic sessions when these examination are conducted for other students, as non-collegiate candidates and shall not be required to attend a regular course of study in the University Teaching Department or Institution/College recognised by the University for the purpose.

Provided that no candidate shall be permitted to appear at the examination for improvement of the division if the examination in the subject/paper is not conducted for regular students.

Provided further that the candidates shall be permitted to appear at the examination on the basisof the syllabus in vogue for other students for the examination of the first/second/third and fourth semesters as the case may be at which he/she is re-appearing in the aforesaid manner, if so permitted.

Provided further that the following conditions shall also be applicable to the students appearing at the examination for improvement of division if so permitted by the University.

(i) There shall be only two divisions for such candidates i.e. first division and second division. The aggregate of marks required for the award of first division and second division as also the rules shall be the same as prescribed in para 6(iii) of this Ordinance.

Provided that the candidate so permitted shall be required to complete the four semester examinations in two continuous academic sessions.

Provided further that the result of the candidate who appeared for improvement of division in the manner prescribed above shall be declared only if there is an improvement in the division secured by the candidate earlier, and in the absence of any improvement in the division of such candidate after the result of the 4th semester examiriation the results as also the examinations of the first, second,third and fourth semesters at which he/she appeared for improvement of division shall stand cancelled.

(ii) If the candidate improves his/her division after re-appearing at the first /second/third and fourth semester examinations in two continuous academic sessions and his/her result is declared at the end of 4th semester he/she shall be awarded a fresh degree after cancelling the degree awarded to him earlier.

Provided that he/she shall be required to deposit the degree fee again as may be prescribed for other candidates appearing at the fourth semester examination in which the candidate has so appeared.

9. (i) Any candidate who has appeared at an examination conducted by the University and whose result of the examination has been declared may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the theory paper/papers only, but no sscrutiny shall be permitted in case of scripts of practicals, field work, sessional work/tests, and thesis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination. Such application must be made within 15 days from the date of issue of marks sheet accompanied by such fee as per schedule given in Ordinance 6 or notified by the University for the purpose.

(ii) The candidate shall not be entitled to refund of fee.

Provided that if as a result of scrutiny it is found that the candidate should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and the fee declared to be refundable by the University, may be refunded to the candidate, on receipt of an application by the candidate.

(iii) The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate.

10. (i) A candidate who has appeared at an examination and whose result has been declared, amay apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days of the date of issue of Mark-sheet for the Revaluation of any of his Answer books.

Provided that no candidate allowed to have more than one answer books revalue. Orovided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practical, field work, sessional work/test and thesis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination.

(ii) The fee of Revaluation shall be Rs.100/- per answer book if the application isw made within 15 days from the date of issue of the Mark-sheet. The application received after last date upto a maximum 10 days shall be accompanied by a late fee of Rs. 15/-which shall not be refundable, the application received after expiry 10 days upto a maximum at 5 days shall be accompanied by a further late fee of Rs.5/- per day over and above of Rs.15/- which shall also be non refundable.

Provided that the fee schedule given above shall be subject to revision by the Executive Council of the University from time to time.

(iii) If the result of the candidate declared earlier is affected as a result of revaluation the candidate shall be entitled for refund of such fee as may be declared refundable out of the revaluation fee deposited by the candidate, by the University but such a refund shall not exceed 30% in any case unless otherwise decided by the Co-ordination Committee.

11. No candidate shall be permitted to offer thesis/dissertation in lieu of theory paper. A thesis/dissertation/project report may be allowed to be offered by regular students undergoing regular course of study if it is compulsury.

Provided that a candidate who has obtained 60% of more marks in the aggregate of his first and second semester examination marks taken together may be permitted to offer dissertationor a project report if provision has been made in the syllabus for the subject concerned in lieu of a theory paper.

12. All successful candidates shall receive a degree in the form prescribed therefor.

ORDINANCE NO. 13

BACHELOR IN LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

1. The Bachelor's Degree in Library and Information Science shall be instituted in the University under the Faculty of Library Science.

2. **OBJECTIVES :**

The Prime objective set for the course are :-

(i) To increase the availability of component manpower for shouldering the responsibilities of effective, academic research and consultancy in Library and Information Science.

(ii) To generate and disseminate research based knowledge with an India bias.

(iii) To develop professionals, for the large medium and small profit earning and non-earning private and public sector institutions of our nation.

3. **DURATION OF THE COURSE :**

The Bachelor's Degree Course may be run on full time basis. For a full time regular student this course will be of one academic year.

4. **ADMISSION :**

(i) A person who has obtained Bachelor's Degree in Science, Arts or Commerce or Post Graduate Degree of this University or of any other University recognised by this University, with atleast

50% marks in the aggregate (5% concession in aggregate for ST/SC) will be eligible, subject to clearance and merit in the entrance examination conducted by the University.

(ii) A candidate for this course shall not be permitted to join any other course except Certificate/Diploma Course in Language of this University with the prior permission of Kulpati. Employed candidates will have to submit a `NO OBJECTION CERTIFICATE' from their employer to the effect of joining this course. The candidate who is a Medical/Legal/Tax Practicenor or is practicing C.A. or is engaged in any other private practice/profession shall not be eligible for admission.

(iii) Only those candidates will be promoted to second semester class who have been declared successful at the first semester examination. .

5. **ATTENDANCE :**

Every student enrolled for this course shall be required to attend atleast 75% of the total classes in each semester.

6. **EXAMINATION :**

(i) The examination for the first semester shall ordinarily be held in the month of November and for the second semester examination in the month of April on the dates as may be fixed and notified by the Registerar.

(ii) Failure in one paper means failure in full semester. Ex-student will be required to appear in all papers of the semester in which he/she has failed. Only one chance will be given to appear as Ex-student.

(iii) Only those candidates will be permitted to appear at the second semester examination who have been declared successful at the first semester examination.

If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to be admitted to the course of study of second semester but he/she shall not be eligible to be admitted to second semester examination, unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the university may conduct at the time of second examination.

(iv) Minimum pass marks in each theory paper will be 40% and 50% in each sessional, project report/a debertation and viva-voce and 50% in aggregate. Division shall be awarded as below :-

50% and above but less than 60%	Second Division
60H and above	First Division

(v) Viva-voce will be conducted by a board of two examiners i.e. one internal examiner and the other one external under the Chairmanship of Head of the Department. In the absence of the internal examinar, the Head of the Department shall act as an internal examiner. But in the absence of both Kulpati may appoint a teacher whom so ever he deems fit.

7. **MISCELLANEOUS :**

(i) The scope of the subject shall be as indicated in the syllabus.

(ii) The medium of the instruction and examination shall be either Hindi or English. The candidates will have the obtion to write answer in any of the above language.

(iii) This Ordinance is subject to amendments as per provisions of the Act, Statutes, Ordinance, Regulations as in force from time to time. The Ordinance No. 3,4,5 of this University shall be applicable to all those matters/provisions which have not been covered under this ordinance.

8. **RESERVATION :**

(i) Out of total seats, one seat shall be reserved for the ward (Son/Daughter/Wife) of the University employee, subject to clearance and merit in the entrance examination conducted by the University, prepared separately for them.

(ii) One seat shall be reserved as Kulpati Chair for which selection shall be made by the Kulpati, subject to fulfilment of admission conditions.

ORDINANCE NO. 14

MASTER'S DEGREE IN LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

1. The Master's Degree in Library and Information Science shall be instituted in the University under the Faculty of Arts.

2. **OBJECTIVES :**

The Prime objective set for the course are :-

(i) The increase the availability of component manpower for shouldering the responsibilities of effective academics research and consultancy in Library and Information Science.

(ii) To generate and disseminate research based knowledge with an India bias.

(iii) To develop professionals, for the large medium and small profit earning and non-earning private and public sector institutions of our nation.

3. **DURATION OF THE COURSE :**

The Post Graduate Degree Course may be run on full time basis. For a full time regular student this course will be of one academic year consisting of two semesters.

4. **ADMISSION :**

(i) A person who has obtained Bachelor's Degree in Library and Information Science of this University or of any other University recognised by this University, with atleast 50% marks in the aggregate (5% concession in aggregate for ST/SC) will be eligible, subject to clearance and merit in the entrance examination conducted by the University.

(ii) A candidate for this course shall not be permitted to join any other couse except Certificate/Diploma Course in Language of this University with the prior permission of Kulpati. Employed candidates will have to submit a 'NO OBJECTION CERTIFICATE' from their employer to the effect of joining this course. The candidate who is a Medical/Legal/Tax Practicenor or is practicing C.A. or is engaged in any other private practice/profession shall not be eligible for admission.

(iii) Only those candidates will be promoted to second semester class who have been declared successful at the first semester examination.

5. **ATTENDANCE :**

Every student enrolled for this course shall be required to attend atleast 75% of the total classes in each semester.

6. **EXAMINATION :**

(i) The examination for the first semester shall ordinarily be held in the month of November and for the second semester examination in the month of April on the dates as may be fixed and notified by the Registrar.

(ii) Failure in one paper means failure in full semester. Ex-student will be required to appear in all papers of the semester in which he/she has failed. Only one chance will be given to appear as Ex-student.

(iii) Only those candidates will be permitted to appear at the second semester examination who have been declared successful at the first semester examination.

If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to be admitted to the course of study of second semester but he/she shall not be eligible to be admitted to second semester examination, unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the university may conduct at the time of second examination.

(iv) Minimum pass marks in each theory paper will be 40% and 50% in each sessional, project report/a debertation and viva-voce and 50% in aggregate. Division shall be awarded as below :-

50% and above but less than 60% — Second Division

60% and above — First Division

(v) Topic of the dissertation will be approved by the Head of the Department in the beginning of the first semester, but will be required to be submitted 15 days before the commencement of written examination of second semester. Three typed copies of the project work will be required to be submitted. The Dissertation shall be submitted only when the Supervisor concerned or Head of the Department certifies that it is worthy of consideration in partial fulfilment of this course.

(vi) The dissertation shall be evaluated by the Board of two examiners i.e. one internal (Supervisor) and the other one external (who shall be out of the Jurisdiction of this University).

(vii) The viva-voce will be conducted by the same board of examiners under the chairmanship of the Head of the Department. In the absence of the supervisor, the Head of the Department shall act as an internal examiner, but in the absence of both. Kulpati may appoint a teacher whom so ever he deems fit.

7. **MISCELLANEOUS :**

(i) The scope of the subject shall be as indicated in the syllabus.

(ii) The medium of instruction and examination shall be either Hindi or English. The candidates will have the option to write answer in any of the above language.

(iii) This Ordinance is subject to amendments as per provisions of the Act, Statutes, Ordinance, Regulations as in force from time to time. The Ordinance No. 3,4,5 of this University shall be applicable to all those matters/provisions which have not been covered under this ordinance.

ORDINANCE NO. 15

MASTER OF PERSONNEL MANAGEMENT

1. PROGRAMMES :

The Master of Personnel Management (M.P.M.) Programme shall be a full-time Two year. (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. ADMISSION:

A candidate seeking admission to M.P.M. Course should be a Graduate /Post Graduate in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. SCHEME OF EXAMINATION:

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. SEMESTER EXAMINATION:

a) A student admitted to the M.P.M. course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for M.P.M. Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. Student reappearing at any Semester :

Examination as an ex-student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. SCHEMEOF EVALUATION:

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. INTERNAL ASSESSMENT :

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate;

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however, be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. PRACTICAL TRAINING:

Every student of MPM Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks. preferably, during summer vacation, in an organisation and in the area approved by Head of the Institution/HOD.

A student will write a Report based on his/her training and industrial visits organised by the Institution from time to time.

12. EVALUATION OF REPORT:

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student.

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. RE-APPEAR CLAUSE:

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Four Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of MPM programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the MPM programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. **DECLARATION OF RESULT :** As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Fourth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. Second, Third and Fourth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 16

MASTER OF COMPUTER MANAGEMENT (MCM)

1. The Degree of Master of Computer Management (MCM) shall comprise a course of study over a period of four semesters in two academic years. The course is divided into two parts : (I) Part first spread over two semester, (II) Part second spread over two semesters.

2. The eligibility for Admission shall be as follows :-

    (i) A student who has done graduation or its equivalent in any discipline from a recognised institute/University. He/She is required to qualify an entrance examination in order to get admission in the first academic semester of MCM course. Twenty (20%) of the seats may be allowed for candidates who are sponsored or NRI/Foreign nationals.

    (ii) An examinee is required to pass all the subject in a semester to proceed to the text semester. However, if he/she fails to clear a subject, he/she may be allowed to repeat that subject in the following year.

    (iii) Minimum age shall be 20 years on the date of Admission.

    (iv) There shall be no maximum age limit for sponsored candidate and for other age limit as per university norms.

3. The total number of seats shall be maximum 30 for each year of the course.

4. The schedule of fee for this course will be per recommendation of the course coordinator and the Director/Head of the department and approved by the Executive Council.

5. Details of the subject to be taught during the two years (4 semester course) curriculum pattern and examination scheme for each year course shall be framed and implemented as per recommendation of Board of Studies.

6. Eligibility for the Master Degree; A candidate shall be eligible for the Degree of Master of Computer Management. When he has undergone the prescribed course of study for a period of not less than four semester of 2 academic years in the Department/Institute of study and passed requisite number of papers or credits prescribed by the Board of Studies in the scheme of Examination.

    (i) Examination will be conducted by Dr. C.V. Raman University, Raipur

    (ii) Examination shall be in Theory and practical as stipulated.

    (iii) A candidate will be permitted to appear for the examination only if.

        a. The candidate has put up a minimum attendance of 75% of the lectures on each of the subjects as well as in practical classes provided that in exceptional case for reasons to be recorded and communicated, University may condone shortfalls as required by the rules.

        b. He/She obtains a certificate from the Head of the Institute having satisfactorily completed the course of study prescribed in the subject, his/her conduct has been

satisfactory, and his/her performance in internal tests has been satisfactory, and credit provided in the scheme of examination.

8. The provisions of this course in respect of examination, attendance, results and grades are subject to alteration from time to time and shall also confirm to guidelines of Ordinance of the University.

9. A candidate will be permitted to appear in the examination of the course for a maximum period of 5 year. If he/she fails to clear the course within that period, he/she will be dropped out of the course.

10. Presently medium of instructions will be English.

Note : A. These rules may be changed/amended/improved accordingly to the necessity.

B. These rules will be effective under the University statute regulations and ordinance.

C. Admission and Examination will be governed, as per University rules.

ORDINANCE NO. 17

(AS ADOPTED FROM ORDINANCE NO. 115 OF GGU BILASPUR)

Diploma in Library and Information Science (for 10+2 Students)

(Correspondence Course)

1.	Duration of Course	:	One Year
2.	Eligibility for Admission	:	10 + 2 Second Division
3.	Medium of Teaching	:	Hindi / English
4.	Medium of Examination	:	Hindi / English
5.	Fees	:	Under self financing scheme
6.	Attendance in contact programme (Organised for one months)	:	Not less than 75% of the lectures, tutorials and discussion - Classes taken together
7.	Marks and Classification	:	A candidate will be declared successful in he/she obtain atleast : (I) 35% in each written paper and practical separately. (II) 40% aggregate 0f written Paper and Practicals. (III) 25% in Viva- Voce and sessional work taken togather.
8.	Award of Division	:	(I) Pass Division 33% or more but less than 48% (II) Second Division 48% or more but less than 60% (III) First Division 60% or more
9.	Failed candidate	:	A candidate who fails in the examination shall be allowed to appear in a subsequent year with out attending the contact programme.

Diploma in Library and Information Science

(Correspondence Course)

Details about Fees :

1.	Registration Fees	:	Rs. 500.00
2.	Lab Fees	:	Rs. 200.00
3.	Library Fees	:	Rs. 50.00
4.	Student aid fund	:	Rs. 0.5.00
5.	University Endowment fund	:	Rs. 0.5.00
6.	Identity card fees	:	Rs. 0.5.00
7.	Library development fees	:	Rs. 10.00
8.	Student Welfare Fees	:	Rs. 10.00
9.	Student Union fees	:	Rs. 40.00
10.	Development fees	:	Rs. 2000.00
11.	Examination fees	:	Rs. 400.00
			Total Rs. 3,225.00

Note : The fees may be revised by the university from time to time.

ORDINANCE NO. 18

DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION

1. **Name of the Course : Diploma in Computer Application**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies in Computer Science of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year (Two Semester)

The examination shall consist of total 4 papers in each semester (Three Theory Papers and One Practical), each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory & Practical Examinations separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. (Computer Science). Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or equivalent. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates. Candidates doing any other Under Graduate or P.G. Course can also do this course.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies in Computer Science of Dr. C.V. Raman, University Raipur and subject to alteration by the Board of studies.

ORDINANCE NO. 19

POST GRADUATION DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION

1. **Name of the Course : Post Graduation Diploma in Computer Application**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies in Computer Science of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year (Two Semester)

The examination shall consist of total 4 papers in each semester (Three Theory Papers and One Practical), each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory & Practical Examinations separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. (Computer Science). Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the Graduation. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies in Computer Science of Dr. C.V. Raman, University Raipur and subject to alteration by the Board of studies.

ORDINANCE NO. 20

POST GRADUATE DIPLOMA IN E-COMMERCE

THROUGH DISTANCE EDUCATION

The Post Graduate Diploma in E-COMMERCE shall be instituted in the University Teaching Department.

1. **OBJECTIVES**

(i) The prime objectives set for the courses are :-

(a) To ensure the availability of competent manpower for shouldering the responsibilities of effective academic and research work.

(b) To develop professional for the large, medium and small profit earning and non profit earning private and public sector in situation of our nation.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the course for the Post-Graduate Diploma in e-commerce through distance education programme shall be one academic year (as per calendar of the university).

3. **ADMISSION**

(i) A person who has obtained Bachelor's degree from the university or recognised university or deemed university shall be eligible for admission to the PG Diploma e-Commerce through distance education programme of the university.

(ii) Admission shall be open to all Indian nationals and NRI's. However, the Institute of Distance Education reserves the right to admit or reject any application without assigning any reason.

(iii) A student admitted to PG Diploma e-commerce through distance education programme shall not be allowed.

4. **RESERVATION**

The reservation of seats in admission of scheduled castes, scheduled tribes, physically handicapped, wards of freedom fighters and backward classes as per the Govt. of India/Govt. of Chhattisgarh rules. The Executive Council of the University may also reserve some seats for wards of the university employees.

5. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

6. **MODE OF INSTRUCTION**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration place and dates will be intimated after the admissions are Finland, Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examinees at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

8. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) . During the period of course, Assignment and lesson packages will be prepared .

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the one year as per recommendations of Board of Studies/University rules

(iv) The attendance in practical and contact programmes should not be less than 75%.

9. **SCHEME OF EXAMINATION**

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

10. **CONTACT PROGRAMME**

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director, institute of distance Education places at Bilaspur or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(ii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, Institute of Distance Education.

11. **EVALUATION**

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University for the PGDIT course examination shall be applicable.

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University.

(vi) The practical examination shall be arranged by the University before the theory examination.

(vii) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

(viii) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

12. **FAILED CANDIDATE**

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for readmission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the the University before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

13. **EXAMINATION CENTRES :**

Examination Centre will be notified by the University.

14. **GENERAL**

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, Provided further, where the Ordinance is silent for any purpose the Ordinance No. 3 General Examination shall be applicable in all cases. However on the recommendations of Academic

Council/Executive Council/Board of Studies. Vice Chancellor shall be competent to change the system / pattern of the examination.

In case of any dispute the matter shall be decided in the jurisdiction of District Court of Raipur.

ORDINANCE NO. 21

POST GRADUATE DIPLOMA IN SOFTWARE ENGINEERING

The Post Graduate Diploma in Software Engineering shall be instituted in the University under the University of Distance Education.

1. OBJECTIVES

(i) In view of the fact that learning needs of graduates would be very diverse this programme has been designed with a modular approach in mind which would lead to PGDSE by offering this course, it will be possible to cater to the needs of not only the float graduates and upcoming computer professionals but also to provide a technical update to an existing practitioner who, while having acquired some skills and knowledge did not have a formal certificate of the same. The subject of computes is one which is moving very fast, new specialities emerge over a couple of years, the recent rapid availability of computers in a large range of configurations has thrown open the need for trained manpower in the area.

2. DURATION OF COURSE :

The duration of the course for the Post-Graduate Diploma in Software Ingineering through distance education programme shall be one academic year (as per calendar of the university).

3. ADMISSION

(i) A person who has obtained Bachelor's degree with mathematics or computers from the university or recognised university or deemed university shall be eligible for admission to the PGDSE through distance education programme of the university.

(ii) Admission shall be open to all Indian nationals and NRI's. However, the Institute of Distance Education reserves the right to admit or reject any application without assigning any reason.

(iii) A student admitted to PGDSE through distance education programme shall not be allowed.

4. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. MODE OF INSTRUCTION

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration place and dates will be intimated after the admissions are Finland, Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

6. PASS PERCENTAGE AND DIVISION

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examinees at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

7. ASSIGNMENT & PRACTICAL

(i) During the period of course, Assignment and lesson packages will be prepared .

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the one year as per recommendations of Board of Studies/University rules

(iv) The attendance in practical and contact programmes should not be less than 75%.

8. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

9. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the University or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues declared for Contact Programmes by the University shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

10. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University .for the PGDSE course examination shall be applicable.

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University Dr. C.V. Raman University, Raipur (C.G.)

(vi) The practical examination shall be arranged by the University before the theory examination.

(vii) The student must pass the examination of PGDSE within one year of his/her admission to the course.

(viii) The student must pass the examination of PGDSE within one year of his/her admission to the course.

11. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo distance course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for readmission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

12. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by the University of Distance Education .

13. GENERAL

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, Provided further, where the Ordinance is silent for any purpose the Ordinance No. 3 General Examination shall be applicable in all cases. However on the recommendations of Academic Council/Board of Management/Board of Studies. Vice Chancellor shall be competent to change the system / pattern of the examination.

In case of any dispute the matter shall be decided in the jurisdiction of District Court of Raipur.

ORDINANCE NO. 22

POST GRADUATE DIPLOMA IN INFORMATION TECHNOLOGY

The Post Graduate Diploma in Information Technology shall be instituted in the University under the University of Distance Education.

1. OBJECTIVES

(i) In view of the fact that learning needs of graduates would be very diverse this programme has been designed with a modular approach in mind which would lead to PGDIT by offering this course, it will be possible to cater to the needs of not only the float graduates and upcoming computer professionals but also to provide a technical update to an existing practitioner who, while having acquired some skills and knowledge did not have a formal certificate of the same. The subject of computes is one which is moving very fast, new specialities emerge over a couple of years, the recent rapid availability of computers in a large range of configurations has thrown open the need for trained manpower in the area.

2. DURATION OF COURSE :

The duration of the course for the Post-Graduate Diploma in Information Technology through distance education programme shall be one academic year (as per calendar of the university).

3. **ADMISSION**

(i) A person who has obtained Bachelor's degree with mathematics or computers from the university or recognised university or deemed university shall be eligible for admission to the PGDIT through distance education programme of the university.

(ii) Admission shall be open to all Indian nationals and NRI's. However, the Institute of Distance Education reserves the right to admit or reject any application without assigning any reason.

(iii) A student admitted to PGDIT through distance education programme shall not be allowed.

4. **RESERVATION**

The reservation of seats in admission of scheduled castes, scheduled tribes, physically handicapped, wards of freedom fighters and backward classes as per the Govt. of India/Govt. of Chhattisgarh rules. The Executive Council of the University may also reserve some seats for wards of the university employees.

5. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

6. **MODE OF INSTRUCTION**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration place and dates will be intimated after the admissions are Finland, Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examinees at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

8. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) During the period of course, Assignment and lesson packages will be prepared .

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the one year as per recommendations of Board of Studies/University rules

(iv) The attendance in practical and contact programmes should not be less than 75%.

9. **SCHEME OF EXAMINATION**

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

10. **CONTACT PROGRAMME**

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director, institute of distance Education places at Bilaspur or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(ii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, University of Distance Education.

11. **EVALUATION**

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University for the PGDIT course examination shall be applicable.

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University.

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director, IDE before the theory examination.

(vii) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

(viii) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

12. **FAILED CANDIDATE**

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for readmission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct , before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

13. **EXAMINATION CENTRES**

University examination Centre will be notified by the University of Distance Education .

14. **GENERAL**

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, Provided further, where the Ordinance is silent for any purpose the Ordinance No. 3 General Examination shall be applicable in all cases. However on the recommendations of Academic Council/Board of Management/Board of Studies. Vice Chancellor shall be competent to change the system / pattern of the examination.

In case of any dispute the matter shall be decided in the jurisdiction of District Court of Raipur.

ORDINANCE NO. 23

POST GRADUATION DIPLOMA IN COMPUTER MAINTENANCE AND HARDWARE ELECTRONICS

1. **Name of the Course : Post Graduation Diploma in Computer Maintenence and Hardware Electronics**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies in Computer Science of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year (Two Semester)

The examination shall consist of total 4 papers in each semester (Three Theory Papers and Two Practical), each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory & Practical Examinations separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. (Computer Science). Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate falling in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1. Less than 33% - Fail
2. 33% & more but less than 50% - Pass Division
3. 50% & more but less than 60% - Second Division
4. 60% & More but less than 75% - First Division
5. 75% & More - First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the Graduation. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies in Computer Science of Dr. C.V. Raman, University Raipur and subject to alteration by the Board of studies.

ORDINANCE NO. 24

POST GRADUATE DIPLOMA IN FASHION DESIGNING AND MARKETING

1. **INTRODUCTION :**

The fast changing styles of garments and the multidimensional possibilities of Indian textile has opened many possibilities in the fashion industry. India's remarkable heritage in the sphere of textile adds many a dimensions of the fashion industry. Costumes and accessories today need a scientific treatment with a room for creativity.

2. **TITLE OF THE COURSE :**

The P.G. diploma in Fashion Designing and Marketing will be a one year course of two semesters.

Admission to the diploma programme will be made by inviting applications through advertisement in Newspapers by giving details o eligibility, admission procedure and last date etc.

3. **ELIGIBILITY :**

Candidates seeking admission to the P.G. diploma course in Fashion Designing and Marketing must

have passed atleast a Bachelors degree in second division in any discipline including Arts, Social Science, Commerce, Science, Law, Medicine, Engineering, Veterinary Sciences, Agriculture, Technology etc., of any University.

4. **SELECTION :**

The selection of the candidate shall be made by following means :-

1)	Written Test (objective type)			
	i)	Numerical ability	20 Marks	
	ii)	Reading & Verbal ability	20 Marks	70 Marks
	iii)	Business awareness	30 Marks	
2)	Personal interview & group discussion			30 Marks
		Total		100 Marks

Subject to the requirement of the admission indicated above, admission to the programme shall be on merit determined on the basis of entrance examination and in accordance with the rules, directions of the University.

Note : (a) A merit list will be prepared on the basis of written competitive test.

No candidate securing less than 40% marks in written test will be called for interview and discussion.

(b) If a candidate who has been selected for admission to the diploma programme, fails to join the programme or abandons the course midway in the first semester or is found ineligible to appear in the first semester University examination as per rule, he shall have to go through the selection process again if he/she wishes to joining the programme in subsequent years.

(c) Scheduled caste and scheduled Tribe candidates securing atleast 35% marks in written test shall be called for interview and group discussion.

(d) 15% seats are reserved for eligible candidates belong to SC, 18% for ST and 3% for physically handicapped persons otherwise qualified. However, if number of seats to be reserved for physically handicapped candidates less than one, there shall be no reservation of seats such category.

(e) 5 marks shall be granted in determining the merit and preparing the merit list for the candidates who have participated in National/State level sports activities or those who are certificate holders in NCC or those NSS candidates having equivalent certificate.

(f) Merit list for SC/ST candidates will be separater preparely. In case no candidates of SC/ST has application or qualified the seat will be treated as general.

Course Duration :

The duration of the course of study shall be extend over one academic year covering two semesters. The university shall conduct exam at the end of each semester.

(a) Students admitted to the diploma programme shall not be permitted to join any other course of study or appear in any other university examinations.

(b) A candidate who has been admitted to a P.G. diploma programme will be eligible for appearing in the examination of the corresponding semester only if the attendance of the candidate is 75% of the lectures delivered.

(c) A candidate shall be eligible to appear in the succeeding semester examination only after having passed the preceding semester examination, provided that if a candidate fails in any two papers in any one semester examination he/she will be promoted to next semester course.

(d) A candidate failing in two papers of any semesters shall be eligible to take examination of the papers in which he/she has failed alongwith the examination of the semester concerned. He/she shall be eligible to carry the back log of two papers of first semester. His/Her result of the second semester shall be declared only after passing of the first semester examination.

(e) If a candidate fails in internal assessment of even one paper, be shall not be permitted to take the university examination of that semester.

(f) If a candidate fails in more than two papers in any semester examination but has passed in internal assessment examination, he may be allowed to appear as an ex-student only once in the examination of the semester in which he/she has failed. He/she not be promoted to the next semester. However if a candidate fails in internal assessment, he/she will be required to seek re-admission in the semester in which he/she failed.

(g) The course of study for each semester shall be as given in the scheme of examination subjects to changes from time to time unless otherwise provided, examination in each paper will be of three hours duration.

(h) Candidates will have to pass separately in the University and Internal Assessment.

7. For passing such semester examination the candidate will be required to secure atleast 40% marks in each paper of the University examination and 40% marks in internal assessment separately with atleast 50% marks in aggregate. Provided, however, that if a candidate passes separately in the University examination and Internal assessment, but fails to secure 50% marks in aggregate, he/she may be allowed to appear in maximum two papers of his choice in the concerned semester examination to make up 50% aggregate. In any case, such candidates also shall not be allowed to carry a back log of more than two papers at a time. However, such candidate shall be eligible to be promoted to the next semester provided that the total back log does not exceed more than two papers.

8. Candidates shall be awarded division after their having duly passed the two semester examinations and internal assessment on the basis of the aggregate marks obtained in both semester examination and all the internal assessment.

The division shall be awarded as follows :-

First Division : 60% or above of the aggregate marks

Second Division : 50% or above but less than 60% of the aggregate marks.

Note : No third division shall be awarded.

9. Candidates shall have the option of answering question in examination through the medium of English or Hindi (Devnagri script). However, medium of instruction shall be in English.

10. Diploma examination shall consist of ten papers in all, five in first semester and five in second semester. Paper five of second semester shall be a project report and a comprehensive viva. The comprehensive viva shall be conducted by a board of two examiners, one internal and the other external.

(a) In the courses of studies in diploma the theory paper shall be of 70 marks and internal assessment of 30 marks.

(b) Each examination paper will consist of two sections A and B. Section A will be of six question and the student will be required to answer any three questions. It will be of 42 marks. Section B will contain two short cases which will be compulsory and worth 28 marks.

(c) Internal assessment of practical work prescribed for different subjects will be of project work, written assignments, case analysis, calls tests, factory visits etc.

(d) No candidate shall be admitted to the theory examination unless he/she produces a certificate from the Incharge of the Programme/HOD of his having satisfactorily completed the practical work in all the subjects some during the term. However, a candidate who has satisfactorily competed the practical work prescribed for one or more subjects during the term will be permitted to appear for the theory examination in the individual subjects/subjects.

POST GRADUATION DIPLOMA IN FASHION DESIGNING AND MARKETING

(One Year's Full Time Programme of two semester's)

Semester	Code	Subject Course Title	Maximum Marks Internal Ass.	External Ass.	Total
I	DFDM 11	New Horizons in Fashion Marketing	30	70	100
	DFDM 12	Personally Development and Communication	30	70	100
	DFDM 13	Textile Fabrics and Fashion Merchandise	30	70	100
	DFDM 14	Garment Designing	30	70	100
	DFDM 15	Dyeing, Printing & Painting	30	70	100
II	DFDM 21	Marketing Management	30	70	100
	DFDM 22	Packing Presentation and Display	30	70	100
	DFDM 23	Style Reading and Pattern Making	30	70	100
	DFDM 24	Garment Designing	30	70	100
	DFDM 25	Project and viva-oce	50	50	100

Each Course Would be Internally evaisated through

(1) Two Perioddicat written class tests 10 Marks

(2) Two case studies/practical assignments 10 Marks

(3) Performance in seminars/ group discussion/ attendence/ class participation 10 Marks

External evaluation would be based upon performance of the candidate in written and practical examinations at the end of each semester.

Project work would be based on only designing, marketing or consultancy activity. The candidate is required to work personally for the same and submit her report to the cordinator in the form of a designation if would be evaluated by internal supervisor and external examiner through a viva-voce test and marks awarded by each of them would be added..

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)
POST GRADUATE DIPLOMA IN FASHION DESIGNING AND MARKETING

SEMESTER - I

COURSE DEDM -11 NEW HORIZONS IN FASHION MARKETING MM. 100

1. HISTORY OF ART AND FASHION
2. SOURCES AND OBJECTS OF FASHION
3. TRADITION VERSUS MODERNITY
4. SELECTION OF FASHION GARMENT AND OTHER MERCHANDISE
5. MARKETING TECHNIQUES, FASHION SHOOWS AND MAGAZINES

COURSE DFDM-12 PERSONALITY DEVELOPMENT AND COMMUNICATION MM. 100

1. CONVERSATION AND WRITTEN AND COMMUNICATION
2. EFFECTIVE PUBLIC SPEAKING
3. TIME MANAGEMENT
4. PERSONAL HEALTH HABITS AND VISUAL ....
5. APPRECIATION OF QUALITIES ....

COURSE DRDM-13 TEXTILE FABRICS AND FASHION MERCHANDISE MM.100

1. IDENTIFICATION CLASSIFICATION CHARACTERISTICS AND INSPECTION OF TEXTILE FIBRES
2. FABRIC CONSTRUCTION
3. BLEACHING, MERCERISING, CALENDERING, DYEING PRINTING, AND PROCESSING OF FABRICS
4. SELECTION OF FABRICS
5. GARMENTS FOOTWEAR .... CARRYOUT AND OTHER FASHION URCHANDISE

COURSE DFDM-14 GARMENTS DESIGNING MM 100

1. IMPACT OF AGE, SEX, SEASON ... STATUS ECONOMIC STANDARD... TRUE, RELIGION, EDUCATION AN... HER FACTORTION GARMENTS..

2. IMPACT OF TEXTURE COULOR.
3. DESIGNING GARMENTS FOR...
4. DESIGNING GARMENTS ...
5. DESIGNING GARMENTS FOR ...

COURSE DFDM - 15 DYEING, PRINTING AND PAINTING **MM : 100**

1. NATURAL VEGETABLE ANALYSE...
2. SYNTHETIC...
3. TIE AND DYE AND BATIK PRINT
4. BLOCK PRINTING, SCREEN PRINTING AND ROLLER PRINTING
5. EMBROIDERY AND PATCH PATCH WORK......

COURSE DFDM - 21 MARKETING MANAGEMENT **MM : 100**

1. MARKETING RESEARCH
2. MARKETING STRATEGIES AND ADVERTISING
3. CHANNELS OF DISTRIBUTION AND LOGISTICS
4. MARKET MIX
5. KEEPING CONSUMER SATISFIED, CONSUMER PROTECTION ANDQUALITY CONTROL

COURSE DFDM - 22 PACKING PRESENTATION AND DISPLAY **MM : 100**

1. PRESSING AND FOLDING OF GARMENTS
2. PACKAGING-HANGERS CORTONS BAGS
3. SHOW CASE AND WINDOW DISPLAY
4. FASHION SHOWS AND EXHIBITIONS
5. CATALOGUES, PRICE LISTS STORAGE AND DISPATCHES

COURSE DFDM - 23 STYLE READING AND PATTERN MAKING **MM : 100**

1. SKETCHING
2. DRAFTING LAYOUT AND ESTIMATION
3. PATTERN CUTTING AND STYLE READING
4. FABRICATION TECHNIQUES AND TRIMMING
5. GRADING.

COURSE DFDM - 24 GARMENT DESIGNING **MM : 100**

1. DESIGNING KIDDIES WEAR
2. DESIGNING REGIONAL OR TRADITIONAL DRESSES FOR WOMEN
3. DESIGNING SHIRTS FOR YOUNG PEOPLE
4. DESIGNING SWINGER AND SPORTS WEAR
5. DESIGNING FOR SPECIAL OCCASIONS

COURSE DFDM-25 PROJECT AND VIVA-VOCE **MM : 100**

BASED UPON WORKING .... A DISSERTATION.

ORDINANCE NO. 25

BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION

THROUGH DISTANCE EDUCATION

The Bachelor Degree in Computer Application (BCA) shall be instituted in the University under the University of Distance Education .

1. **OBJECTIVES**

   (i) To develop the subject of Information technology following a simple and informal approach for participants.

   (ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Information Technology.

   (iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

   The duration of the programme shall be 3 years.

3. ADMISSION

No person shall be deemed to qualified for admission to the BCA Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. MODE OF INSTRUCTION

The course ware for BCA programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. ASSIGNMENT & PRACTICAL

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. MODE OF EXAMINATION

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as BCA (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - I shall be known as BCA (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - I shall be known as BCA (DE) Part-I exam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing BCA (Part-I) examination and registered for BCA Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of BCA Part-II shall be eligible for appearing at the BCA Part-II exam. at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 3 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. PASS PERCENTAGE AND DIVISION :

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. **SCHEME OF EXAMINATION**

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. **CONTACT PROGRAMME**

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director, institute of distance Education places at Raipur or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director. Institute of Distance Education.

12. **EVALUATION**

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University for the PGDIT course examination shall be applicable.

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director, IDE before the theory examination.

13. **FAILED CANDIDATE**

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. **EXAMINATION CENTRES**

University examination Centre will be notified by the University .

ORDINANCE NO. 26

BACHELOR OF SCIENCE IN INFORMATION TECHNOLOGY

THROUGH DISTANCE EDUCATION

The Bachelor of Science(IT) shall be instituted in the University

1. **OBJECTIVES**

(i) To develop the subject of Information technology following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Information Technology.

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the programme shall be 3 years.

3. **ADMISSION**

No person shall be deemed to qualified for admission to the Bachelor of Science(IT) Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination with science group.

4. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. MODE OF INSTRUCTION

The course ware for Bachelor of Science(IT) programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. ASSIGNMENT & PRACTICAL

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per opdion of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. MODE OF EXAMINATION

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as Bachelor of Science(IT)(DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as Bachelor of Science(IT) (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - III shall be known as Bachelor of Science(IT)(DE) Part-III exam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing Bachelor of Science(IT)(Part-I) examination and registered for Bachelor of Science(IT) Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of Bachelor of Science(IT) Part-II shall be eligible for appearing at the Bachelor of Science(IT) Part-II exam. at the end of second year.

9.3 Registered students. other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. PASS PERCENTAGE AND DIVISION :

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director, institute of distance Education places at Raipur or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, Institute of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iii) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(iv) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(v) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director, IDE before the theory examination.

(vi) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A student (failed candidate), seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the University, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination (ex-student).

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by University.

ORDINANCE NO. 27

POST GRADUATE DIPLOMA IN BUSINESS MANAGEMENT

1. The Diploma Course will be of full time one year duration. Diploma in Business Management will be under the 'Management' Board of Studies.

2. The above two diploma course can be started by Colleges having Post Graduate teaching in Management. The maximum number of students in each diploma course will be twenty four, for one academic year.

3. A candidate, who after taking his/her Bachelor's Degree or Master's Degree in atleast second class in commerce, Arts, Social cience, Science, Agriculture and Engineering Faculty of the University or any other Statutory University in India, has completed a regular course of study in and affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year, shall be eligible for appearing at the Diploma examination.

4. The Examination shall consist of written papers (each carrying 75 marks and internal evaluation of 25 marks in each paper) of three hours duration each and a viva-voice test of half an hours duration for each candidate carrying 100 marks, and Project Report shall carry 200 marks. The candidates will be required to submit two copies of the Project Reports through their guide so as to reach the University 3 weeks before the comencement of the theory examination.

5. Candidates securing atleast 36% marks in each written paper and 48% marks in each internal evaluation, 48% marks in Project Report and Viva-Voice taken together and 48% in the aggregate, shall be delared to have passed in the Second Division and those securing 60% or more marks in the aggregate shall be declared to have passed in First Division.

6. "A Candidate failing in written paper(s) or project report or Viva-Voce but securing the minimum 48% marks in the aggregate, will be eligible to appear at the subsequent examination in that paper(s) or Project Report or Viva-Voce, as the case may be in the subsequent examination only the minimum pass marks in the written paper(s), Project report or Viva-Voice, as the case may be will be taken into account for arriving at his total aggregate and he will be placed in the division he is entitled to as per para 5 of the Ordinance.

Provided that such candidates will not find any place in the merit list.

ORDINANCE NO. 28

POST GRADUATE DIPLOMA IN MARKETING MANAGEMENT (CORRESPONDENCE COURSE)

I. Admission shall be made by inviting application from the prospective candidate through advertisement in news papers giving the details of eligibility and admission procedure, last date etc. Candidate intending to apply for admission to the courses may do so by maxin application on the prescribed form obtainable from the University.

II. The duration of the course of study shall to be one academic year

III. Students admitted to the diploma programme shall not be allowed to join any other course of study or to appear in any other examination.

IV. Every candidate seeking admission to this diploma course must have passed a Bachelor's Degree examination in any discipline; including Arts, social Science, Commerce, science, Law, Medicine, Engineering, Veterinary Sciences, Agriculture, Technology etc. of Barkatullah University, Bhopal or of any other statutory University recognised as equivalent there to.

V. A candidate who has been admitted to the diploma programme shall not be eligible for appearing in the Annual examination unless he has attended atleast 75% of the lecture delivered during per personal contact Programme.

VI. If a candidate fails in more than tow papers in Annual examination he may be allowed to appear as an ex-student.

VII. The courses of study shall be as given in the scheme of examination subject to changes from time to time. Un-less otherwise provide, examination in each paper will be of three hours duration.

candidates will have to pass separately in the University and Internal assessment.

VIII. For passing the examination the candidate will be required to secure atleast 40 percent marks in each paper of the University examination and 40 percent marks in internal assessment separately with atleast 50 percent marks in aggregate. Provided, however, that if a candidate passess separately in the University examination and Internal assessment, but fails to secure 50 percent marks in aggregate, he may be allowed to appear in maximum two paper of this choice to make up 50 percent aggregate in next examination.

IX. Candidates shall be awarded division after their having duly passed the examination and internal assessment on the basis of the aggregate marks obtained in the examination and all the internal assessments.

The division shall be awarded follows :-

First division : 60 percent or above of the aggregate marks second division; 50 percent or above but less than 60 percent of the aggregate marks.

X. Candidate shall have the option of answering question in examination through the medium of English or Hindi (Devnagri script). Howaver, MEDIUM OF INSTRUCTION SHALL BE IN ENGLISH.

XI. Diploma examination shall consist of 8 papers in a all, There shall a project report and comprehensive viva The comprehensive viva shall be conducted by a board of two examiners; one internal and the other external.

XII. In all the courses of studies in diploma the theory paper shall be of 80 marks and internal assessment of 20 marks.

XIII. Internal assessment of practical work prescribed for different subjects will consist of project work, written assignment, case analysis class tests, factory visits etc.

XIV. No candidate shall be admitted to the theory examination unless he produces a certificate from the Incharge or programme Director of his having satisfactorily completed the practical work in all the subjects as directed. However, a candidate who has satisfactorily completed the practical work prescribed for one or more subjects during the term will be permitted to appear for the theory examination in the individual subject/subjects.

XV. In case of any dispute the legal action shall lie within the jurisdiction of the district court of Bhopal.

ORDINANCE NO. 29

GOVERNING THE AWARD OF P.G. DIPLOMA IN INDUSTRIAL RELATIONS AND LABOUR WELFARE

1. The Post Graduate Diploma in Industrial Relation and Labour Welfafe shall be instituted in the University Teaching Department.

2. **OBJECTIVES OF THE COURSE :**

The Prime objectives set for the course are :-

(i) To increase the availability of compotent manpower for shouldering the responsibilities of effective academics, research and consultancy in Labour Welfare and Industrial Relations.

(ii) To generate and disseminate research based managerial knowledge with an India bias.

(iii) To develop professionals for the large, medium and small profit earning and non profit earning private and public sector institutions of our nation.

3. **DURATION OF THE COURSE :**

The Post Graduate Diploma may be run on distance basis. For a distance regular student this course will be of one academics year consisting of two semesters.

4. **ADMISSION :**

(i) A person who has passed :-

(a) M.A. Sociology or M.A./M.Sc. Anthropology with 50% marks in aggregate.

(b) LL.B. Degree with 50% marks in aggregate.

(c) Graduate Degree passed with 50% marks in aggregate. (5% concession in aggregate for ST/SC) subject to clearance and marit in the entrance examination conducted by the University.

(ii) A candidate admitted to this course shall not be permitted to join any other course except Certificate/Diploma Course in Language of this University with the prior permission of Kulpati. Employed candidates will have to submit a 'NO OBJECTION CERTIFICATE' from their employer to the effect of joining this course. The candidate who is a Medical/Legal/Tax Practicenor or is practicing C.A. or is engaged in any other private practice/profession shall not be eligible for admission.

(iii) Only those candidates will be permitted to second semester class who have been declared successful at the first semester examination.

5. **ATTENDANCE :**

Every student enrolled for this course shall be required to attend atleast 75% of the total classes in each semester.

6. **EXAMINATION :**

(i) The examination for the first semester shall ordinarily be held in the month of November and for the second semester examination in the month of April on the dates as may be fixed and notified by the Registrar.

(ii) Failure in one paper means failure in full semester. Ex-student will be required to appear in all papers of the semester in which he/she has failed. Only one chance will be given to appear as Ex-student.

(iii) Only those candidates will be permitted to appear at the second semester examination who have been declared successful in the first semester examination.

If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to be admitted to the course of study of second semester examination, unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the University may conduct at the time of second semester examination.

(iv) Minimum pass marks in each theory paper will be 40% and 50% in sessional, project work and practicals, and 50% in aggregate. Division shall be awarded as under :-

50% and above but less than 60%	Second Division
60% and above.	First Division.

(v) Topic of the project work will be approved by the Head of the Department in the beginning of the First Semester, But will be required to be submitted 15 days before the commencement of written examination of second semester. Three typed copies of the project work shall be required to be submitted. The project work shall be submitted only when the supervisor concerned or Head of the Department certifies that it is worthy of consideration in partial fulfilment of this course.

(vi) The project work shall be evaluated by the Board of two examiners i.e. one internal (Supervisor) and the other one external (who shall be out of the jurisdiction of this University.)

(vii) The Viva-Voce willl be cnducted by the same board of examiners under the Chairmanship of the Head of the Department. In the absence of the Supervisor, the Head of the Department shall act as an internal examiner, but in the absence of both, Kulpati may appoint a teacher whom so ever he deems fit.

7. **MISCELLANEOUS :**

(i) The scope of the subject shall be as indicated in the syllabus.

(ii) The medium of instruction and examination shall be either Hindi or English. The candidates will have the option to write the answers in any one of the above languages.

(iii) This Ordinance is subject to amendments as per provisions of the Act, Statutes, Ordinance, Regulations as in force from time to time. The Ordinance No. 3, 4, 5 of this University will be applicable to all those matters/provisions which have not been covered under this Ordinance.

8. **RESERVATION :**

(i) Out of total seats, one seat shall be reserved for the ward (Son/Daughter/ Wife) of the University employee, subject to clearance and merit in the entrance examination conducted by the University, prepared separately for them.

(ii) One seat shall be reserved as Kulpati Chair for which selection will be made by the Kulpati, subject to fulfilment of admission conditions.

ORDINANCE NO. 30

BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION

THROUGH CORRESPONDENCE

1. This degree shall be known as Bachelor of Business Administration.
2. The duration of the course shall be three years.
3. Admission shall be open to a person residing in India.
4. Student's admitted to BBA (CC) degree shall not be allowed to join any /other course of study or appear at any other examination anywhere.
5. The three year course has been divided into three parts. part I Known as B.B.A. (C.C.) Part I examination at the end of first year. Part II Known as B.B.A. (C.C.) Part II examination at the end of Second Year and Part III known as B.B. A. (C.C.) Part III Examination at the end of the third year.
6. A candidate who after passing higher secondary examination (10+2) twelth class with any discipline under 10+2 of Chhattisgarh Board of Secondary Education, Raipur or any other examination recognised by the University and Raipur Board secondary Education as equivalent thereto, may be admitted.
7. A candidate who after passing the B.B.A.(C.C.) Part I Examination of this University and has got registered for B.B.A.(C.C.) Part II With this Institute and has studies as per the teaching programme of this Institute shall be eligible for appearing at the B.B.A.(C.C.) Part II Examination .
8. A candidate who after passing the B.B.A.(C.C.) Part II Examination of this Institute and has got registered for B.B.A. Part III With this Institute and has studies as per the teaching programme of this Institute shall be eligible for appearing at the B.B.A.(C.C.) Part III Examination .
9. Besides registered students, and subject to their compliance with this ordinance Ex-students shall also be eligible for re-appearing in the examination general.
10. Every candidate appearing at the B.B.A.(C.C.) Part I Examination shall be examined in the subjects as per syllabus prescribed for the course of studies.
11. In order to pass at any part of the three years degree course examination, examinee must obtain minimum marks in each paper as prescribed and not less than 33% of the total marks in each group of subject. In groups where both theory and sessionals are provided the examinee must pass separately in both theory and sessional parts of examination as mentioned in the examination scheme approved by the authorities from time to time.
12. Candidates will have to pass seperately at the part I, Part II and Part III Examination. No division shall be assigned on the result of the part I and Part Ii Examination. In determining the result of the Final Examination, total marks obtained by the examinees in their part-I, Part II and Part III examination in the aggregate shall be taken into account. Candidate will not be allowed to change subjects after passing Part I Examination.
13. (i) There shall be a supplementary examination every year as per notification issued for the purpose.

    (ii) The candidate who failed in one group or subject or papers as the case may be shall be eligible to appear at the supplementary examination.

    (iii) A candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as supplementary examination candidate in the two examination immediately following the examination in which he/she was declared to be so eligible and thereafter he/she be required to appear to all the papers/subject or group at the examination .
14. Results shall be declared as number :-

    (i) 60% and above I Div.

    (ii) 45% but below 60% II Div.

(iii) 33% but below 45% III Div.

15. (i) The Method of Instruction is :- Mailing lessons periodically to the students enrolled for each paper of study. A set of lessons shall be mailed to the students periodically. These lessons will guide the students for effective learning.

(ii) Personal Contact Programme : There is a provision for the personal contact programme. The programme is meant for class room lectures on important topics / media teaching through audio and vedio cassettes. Clearing the doubts of the students. Tentative duration for theory and practicals in 100 hours.

(iii) It will be in the interest of the students to attend the contact programme classes which will help them to improve their programme in theory and practical / sessional Examinations as prescribed in the syllabus.

(iv) In addition contact programme students who have no background of practical management will be required to associate themselves with the Industrial Institutions to gain practical knowledge of management for atleast 15 days and a certificate from the Head of the Industrial Institute (Whether

small scale/sole, Trading/Partnership/Firm or a Large scale company) shall be necessary.

(v) Less ones will be in Hindi and English medium as per option of the candidate concerned. However the questions paper shall be in Hindi and English.

(vi) The whole course in each paper will be divided into five units, the lessons shall be supplied to the students in the intervening months.

Contact programme and sessionals

Contact programme shall be conducted at appropriate place's either at Bhopal or elsewhere. Prior information will be given to students facilitating them to attend the programmes. The venus/s decided for contact Programme's by the University shall be intimated accordingly.

Note : Provided further where this ordinance is silent for any purpose, the ordinance for Examination General shall be applicable in all cases.

In case of any dispute the legal action shall lie within the jurisdiction of the district court of Raipur.

ORDINANCE NO. 31

Bachelor of Library and Information Science (B.Lib.I.Sc.)

(Through Distance Education / Correspondence Course)

1.	Duration of Course	:	One Year
2.	Eligibility for Admission	:	Graduation
3.	Medium of Teaching	:	Hindi / English
4.	Medium of Examination	:	Hindi / English
5.	Fees	:	Under self financing scheme
6.	Attendance in contact programme (Organised for one months)	:	75%

7. Syllabus of Examination: Structure of the syllabus and the scheme of the examination shall be prescribed by the board of studies in library science.

8. Marks and Classification: A candidate will be declared successful in he/she obtain atleast
   (I) 40% in aggregate of Part I & Part II taken togethe
   (II) 25% in each Written Papers & Parcticals
   (III) 35% in Viva-Voce & Sessional work taken together

9. Award of Division :
   (I) Pass Division 40% or more but less then50
   (II) Second Division 50% or more but less then 60
   (III) First Division 60% or more

10. Failed candidate:A candidate who fails in the examination shall be allowed to appear in a subsequent year with out attending the contact programme.

B. Lib I.Sc. (Correspondence Course)

Details about Fees :

1.	Registration Fees	:	Rs. 500.00
2.	Lab Fees	:	Rs. 500.00
3.	Library Fees	:	Rs. 50.00
4.	Student aid fund	:	Rs. 0.5.00

5.	University Endowment fund	:	Rs. 0.5.00
6.	Identity card fees	:	Rs. 0.5.00
7.	Library development fees	:	Rs. 10.00
8.	Student Welfare Fees	:	Rs. 10.00
9.	Student Union fees	:	Rs. 40.00
10.	Development fees	:	Rs. 3000.00
11.	Examination fees	:	Rs. 500.00
			Total Rs. 4,625.00

Note : The fees may be revised by the university from time to time.

ORDINANCE NO. 32

Master of Library and Information Science

(M.Lib. I.Sc.)(C.C.)

(Through Distance Education / Correspondence Course)

1.	Duration of Course	:	One Year
2.	Eligibility for Admission	:	B.Lib I.Sc./Post Graduate Diploma in Library Science
3.	Medium of Teaching	:	Hindi / English
4.	Medium of Examination	:	Hindi / English
5.	Fees	:	Under self financing scheme
6.	Attendance in contact programme (Organised for one months)	:	75%

7. Marks and Classification : A candidate will be declared successful in he/she obtain atleast :
   (I) 50% in aggregate of Theory Papers, Practicals. & Sessional work.
   (II) 30% in each Written Papers & Practicals
   (III) 40% in Sessional Work

8. Award of Division : Minimum marks to secure place in the first Division by 60% & the second Division 50% of total marks.

9. Failed candidate : A candidate who fails in one or more papers he/she will be ellowed to reappear in that paper in the four succeeding year.

M. Lib I.Sc. (Correspondence Course)

Details about Fees :

1.	Registration Fees	:	Rs. 500.00
2.	Lab Fees	:	Rs. 500.00
3.	Library Fees	:	Rs. 50.00
4.	Student aid fund	:	Rs. 05.00
5.	University Endowment fund	:	Rs. 05.00
6.	Identity card fees	:	Rs. 05.00
7.	Library development fees	:	Rs. 10.00
8.	Student Welfare Fees	:	Rs. 10.00
9.	Student Union fees	:	Rs. 40.00
10.	Development fees	:	Rs. 4000.00
11.	Examination fees	:	Rs. 500.00
			Total Rs. 5,625.00

Note : The fees may be revised by the university from time to time.

ORDINANCE NO. 33

POST GRADUATION DIPLOMA IN FINANCIAL MANAGEMENT (DE)

1. The Diploma Course will be of full time one year duration. Post Graduation Diploma in Financial Management will be under the 'Management' Board of Studies.

2. The above two diploma course can be started by Colleges having Post Graduate teaching in Management. The maximum number of students in each diploma course will be twenty four, for one academic year.

3. A candidate, who after taking his/her Bachelor's Degree or Master's Degree in atleast second class in commerce, Arts, Social cience, Science, Agriculture and Engineering Faculty of the University or any other Statutory University in India, has completed a regular course of study in and affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year, shall be eligible for appearing at the Diploma examination.

4. The Examination shall consist of written papers (each carrying 75 marks and internal evaluation of 25 marks in each paper) of three hours duration each and a viva-voice test of half an hours duration for each candidate carrying 100 marks, and Project Report shall carry 200 marks. The candidates will be required to submit two copies of the Project Reports through their guide so as to reach the University 3 weeks before the comencement of the theory examination.

5. Candidates securing atleast 36% marks in each written paper and 48% marks in each internal evaluation, 48% marks in Project Report and Viva-Voice taken together and 48% in the aggregate, shall be delared to have passed in the Second Division and those securing 60% or more marks in the aggregate shall be declared to have passed in First Division.

6. "A Candidate failing in written paper(s) or project report or Viva-Voce but securing the minimum 48% marks in the aggregate, will be eligible to appear at the subsequent examination in that paper(s) or Project Report or Viva-Voce, as the case may be in the subsequent examination only the minimum pass marks in the written paper(s), Project report or Viva-Voice, as the case may be will be taken into account for arriving at his total aggregate and he will be placed in the division he is entitled to as per para 5 of the Ordinance.

   Provided that such candidates will not find any place in the merit list.

ORDINANCE NO. 34

DIPLOMA IN BUSINESS ADMINISTRATION (DE)

1. The Diploma Course will be of full time one year duration. Diploma in Business Administration will be under the 'Management' Board of Studies.

2. The above two diploma course can be started by Colleges having Post Graduate teaching in Management. The maximum number of students in each diploma course will be twenty four, for one academic year.

3. A candidate, who after taking his/her Bachelor's Degree or Master's Degree in atleast second class in commerce, Arts, Social cience, Science, Agriculture and Engineering Faculty of the University or any other Statutory University in India, has completed a regular course of study in and affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year, shall be eligible for appearing at the Diploma examination.

4. The Examination shall consist of written papers (each carrying 75 marks and internal evaluation of 25 marks in each paper) of three hours duration each and a viva-voice test of half an hours duration for each candidate carrying 100 marks, and Project Report shall carry 200 marks. The candidates will be required to submit two copies of the Project Reports through their guide so as to reach the University 3 weeks before the comencement of the theory examination.

5. Candidates securing atleast 36% marks in each written paper and 48% marks in each internal evaluation, 48% marks in Project Report and Viva-Voice taken together and 48% in the aggregate, shall be delared to have passed in the Second Division and those securing 60% or more marks in the aggregate shall be declared to have passed in First Division.

6. "A Candidate failing in written paper(s) or project report or Viva-Voce but securing the minimum 48% marks in the aggregate, will be eligible to appear at the subsequent examination in that paper(s) or Project Report or Viva-Voce, as the case may be in the subsequent examination only the minimum pass marks in the written paper(s), Project report or Viva-Voice, as the case may be will be taken into account for arriving at his total aggregate and he will be placed in the division he is entitled to as per para 5 of the Ordinance.

   Provided that such candidates will not find any place in the merit list.

ORDINANCE No. 35

BACHELOR OF COMMERCE(DE)

1. The three year couse has been broken up into three parts Part-I know B.Com. Part-I Examination at the end of first year, Part-II known as B.Com. Part-II Examination at the end of the Second year. Part-III known as B.Com. Part-III Examination at the end of the third year.

2. A candidate who after passing Higher Secondary Examination alongwith twelve class with Commerce Group under pattern 10+2+3 system of Chhattisgarh Board of Secondary Education, Raipur or any other examination recognised by the University of Chhattisgarh Board of Secondary Education as equivalent there to has attended a regular course of study in an affiliated college or in the Teaching Department of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-I Examination.

3. A candidate who after passing the (i) B.Com. Part-I Examination of the University or (ii) any other Examination recognised by the University as equivalent, thereto, has attended a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-II Examination.

4. A candidate who after passing the B.Com. Part-II Examination of the University, has completed a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.Com. Part-III Examination.

5. Besident and non-collegiate students shall be eligible for admission to the examination as per provision to the regular students at any of the University Teaching Department or college.

6. Every candidate appearing at the B.Com. Part-I Examination shall be examined in the subjects as mentioned in the marking scheme and course of studies.

7. A candidate who passed the B.Com. Part-II Examination of the University shall be allowed to present himself for examination in any of the suejcts prescribed for the B.Com. Examination and not taken by him at the Examination. Such candidate will have to first appear and pass the B.Com. Part-I Examination in the subject which he/she proposed to offer, and then B.Com. Part-II and Part-III Examination in the same subject. Successful candidate will be given a certificate to that effect.

8. In order to pass at any part of the three years degree course examination, an examinee must obtain minimum marks in each paper, if prescirbed and not less than 33% of the total marks in each group of subject. In groups where both theory and practical examinations are provided, the examinee must pass separately in both theory and practical parts of examination.

9. Candidate will have to pass separately in the Part-I, Part-II and Part-III examinations. No division shall be assiged on the result of the Part-I and II Examinations. In determining the result of the Final Examination, total marks obtained by the examinees in their Part-I, Part-II and Part-III examinations in the aggregate shall be taken into account. Candidates will not be allowed to change subjects after passing Part-I examination.

10. (i) There shall be a supplementary examination ordinarily in August/September each year.

    (ii) The following shall be eligible to appear at the supplementary examination :-

    (a) Candidates who have failed in one Group or subjects or paper as the case may be.

    (iii) A candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as supplementary examination candidate in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be so eligible and thereafter he/she be required to appear in all the papers/subjects or group at the examination.

11. Successful examinees at the Final year Examinations obtaining 60% or more marks shall be placed in the First Division those obtaining less than 60% but not less than 45% marks in the Second Division and other successful examinees in the Third Division.

ORDINANCE NO. 36

MASTER OF COMMERCE

1. (a) The course of study for the Degree of Master of Commerce shall extend over four semesters in two full academic sessions and each of these academic sessions shall consist of the following :-

    (i) First Academic Session :First & Second Semester.

    (ii) Second Academic Sesion : Third & Fourth Semester.

    (b) It shall be a full time course of study and there shall be an examination at the end of each semester on such date as may be notified by the University.

Provided that normally First /Third Semester Examination shall be held as far as possible in the month of November/December and Second/Fourth Semester examination shall be held in the month of March/April, in the academic session concerned.

Provided further that the examination in practicals/viva if any prescribed in the course of study shall normally be held alongwith theory examination of Second &Fourth Semesters and First & Second Academic Sessions respectively.

Provided further that the University shall decide otherwise also to hold the examinations in the better interest of the students.

2. (i) A candidate who after having obtained Bachelor's Degree in any discipline of the University or of any Statutory University in india or an equivalent examination recognised by the University for the purpose shall be eligible to be admitted to the regular course of study in a University Teaching Department or an Institution/College recognised by the University for the purpose.

(ii) The candidate who after having been admitted to the regular course of study in the first semester in the subject in the University Teaching Department or an Institution/College recognised ofr the pupose and has also prosecuted a regular course of study in the subject shall be eligible to be admitted to the first semester examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for the admission to the Examination as prescribed in the Statutes or Ordinance or Regulations or Notifications issued from time to time by the University .

(iii) A candidate who after having passed the first semester examination of the Univeristy in the subject has been admitted to second semester and has also prosecuted a regular course of study of the Second Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible to be admitted to the Second Semester examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for admission to the examination as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

(iv) A candidate who after having passed the Second Semester examination of the University in the subject has been admitted to third semester and has also prosecuted a regular course of study of the third semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose shall be eligible for admission to the Second Semester Examination only if he/she fulfils all other conditions and requirements for admision to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulation or Notifications issued by the University from time to time.

(v) A candidate who after having passed the third semester examination of the University in the subject has been admitted to fourth semester and has also prosecuted a regular course of study for the Fourth Semester in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the pupose shall be eligible to be admitted to the fourth semester examination only if he/she fulfils all other requirements for admission to the examination prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Provided that a candidate shall also be eligible to be admitted to the Examination, mentioned in clause2 (i), (ii), (iii), (iv), (v); of the Ordinance as a non-collegiate candidate if he/she fulfils all other conditions and requirements as prescribed in the Statutes or Irdinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time, subject to the condition that the subject of study offered by the candidate does not comprise of any practical work, field work, sessional work or any study of similar nature/examination, prescribed in the course of study of the subject.

Provided further that no non-collegiate candidate shall be eligible to be admitted to the examination if the subject of study/paper offered by the candidate is not taught in the University Teaching Department or an Institution/College recognised for the purpose by the University.

4. Each Semester examination shall be by means of theory papers and practicals if any. The scope of studies. in different papers and of practicals if any, shall be as per syllabus prescribed by the University.

5. A candidate seeking admission to a Semester examination shall submit through his Head of the Teching Department/Principal of the College his/her application therefor on a prescribed form so as to reach the office of the Registrar by the date fixed for the purpose together with the fees for the examination alongwith all other fee as prescribed in the Statutes, Ordinances or Regulations or Notifications issued by the Univeristy from time to time in this behalf, and also the following certificates from the Principal of College/Head of Teaching Department viz:

Certificate of :

(1) Good conduct.

(2) Certified copy/copies of the Statement of Marks/Degrees/Diplomas of having obtained the minimum academic qualification prescribed for appearing at the examination, in this Ordinance.

(3) Having prosecuted regular course of study ofr the semester concerned.

(4) All other Certificates as prescribed in the Statutes or Ordinances or Regulations or Notifications issued by the University from time to time.

Note : The term regular course of study used in this Ordinance shall mean as defined in Ordinance No.6 relating to Examination (General) and the Principal /Head while granting the certificate about

this, follow the procedure laid down in para 1 (iv) of the said Ordinance.

6. A candidate who has appeared at any of the semester examinations shall be supplied with a Mark Sheet indicating Interalia the marks obtained by him/her at the Examination.

(ii) In order to be declared successful at the examination of each semester the candidate shall obtain minimum 33% marks in each theory paper of the concerned semester examination together with 40% in the aggregate in both theory and practical separately.

(iii) The Division shall be awarded at the end of fourth semester exam. on the basis of the aggregate of marks obtained by hi/her in all the four semester examinations taken tgether. The Division shall be awarded on the following basis:-

First Division - 60% and above

Second Division -48% and above

Third Division - 40% and above but less than 48%

(iv) It shall be competent for the Kulpati to condone the deficiency of one mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark, but where the deficiencyis so condoned one mark shall no where be added.

(v) The names of first ten successful candidates who obtain first division at the end of fourth semester examination may be declared in order of merit.

Provided that the merit list shall be declared only after the revaluation result of all the candidates who may apply for revaluation is declared.

7. If a candidate fails at the first semester examination he/she shall be eligible to beadmitted to the course of study of second semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the second semester examination. unless he/she has passed the first semester examination and such a candidate shall be eligible to be admitted to the first semester examination which the University may conduct at the time of second semester examination.

(ii) If the candidate who has appeared at the first semester examination in the manner prescribed above and has passed the first semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at the first semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above; he/she shall be eligible to appear at the first semester examination in the next academic session as an Ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis of syllabus in-vogue for the examination.

(iii) If a candidate fails at the third semester examination he shall be eligible to be admitted to the course of study of fourth semester but he/she shall not be eligible to be admitted to the fourt semester examination unless he/she has passed the third semester examination and such candidate shall be eligible to be admitted to the third semester examination which the University may conduct at the time of fourth semester examination.

Provided that if the candidate who has appeared at the third semester examination in the manner prescribed above and he/she has passed the third semester examination shall be eligible to appear at the fourth semester examination to be conducted as far as possible in the month of june/july for such candidates only.

Provided that if the candidate fails at third semester examination in which he/she has appeared in the manner prescribed above he/she shall be eligible to appear at the third semester examination in the next academic session as an ex-student if otherwise eligible and shall be required to appear at the examination on the basis at syllabus in-vogue for the examination.

8. Candidates who have passed the Master of Commerce examination of the University in any subject in third or second division at the end of fourth semester examination and desire to re-appear at the Master of Commerce examination in the same subject for improvement of division may appear at the aforesaid examinations of first. second, third and fourth semester in the subsequent academic sessions when these examination are conducted for other students, as non-collegiate candidates and shall not be required to attend a regular course of study in the University Teaching Department or Institution/College recognised by the University for the purpose.

Provided that no candidate shall be permitted to appear at the examination for improvement of the division if the examination in the subject/paper is not conducted for regular students.

Provided further that the candidates shall be permitted to appear at the examination on the basisof the syllabus in vogue for other students for the examination of the first/second/third and fourth semesters as the case may be at which he/she is re-appearing in the aforesaid manner, if so permitted.

Provided further that the following conditions shall also be applicable to the students appearing at the examination for improvement of division if so permitted by the University.

(i) There shall be only two divisions for such candidates i.e. first division and second division. The aggregate of marks required for the award of first division and second division as also the rules shall be the same as prescribed in para 6(iii) of this Ordinance.

Provided that the candidate so permitted shall be required to complete the four semester examinations in two continuous academic sessions.

Provided further that the result of the candidate who appeared for improvement of division in the manner prescribed above shall be declared only if there is an improvement in the division secured by the candidate earlier, and in the absence of any improvement in the division of such candidate after the result of the 4th semester examination the results as also the examinations of the first, second,third and fourth semesters at which he/she appeared for improvement of division shall stand cancelled.

(ii) If the candidate improves his/her division after re-appearing at the first /second/third and fourth semester examinations in two continuous academic sessions and his/her result is declared at the end of 4th semester he/she shall be awarded a fresh degree after cancelling the degree awarded to him earlier.

Provided that he/she shall be required to deposit the degree fee again as may be prescribed for other candidates appearing at the fourth semester examination in which the candidate has so appeared.

9. (i) Any candidate who has appeared at an examination conducted by the University and whose result of the examination has been declared may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the theory paper/papers only, but no sscrutiny shall be permitted in case of scripts of practicals, field work, sessional work/tests, and thesis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination. Such application must be made within 15 days from the date of issue of marks sheet accompanied by such fee as per schedule given in Ordinance 6 or notified by the University for the purpose.

(ii) The candidate shall not be entitled to refund of fee.

Provided that if as a result of scrutiny it is found that the candidate should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and the fee declared to be refundable by the University, may be refunded to the candidate. on receipt of an application by the candidate.

(iii) The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate.

10. (i) A candidate who has appeared at an examination and whose result has been declared, amay apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days of the date of issue of Mark-sheet for the Revaluation of any of his Answer books.

Provided that no candidate allowed to have more than one answer books revalue. Orovided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practical, field work. sessional work/test and thesis/dissertation submitted in lieu of a paper at the examination.

(ii) The fee of Revaluation shall be Rs.100/- per answer book if the application isw made within 15 days from the date of issue of the Mark-sheet. The application received after last date upto a maximum 10 days shall be accompanied by a late fee of Rs. 15/-which shall not be refundable, the application received after expiry 10 days upto a maximum at 5 days shall be accompanied by a further late fee of Rs.5/- per day over and above of Rs.15/- which shall also be non refundable.

Provided that the fee schedule given above shall be subject to revision by the Executive Council of the University from time to time.

(iii) If the result of the candidate declared earlier is affected as a result of revaluation the candidate shall be entitled for refund of such fee as may be declared refundable out of the revaluation fee deposited by the candidate, by the University but such a refund shall not exceed 30% in any case unless otherwise decided by the Co-ordination Committee.

11. No candidate shall be permitted to offer thesis/dissertation in lieu of theory paper. A thesis/dissertation/project report may be allowed to be offered by regular students undergoing regular course of study if it is compulsury.

Provided that a candidate who has obtained 60% of more marks in the aggregate of his first and second semester examination marks taken together may be permitted to offer dissertationor a project report if provision has been made in the syllabus for the subject concerned in lieu of a theory paper.

12. All successful candidates shall receive a degree in the form prescribed therefor.

ORDINANCE NO. 37

MASTERS OF PUBLIC ADMINISTRATION(DE)

1. PROGRAMMES :

The Master of Public Administration (M.P.A.) Programme shall be a full-time Two year (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. ADMISSION:

A candidate seeking admission to M.P.A. Course should be a Graduate /Post Graduate in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University. or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. SCHEME OF EXAMINATION:

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. SEMESTER EXAMINATION:

a) A student admitted to the M.P.A. course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for M.P.A. Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination. shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. Student reappearing at any Semester :

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year. he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s). his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. SCHEMEOF EVALUATION:

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. INTERNAL ASSESSMENT :

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory. and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. **SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :**

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) .for which he/she is a candidate:

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however. be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. **CONDITIONS OF PASSING:**

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester:

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. **PRACTICAL TRAINING:**

Every student of MPM Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks. preferably. during summer vacation, in an organisation and in the area approved by Head of the Institution/HOD.

A student will write a Report based on his/her training and industrial visits organised by the Institution from time to time.

12. **EVALUATION OF REPORT:**

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under `Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. **COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:**

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance. on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement. in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student .

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. **RE-APPEAR CLAUSE:**

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it. or having appeared, failed. may be allowed, on the recommendation of the Head of

the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be. without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above. he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Four Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of MPA programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the MPA programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. **DECLARATION OF RESULT :**

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Fourth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. Second, Third and Fourth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 38

MASTER IN COMPUTER APPLICATIONS DEGREE

The Master in Computer Applications (MCA) is a 3 one year sessions and 96 credit programme covering courses of 32 credits in each session. This is sequential modular programme where a successful student earns a Post Graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA) in the first session, Advanced Diploma in Computer Applications (ADCA) in the second session and MCA in the third session.

1. **OBJECTIVES**

(i) To develop the subject of Information technology following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Information Technology.

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the programme shall be 3 years.

3. **ADMISSION**

No person shall be deemed to qualified for admission to the MCA Part-I examination unless he/she has passed the Graduation Examination unless he/she has passed the Board of Secondary Education with science (Maths group) from any Board of Secondary Education.

Also that, no person shall be deemed to be qualified for admission to the MCA Part-II examination unless he/she has passed the MCA part-I examination of the university for the purpose and is registered in MCA Part-II for not less than one academic year.

And also that no person shall be deemed to be qualified for admission to the MCA-III unless he/she has passed the MCA Part-II examination of this University or of any other Institution recognised by this University.

4. RESERVATION

The reservation of seats in admission of scheduled castes, scheduled tribes, physically handicapped, wards of freedom fighters and backward classes as per the Govt. of India/Govt. of Chhattisgarh rules. The Executive Council of the University may also reserve some seats for wards of the university employees.

5. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

6. MODE OF INSTRUCTION

The course ware for MCA programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

7. PASS PERCENTAGE AND DIVISION

The medium of Instruction and examination shall be either Hindi or English. The candidates will have the option to write answers in any of the above languages.

8. ASSIGNMENT & PRACTICAL

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units; the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

9. MODE OF EXAMINATION

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as MCA Part-I exam. at the end of first year.

Part - I shall be known as MCA Part-II exam. at the end of second year.

Part - I shall be known as MCA Part-I exam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing MCA (Part-I) examination and registered for MCA Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of MCA Part-II shall be eligible for appearing at the MCA Part-II exam. at the end of second year.

9.3 A candidate, after passing MCA (Part-I) examination and registered for MCA Part-III in the Institute and has successfully completed the programme schedule of MCA Part-III shall be eligible for appearing at the MCA Part-III exam. at the end of third year.

9.4 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.5 Every candidate appearing at the MCA Part-I, MCA Part-II and MCA Part-III examinations shall be examined in the subjects as per syllabus prescribed for the course of studies.

9.6 In order pass at any part of the three year degree course examination the examinee must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.7 A candidate will have to pass separately at the MCA Part-I. MCA Part-II and MCA Part-III examinations, No division shall be assigned on the result of part-I and Part-II examination. The result of the final examination shall be determined with the total marks obtained by the examination in part-I, part-II and part-III examination in aggregate.

9.8 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.8.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.8.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

10. PASS PERCENTAGE AND DIVISION :

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

11. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

12. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

13. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director, institute of distance Education pl:.ces at Bilaspur or elsewhere as the case may be. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, Institute of Distance Education.

11. EVALUATION

(i) At the end of each semester, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University.

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director, IDE before the theory examination.

(vii) The student must pass the examination of PGDIT within one year of his/her admission to the course.

14. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

15. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by the University of Distance Education (IDE).

16. GENERAL

In all matters, pertaining to the course, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final, Provided further, where the Ordinance is silent for any purpose the Ordinance No. 3 General Examination shall be applicable in all cases. However on the recommendations of Academic Council/Executive Council/Board of Studies. Vice Chancellor shall be competent to change the system / pattern of the examination.

In case of any dispute the matter shall be decided in the jurisdiction of District Court of Raipur.

ORDINANCE NO. 39

MASTER OF BUSINESS ADMINISTRATION

The Master of Business Management (MBA) Programme will be available in modular form. Out of several six credit Courses, the student can choose certain combinations as indicated in the enclosed programme structure, a total of 21 courses in a period of about 3 years to complete his study for the MBA. However, a students cannot offer more than 8 courses in any particular session of one year. The advantage in the modular system is that a student can essentially earn various Diplomas/Post Graduate Diplomas indicated in the Programme Structure by successfully completing sequentially the various course components required for MBA. This also provides flexibility to accommodate students who may only be interested in a Diploma/Post Graduate Diploma Programme rather than the whole of MBA Programme. The Post Graduate Diploma in Management consist of the first 11 courses as given in the enclosed list of courses while each of the other Diplomas/Post Graduate Diplomas consist of combinations of 5 courses as indicated in the following Programme Structure.

PROGRAMME STRUCTURE

Successful completion of a specific combination of above courses would lead a student to :

- Master of Business Administration (MBA), or
- Diploma in Management (DIM), or
- Post Graduate Diploma in Management (PGDIM), of
- Post Graduate Diploma in Human Resource Management (PGDHRM), or
- Post Graduate Diploma in Financial Management (PGDFM), or
- Post Graduate Diploma in Operations Management (PGDOM), or
- Post Graduate Diploma in Marketing Management (PGDMM).

Master of Business Administration

The MBA Programme consist of 21 courses in all. These comprise of :

* All the courses in PGDIM
* Five courses from the specialisation stream
* Compulsory Courses (MS-91, MS-95) and one elective course (MS-92/93/94/97)
* Project Course equivalent to 2 courses.

DIPLOMA IN MANAGEMENT

The Diploma in Management Programme comprises of three compulsory and four elective courses out of which a student is required to take two. The following table presents the overall scheme of courses :

Programme	Course Status	Course Code	Course Title
Diploma in Management (DIM)	Compulsory (All three)	MS-1	Management. Functions and Behaviour
		MS-2	Managing Men
		MS-3	Economic and Social Environment
	Elective (2 out of 4)	MS-4	Accounting and Finance for Manager
		MS-5	Management of Machines and Materials
		MS-6	Marketing for Managers
		MS-7	Information Management and Computers

POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT

The Post Graduate Diploma in Management programme comprises of 11 courses. The following table presents the overall scheme of the programme.

Programme	Course Code	Course Title
Post Graduate Diploma in Management (PGDIM)	MS-1	Management. Functions and Behaviour
	MS-2	Managing Men
	MS-3	Economic and Social Enviroment
	MS-4	Accounting and Finance for Manager
	MS-5	Management of Machines and Materials
	MS-6	Marketing for Managers
	MS-7	Information Management and Computers
	MS-8	Quantitative Analysis for managerial Applications
	MS-9	Managerial Economics
	MS-10	Organisational Design. Development and Change
	MS-11	Corporate Policies and Practices

THE SPECIALISATION DIPLOMA PROGRAMME

The Specialisation Programme in Functional Areas presently, consists of 4 stream of functional area iplomas: Post Graduate Diploma in Human Resource Management, Post Gradate Diploma in Financial Management, Post Graduate Diploma in Operations Management and Post Graduate Diploma in Marketing Management. Each of these diploma programmes consist of five courses. Incorder to qualify for a particular specialisation diploma in his/her chosen field, a student would need to take five courses in all from that particular specialisation stream.

However in case of Diploma in Operations Management (PGDOM) a student would be required to take two courses from other streams (either one each from two different streams or both from any one of the streams). Those who wish to do only PGDOM will be required to take two courses from other streams (either one each from two different streams or both from any one of the streams). Those who wish to do only PDDOM will be required to take MS-7 and MS-8 or MS-9. Later on if he/she wants to pursue MBA he/she will have to do 2 courses from other strams/s. The courses in the specialisation stream are :

Functional Area Specialisation	Course Code	Course Title
Human Resource Management (HRM)	MS-21	Social Processes and Behavioural Issues
	MS-22	Human Resource Development

	MS-23	Human Resource Planning
	MS-24	Union-Management Relations
	MS-25	Managing Change in Organisations
Financial Management (FM)	MS-41	Working Capital Management
	MS-42	Capital Investment and Financing Decisions
	MS-43	Management Control Systems
	MS-44	Security Analysis and Portfolio Management
	MS-45	International Financial Management
Operations Management (OM)	MS-51	Operations Research
	MS-54	Management of Information Systems
	MS-94	Technology Management
Marketing Management (MM)	MS-61	Consumer Behaviour
	MS-62	Sales and Distribution Management
	MS-63	Product and Advertising Management
	MS-64	International Marketing
	MS-65	Marketing of Services
	MS-66	Marketing Research

Functional Area Specialisation	Course Code	Course Title
Human Resource Management (HRM)	MS-21	Social Processes and Behavioural Issues
	MS-22	Human Resource Development
	MS-23	Human Resource Planning
	MS-24	Union-Management Relations
	MS-25	Managing Change in Organisations
Financial Management (FM)	MS-41	Working Capital Management
	MS-42	Capital Investment and Financing Decisions
	MS-43	Management Control Systems
	MS-44	Security Analysis and Portfolio Management
	MS-45	International Financial Management
Operations Management (OM)	MS-51	Operations Research
	MS-54	Management of Information Systems
	MS-94	Technology Management
Marketing Management (MM)	MS-61	Consumer Behaviour
	MS-62	Sales and Distribution Management

MS-63	Product and Advertising Management
MS-64	International Marketing
MS-65	Marketing of Services
MS-66	Marketing Research

INTEGRATIVE COURSES

The Integrative Courses consist of two compulsory courses; four elective courses, out of which the student is required to do one and a project course which is equivalent to two courses. (Thus making a total of five courses). The courses are as given below

Course Status	Course Code	Course Title
Compulsory	MS-91	Strategic Management
Courses	MS-95	Research Methodology for Management Decisions
	MS-100	Project (Equivalent to two courses)
Elective	MS-92	Management of Public Enterprises
Courses	MS-93	Management of New and Small Enterprises
(Choose any one)	MS-94	Technology Management
	MS-97	InternationalBusiness

The delivery of the programme will consist of A/V support, continuous study and assessment through assignments and counselling sessions. There will be a minimum of ten counselling sessions each of two and a half hours duration per course. There will be one term end examination per course in each session of one year. For every course the ratio of the weightage of term end examination to that of assignments will be 7 : 3. Two or three tutor marked assignments will be given to the students and the highest score in any one of these will be taken in to account. In order to be successful in a course the student should secure a minimum of 40% in each of the two components viz continuous assessment through assignments and the term end examination with minimum aggregate of 50%. In order to qualify for the MBA degree or any of the Diplomas/Post Graduate Diplomas the students has to be successful in all relevant courses. Students securing 75% or more will be placed in I division with distinction, those securing 60% or more but less then 75% will be placed in the I division the ...ming successful students will be placed in the II divisions.

A student who fails in a course can appear in the next two subsequent term-end examination or/and submit the next two sets of assignments. A student who does not avail such chances or who does not succeed will have to get re-registered in the relevant course.Names and Codes of Programmes, Eligibility

S.NO.	COURSE NAME	ABBREVIATION	ELIGIBILITY
1	Masters of Business Admininistration	MBA	Bachlors degree
2	Post Graduation Diploma in Human Resourse Management(Direct)	PGDHRM	Years supervisory/manaferial/professional experiance as on the last date for receiving application OR professional degree in Engineering/Technology/ Medicine/Architecture/ Law OR Professional qualification in accountancy, cost and work accountancy. company sectretaryship, etc. OR A masters degree in and subject

3 Post Graduation Diploma in Financial Management (Direct Entry)	PGDFM	Same as above
4 Post Graduate Diploma in Operations Management (Direct Entry)	PGDOM	Same as above
5 Post Graduation Diploma in Marketing Management (Direct Entry)	PGDMM	Same as above
6 Diploma in Management	DIM	Bachlors degree years supervisory/ management/ professional experiance as on the last date for receiving the application

list of courses for management programmes

The following is a tentative list of courses each of 6 credits for Management Programmes. Depending on the current trend and feasibility some more courses could be made available or some of these may not be available for offer.

MS-1	Management. Functions and Behaviour
MS-2	Managing Men
MS-3	Economic and Social Environment
MS-4	Accounting and Finance for Manager
MS-5	Management of Machines and Materials
MS-6	Marketing for Managers
MS-7	Information Management and Computers
MS-8	Quantitative Analysis for managerial Applications
MS-9	Managerial Economics
MS-10	Organisational Design. Development and Change
MS-11	Corporate Policies and Practices
MS-21	Social Processes and Behavioural Issues
MS-22	Human Resource Development
MS-23	Human Resource Planning
MS-24	Union-Management Relations
MS-25	Managing Change in Organisations
MS-41	Working Capital Management
MS-42	Capital Investment and Financing Decisions
MS-43	Management Control Systems
MS-44	Security Analysis and Portfolio Management
MS-45	International Financial Management
MS-51	Operations Research
MS-54	Management of Information Systems
MS-94	Technology Management

MS-61 Consumer Behaviour

MS-62 Sales and Distribution Management

MS-63 Product and Advertising Management

MS-64 International Marketing

MS-65 Marketing of Services

MS-66 Marketing Research

MS-91 Strategic Management

MS-95 Research Methodology for Management Decisions

MS-92 Management of Public Enterprises

MS-93 Management of New and Small Enterprises

MS-94 Technology Management

MS-97 International Business

MS-100 Project (Equivalent to two courses)

(Detailed course components of each course are given in Appendix)

Ordinance No. 40

Bachelor of Arts

1. The three year course have been broken up in o three parts.

Part I Examination : at the end of the first year

Part II Examination ; at the end of the second year and

Part III Examination : at the end of the third year

2. A candidate who after passing (10-2) or intermediate examination of M.P. Board of Secondary Education Bhopal or any other examination recognised by the University or M.P. Board of Secondary Education as equivalent thereto has attended a regular course of study in an affiliated colled or in the Teaching Department of the University for one academic year shall be eligible for appearing at the B.A. Part I examination.

3. A candidate who after passing B.A. Part I examination of the University or any other examination recognised by the University as equivalent there to has attended a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the University shall be eligible for appearing at the B.A. Part II examination.

4. A candidate who after passing B.A. Part II examination of the University has completed a regular course of study for one academic year in an affiliated college or in the Teaching Department of the university shall be eligible for appearing at the B.A. Part III examination.

5. Besides regular students, subject to their compliance with this ordinance, ex-students and non-collegiate candidates shall be eligible for admission to the examination as per provision of Ordinance No. 6 relating to Examinations (General). Provided that non collegiate candidates shall be permitted to offer only such subject/papers as are taught to the regular students at any of the University Teaching Department or College.

6. Every candidate for the Bachelor of arts examination shall be examined in

A. Foundation Course

i) Group A - Hindi Language

ii) Group B - English Language

B. Three core subjects : One subject from any three group out of the followings six groups :

1. Sociology / Ancient Indian History / Anthropology
2. Political Science / Home Science/Vocatio[illegible]ourse.
3. Hindi Literature/ Sanskrit Literature/ Urdu Literature / Mathematics.
4. Economics / Music/ Linguistics.
5. Philosophy/ Psychology Geography/ Education / Management
6. History/ English Literature/ Statistics.

7. An candidate who has passed the B.A. examination of the University shall be allowed to present himself for examination in any of additional subjects prescribed for the B.A. examination and not taken by him at the degree examination. Such candidate will have to first appear and pass the B.A. Part I examination in the subject which he proposes to offer and then the B.A. Part II examination in the same subject. Successful candidate will be given a certificate to that effect.

8. In order to pass at any part of the three year degree course examination an examinee must obtain not less than 33% of the total marks in each subject/group of subjects. In subject/group of subjects where both theory and practical examination are provided an examinee must pass in both theory and practical parts of the examination separately.

9. Candidate will have to pass separately at the Part I, Part II and Part III examination. No division shall be assigned on the result of the Part I and Part II examination. In determining the division of the Final examination, total marks obtained by the examinees, in their Part I, Part II and Part III examination in the aggregate shall be taken into account Candidate will not be allowed to change subjects after passing Part I Examination.

Provided in case of candidate who has passed the examination through the supplementary examination having failed in one subject only the total aggregate marks being carried over the determining the division shall include the actual marks obtained in the subject in which he appeared at the supplementary examination.

10. Successful examinees at the Part III examination obtaining 60% or more marks shall be placed in the First division those obtaining less than 60% but not less than 45% marks in the Second division and other successful examinees in the third division.

Ordinance No. 41

Master of Arts Examination

1. The Examination for the degree of master of Arts shall consists of two parts-

   (a) The Previous Examination and

   (b) The Final Examination

2. A candidate who after taking his Bachelor's degree of the University of an examination of any statutory University in India which has been recognised by the University and has completed a regular course of study in the teaching department of the University or in a College in the subject in which he offers himself for examination for one academic year shall be admitted to the Previous Examination for the degree of Master of Arts. A candidate after passing a graduate examination under 11+3 scheme or any other examination recognised by the University as equivalent there to shall be eligible for admission to a post graduate course of studies where graduation is minimum qualification only after passing one year Bridge Course prescribed for the purpose. This shall apply to students graduation in 1991 main examination.

3. A candidate who after passing the M.A. Previous Examination of the University, has completed a regular course of study for one academic year in a teaching department of the University or in a colleges shall be admitted to the Final Examination for the degree of master of Arts in the subject in which he/she passed the previous Examination.

A candidate who has passed the Previous Examination for the degree of Master of Arts of another University may also be admitted to the Final Examination for the degree of Master of Arts after obtaining necessary permission from the Kulpati, provided that he offered for his Previous Examination a course of study of an equivalent standard with almost identical syllabus as required for one Previous Examination of the University and has attend a regular course of study for the one academic year in a College affiliated to the University or a teaching department of the University.

4. Besides regular students and subject to other compliance with this Ordinance, ex-students and non collegiate candidates shall be eligible for admission tot the Examination as per provisions of Ordinance No.6 relating to Examination (General) c. Provided that in the subject where field work or practical work is prescribed only such candidates will be permitted to appear as non collegiate candidates as have obtained permission of the Head of the University Teaching Department or Principal of the College teaching such subject.

5. The subject of the examination shall be one of the following

   (i) English

   (ii) Hindi

   (iii) Economics

   (iv) Political Science

   (v) History

   (vi) Philosophy

   (vii) Sanskrit

(viii) Mathematics

(ix) Linguistics

(x) Geography

(xi) Sociology

(xii) Anthropology

(xiii) Classics

(xiv) Ancient, Indian History, Culture and Archaeology

(xv) Public Administration

(xvi) Defence Studies

(xvii) Social Work

A candidate securing 60% or more marks in the M.A. Previous Examination will be eligible to offer dissertation in lieu of one of the optional papers for the Final. A regular candidate can offer dissertation with the permission of the Professor and the Head of Department of his Institution, while a private candidate will have to secure the prior permission in writing of any one of the Professors of the subject working in an Institution within the jurisdiction of the University and will work under supervision of that Professor after obtaining prior permission of the University to that effect.

6. A Candidate who has passed the M.A. Examination of the University in any subject shall be allowed to present himself for the M.A. Examination in any one or more of the optional papers in that subject not taken by him at the said examination and is successful will be given a certificate to that effect.

7. For both the Previous and Final Examinations a candidate will be declared successful if he/she obtains atleasast 36% of the aggregate marks in the subject. In subject in which both Theory and Practical Examinations are held the examinee must pass separately in the Practical Examination obtaining not less that 36% marks.

8. No division will be assigned on the result of the Previous examination. The division in which a candidate is placed shall be determined on the basis of aggregate of marks obtained in both the M.A. Previous and the M.A. Final Examination.

9. Successful candidate who obtain 60% or more of the aggregate marks shall be placed in the first division, those obtaining less than 60% but not less than 48% in the Second Division and all other successful candidates obtaining less that 48% in the Third Division.

10. Candidates who have passed the M.A. Examination of the University in any, subject in Third or Second Division and desire to appear at the M.A. Examination in the same subject for improving division without attending a regular course of study in a college affiliated to the University or in a Teaching Department of the University be allowed to appear at the aforesaid examination as non-collegiate student on the following conditions :

(i) There shall be only two divisions for such candidates the First Division and Second Division. The marks required for obtaining these division shall be sameas prescribed in the Ordinance i.e. examinees who are successful in Final of the Examination and have obtained 60% or more aggregate of the marks in Previous and Final Examination taken together shall be placed in the First Division and examinees who are successful in Final Examination and have obtained less than 60% but not less than 48% of aggregate marks n Previous and Final examinations taken together shall be paced in the Second Division.

(ii) The result of the candidates obtainingless than 48% of the aggregate marks in Previous and Final of the examination taken together shall not be declared.

(iii) Candidates shall be option to appear at both the Previous and Final Examinations in one and the same year and for being successful at the examination, the candidates shall obtain 48% of the aggregate marks.

Provided that such candidates who opt to appear in Previous and Final Examination separately shall have to obtain minimum aggregate required for the Previous Examination but he will have to obtain atleast 48% in the aggregate of Previous and Final Examinations taken together or else his result will be cancelled.

(iv) The syllabus for the examination shall be the same as prescribed for the year in which the examination is held.

(v) Not more than two attempts shall be allowed to such a candidate. Failure or non-appearance at the examination after permission has been accorded by the University shall be counted as an attempt.

Provided however such candidates who optto appear at the Previous and Final Examination separately will be allowed only one attempt at the previous examination and two attempts at the Final Examination.

(vi) Candidates who wish to avail the opportunity given in foregoing paras will have to apply for permission as required in the Ordinance relating to admission of non collegiate students to the University examination alongwith requisite registration fee.

(vii) In case a student improves his division under provision of this para the fresh Degree will be issued after cancelling his first Degree.

Degree will be issued after cancelling his first Degree

Transitory Provision : The reblaced Ordinance relating to Master of Arts Examination shall remain effecting till the examination of 1991 and this new Ordinance shall be applicable from the examination 1992.

Use of Calculators

The students of Degree/P.G. classes will be permitted to use calculator in the examination hall on the following conditions.

Student will bring their own Calculators.

Calculators will not be provided either by the University or examination centres.

Calculator with memory and following variables be permitted + sqare reciprocal, exponential log. esquire root trigonometric functions viz. sine, cosine tangent etc., lactorial summation xy,yx and in the light of objective approval of merits and demerits of the viva only will be allowed.

ORDINANCE – 42

DOCTOR OF PHILOSOPHY

(As approved by the Co-ordination Committee at its meeting dt. .... w.e.f.........)

1. A Candidate for the degree of Doctor of Philosophy must, at the time of application, hold Master's degree with at least 55% marks or an equivalent grade of M. Phil. degree of the university a deemed University of any other University incorporates by any law for the time being inforce and recongnised by the University.

Provided that candidate who has at least 7 years experince of research/teaching with at least 5 papers published in standard research journal, may be permitted to get registered for Ph.D. degree, even if he does not possess 55% marks at masters degree.

2. A Candidate must apply for registration for Ph.D. degree of his subject on the prescribed form obtainable on payment of prescribed fee, stating.

i. his qualification and experience;

ii. subject in which he proposes to work;

iii. the field or topic of research work;

iv. name of the supervisor (along with the of Co-supervisors, if any) under whom he wishes to carry on investigations together with the consent of the supervisor and co-supervisors, if any.

The application must also be accomanied with :

(a) Registration fee of Rs. 5000/-

(b) A certificate from the head of the university Teaching Department/School of Studies or the principal of the college affiliated to the university or head research or head of a research institute recongnised for the purpose by the university testifying that adquate facilities exist and stating that the head of the University Teaching Department/School of Studies or the Principal or the Head of the Research Institute will in case the candidate is permitted, allow the candidate to work in his department or college or institute under the supervision of the perso/s mentioned in the application.

(c) Attested copies of the marksheet /gradesheet of Master's degree examination and M.Phil. degree examination eligibility and migration certificates wherever necessary should be enclosed to the application. Application for registration may be submitted any time during the academic year.

(d) A certificate from the Head of the Institute where he/she wishes to prosecute his/her research work, that he/she has paid the following first instalment fees, be enclosed;

(i) Tuition fee (Rs. 1500.00 for Six month)

(ii) Library fee (Rs. 1000/- for Six month)

(iii) Library caution money 500 once only.

(iv) Library caution money 500 once only.

(v) Identity card Rs. 50.00 once only

(vi) Laboratory Rs. 1200/- for six month (for research Scholars where laboratory work is involved).

(vii) Laboratory caution money Rs. 1000.00 once only and refundable.

(viii) Examination fee Rs. 5000/-

(e) A certificate from the Univeristy that he has paid library fee along with caution money as follows be also enclosed :

(i) Library fee (Rs. 1000.00 for Six months)

(ii) Library caution money Rs. 200.00 once only and refundable. Provided that the teachers of the University and teachers under the U.G.C.'s scheme of teacher fellowship will not be required to pay the fees as in para 2-d.

(f) After payment of fees along with the form of application the candidate will be provisionally admitted.

Provided that the application is found in order or being scutinised by a dean of faculty appointed by the kulpati.

3.After six months of his application, the candidate shall be eligible to submit a synopsis (as per Appendix-1) of his proposed research work along with the title of thesis (in seven copies) duly forwarded by the supervisor and Head of the Institution where the candidate is working. He shall be required to make an oral presentation of the porposed work before the Research Degree committee consisting of the following membres :

(i) Kulpati or his nominee.

(ii) Dean of the Faculty.

(iii) Head of the University Teaching Department /School of Studies in the subject.

(iv) Chairmen, Board of Studies in the Subject.

(v) One external subject expert of the rank of University professor to be appointed by the kulpati. ordinarily out of a panel of 5 experts given by the chairman of the Board of Studies concerned. The term of panel shall be conterminous with the Chairmen Board of Studies. External expert and two other members shall form the quorum.

Note : 1. On the request of the supervisor Kulpati may permit him to be present as observer during the oral presentation of his candidate.

2. No TA and DA shall be payable to the candidate and the supervisor for attedding the Research Degree Committee meeting.

4. The meeting of the Research Degree Committee shall be held in the University Office twice a Year preferably in February and October. The committee shall recommend the eligibility of the person for the appointment as supervisor/Co-supervisor. The committee shall also prepare a list of approved Supervisor/Go-supervisor along with their specializations as per provisions of the ordinance. This list shall be available with the Registrar.

The Committee shall recommend suitability of the topic research and the registration of the candidate for the Ph.D. degree. One approval by the RDC the candidate shall be registered and enrolled as a student from the date the Head of the Department/School of Studies/College/institute for warded the application or the date on which the candidate deposits the registration fee, whichever is later. He will also be required to pay regular tuition, library and laboratory fees (six monthly) during research tenure.

Provided that if the RDC does not recommend a candidate for registration to Ph.D. degree, the caution money deposited by the candidate shall be refunded.

5. A candidate shall ordinarily be permitted to work for Ph.D. degree in the subject in which He/she Provided that research work loading to Ph.D. degree may be allowed in allied subjects of interdisciplinary nature of same faculty or of allied faculties. In such cases the

6. A candidate shall pursue his research at the institution from where his/her application form has been forwarded under section 2 (b) of the ordinance.

Provided that a candidate permitted to work in a research to work in a research establishment recognised by the University shall be required to take at least one co-supervisor along with the supervisor one of them should be the teacher of the University and the other a Teacher/Scientist/School/Director of the Institution where the candidate is actually working.

Provided also a candidate may be permitted to carry out his/her practical work in a Research institute/Research lab./Laboratory of a University recognised by the University for the purpose, under the supervision of a scientist/director/Teacher of the Institute who may or may not be the co-supervisor of the candidate.

7. (a) The person recommended as Supervisor/Co-supervisor to guide the Research Scholar must be :

(i) A professor/Reader in a University Teaching Department/School of Studies or a college affiliated to the University possessing either Doctorate degree or has published five research papers in standard Research Research journals.

OR

(ii) A teacher of a University Teaching Department/School of studies/College affiliated to the University who has obtained a Doctorate degree in the subject and has published at least five Research papers in standard Research journals and has at least five year teaching experience after Ph. D.

(iii) (a) A Scientist/Scholar/Director working in a research institute/ organization / establishment/ laboratory, recognised by the University as a research centre , who has obtained a doctorate degree and published 5 research papers on concerned subject in standard research journals and has 5 years post-doctoral research experience.

(b) The person recommended as co-supervisor to guide Research Scholar together with supervisor must be A Teacher/Scientist/Director of any University/Research Establishment who has obtained a Doctorate degree, and has published at least five research papers in standard Research journals with 5 year post-doctoral research experience.

(c) A recognised supervisor who fails to publish any research paper over a duration of five years shall not be eligible to enroll any new candidate under his supervision Provided that the persons who have been recognised as Supervisors/Co-supervisors shall be eligible to supervise even after their supernnuating . Provided also that the teacher who has been recognised as Supervisor/Co-supervisor under the repealed ordinance shall continue to be recognised as Supervisor/Co-supervisor further that a person who is him self registered for Ph.D. degree of any University shall not be eligible to act as supervisor/co-supervisor or member of any committee mentioned in this Ordinance.

8. (a) The candidate shall pursue his research at the approved place of research under the supervisor/co-supervisor on the approved subject. The candidate shall be permitted to submit his/her thesis not earlier than 24 months and not later than four calender years from the date of registration. In case a candidate does not apply for extension in time his/her registration shall stand automatically cancelled. Provided that the period for submission of thesis can be extended by one year by the kulpati, if he/she applies for extension at least one month before the expiry of registration period together with a fee of Rs. 300.00 in case the candidate does not submit his/her thesis with the extended period, his/her registration shall stand automatically cancelled.

Provided also that kulpati may permit a candidate to get reregistered on the same topic on payment of a reregistration fee of Rs. 500.00 The minimum period of 24 months and attendance shall not apply to such reregistered candidate.

(b) The candidate possessing M. Phil. degree or a teacher with 5 years teaching experience at the time registration can submit his/her thesis after 18 months instead of 24 months as provided in section 8 (a) .

(c) The candidate shall put in at least 200 days attendance in the institute concerned or with the supervisor.

9. The candidate may be allowed to change the Supervisor by the Kulpati on the recommendation of the committee constitute by the kulpati for this purpose under special circumtances. No major change in the topic of research will be permitted due to change in supervisor.

10. The University shall obtain every six months a record of attendance, receipt of fees paid and a progress report of the work of the Research scholar from his/her Supervisor as per Appendix-2 if the progress of work is not found satisfactory in two successive report or no reports are received for a period of one year and the candidate fails to deposit fees, the kulapati may the removal of the name of the scholar from the list of those registered for the Ph.D. degree.

11. (a) The candidate shall submit six copies of the summary of the thesis together with a list of research papers public shed communicated for publication, if any through, his Supervisor to the Registrar about three months Prior to the anticipated date of submission of thesis.

(b) The supervisor shall submit a panel of at least six names of examiners actively engaged in the concerned area of research not below the rank of Reader or college Professor in a sealed cover to the Registrar. Provided that the panel of exminers shall be obtained from the Head. University Teaching Department/School of Studies/Chairman, Board of Studies of the Subject concerned, in case the candidate is related to the supervisor.

(c) On the receipt of the panel of examiners from the Supervisor and summary from the candidate, the registrar shall call a meeting of Examination Committee of the subject constitute U/S 44 of the Adhiniyam. The Committee considering the panel submitted by the Supervisor/Head, University Teaching Department/ School of Studies/Chairman, Board of Studies, will prepare a panel of six names to act as examiners.

THE TERM TELATIONS SHALL INCLUDE :- father, mother, wife, husband, daughter, son, grandson, grand daughter, brother, sister, nephew, niece, grand, nephew, uncle, aunt, son-in-law, sister-in-law- father-in-law, mother-in-law, first cousin-in-law

The candidate shall supply three type written/photocopies hardbound of his thesis along with the following :

(a) The candidate shall try as far as possible to publish communicate paper (s) for publication in standard Research journals published/communicated paper (s) be appended.

(b) The thesis must be accompanised by a declaration from the candidate that thesis embodies his own work and he/she has worked under the Supervisor at the approved place of work for the required period as per provisions of para 8 of the ordinance.

(c) The certificate from the supervisor together with co-supervisor, if any, that the thesis fulfills the requirements the ordinance relating to the Ph.D. degree of the university.

(d) The candidate shall also remit with the thesis rs. 500.00(Rupess five hundred) as the examination fee.

13. On receipt of the thesis along with the certificates and fee it shall be sent to the examiners already consented as per para 11 of the ordinance.

14. The thesis to be accepted for the award of the Ph.D. degree must comply with the following conditions:

(a) It must be a peace of research work characterised either by the discovery of the facts or by a fresh approach towards the interpretation of the facts. In either case it should evience the candidates capacity for critical examination and sound judgement.

(b) It must be satisfactory in point to language and presentation of the subject matter.

15. The examiners shall categorically recommend in the prescribed proforma acceptance, revision or rejection of the thesis together with detailed comments on the points spelled out in clause 14 on the ordinance. The examiner must also give a list of the questions he wishes to be asked at the viva-voce examination.

16. (a)The examiners may seek clarifications of the subject matter of the thesis from the super visor. The provision will be incorporated in the letter to be sent to the examiner while sending the thesis.

(b) the kulpati can recall the thesis from an examiner who fails to send the report within three month of the date of dispatch of the thesis and appoint another examinor.

17. (a) In case both the examiners reject the thesis or one of them rejects the thesis and the other recommends a revision of the thesis shall be rejected.

(b) If both the examiners recommends for the revision of the thesis, the candidate shall be call upon to revise the thesis in the light of the observation of the examiners.

(c). If one examiners approve the thesis and the other rejects it or recommends for revision of the thesis shall be sent to the third examiner drawn from the panel of examiner by the kulpati within the report of earlier examiners.

(d) In case both the original examiners accept the thesis for the award of the Ph.D. degree or in the event of it being referred to the third examiner, the third examiner accept the thesis for the award of the Ph.D. degree, the candidate shall be called upon to appear at the viva-voce examination before a board of examiner comprising of the supervisor, co-supervisor(if any) and one of the two examiner (selected) by the kulpati who have accepted the thesis for the award of the Ph.D. degree. Provided that the kulpati shall appoint head, department/school of studies or chairman, board of studies of the subject concerned to act as viva-voce examiner, in place of the supervisor in case the candidate is related to the supervisor.

(e) The supervisor/head, University teaching department/school of studies , chairman , board of studies of the concerned, as the case any be, shall be communicated the name of external examiner appointed by kulpati to conduct the viva-voce examination.The date fix for the viva-voce be informed to the candidate and the registrar.

Provided that (looking to the) in special circumstances Kulpati may appoint alternate viva-voce examiners if both the examiners are not in a position to conduct the viva-voce examination.

(f) The viva-voce examination shall be conducted at the University Teaching Department/School of Studies in the Subject or at any place fixed by the University for the purpose. The date, time and place or viva-voce examination shall be notified by the Registration on the University Notice Board at least a week in advance. At the time of viva-voce examination the board of

examiners shall be provided the reports of the examiners which shall be returned along with report of viva-voce examination to the Registrar.

(g) The candidate shall present the work embodies in the thesis the board of examiners members of faculty, research scholars and other interested persons. After the presentation of the research work the Board shall ask question together with those questions which have been given along with examination reports. Other in the audience can also ask questions and the candidate shall reply only those questions which are permitted by the external examiner.

(h) In case the recommendation of the viva-voce examiners differ from that of the thesis examiner or there is difference of opinion between the viva-voce examiners, the candidate shall reappear at a second viva-voce examination with six month. If the candidate fails to satisfy the viva-voce examiners a second time, his/her thesis shall be finally rejected.

Such candidates would be required to pay an additional fee of Rs. 200.00 for second viva-voce. The external examiner for second viva-voce shall be appointed by the kulpati.

18. If the examiners recommend that the candidate be asked to improve his thesis, the kulpati shall permit the candidate to resubmit his thesis not earlier than six months and not later eighteen months, the period being counted from the date of the issue of order to the candidate. The candidate shall be provided examiner (s) reports without disclosing the names in case the candidate is allowed to resubmit the thesis he/she will have to pay a fee Rs. 500.00 afresh at the time of resubmission, but it shall not be necessary for him to reproduce any certificate of further attendance at the institute at which he/she carried out the work.

The resubmitted three copies of the must clear mention that it is a revised version.

The thesis shall be got examined as for as possible by the examiners who finally recommended for the revision.

In case both the examiners of revised thesis accept the thesis for the award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provisions of clause 17 of the Ordinance.

In case a candidate is asked to revise the thesis under clause 17 (b) and one of the examiners recommend again for revision and the other accepts the thesis for award then the thesis shall be sent to the third examiner. If the third examiner rejects or recommends for revision the thesis shall stand rejected. If, he accepts for the award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provision of clause 17 of the ordinance.

In case a candidate who has been asked to revise the thesis under 17(C) and one of the examiners recommends again for revision and the other accepts the thesis for award then the candidate shall be awarded the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provision of clause 17 of the Ordinance.

If the revised thesis is required to be revised a second a second time it shall automatically stand rejected.

19. Maximum number of research candidates that can be registered and allowed to pursue research work under a supervisor at any particular time shall be six only.

Provided that the candidate registered with the Co-supervisor shall not be counted for the number of candidate under a supervisor.

20. No research scholar shall join any other course study or appear at any other examination conducted by any University leading to a degree (except Certificate/Diploma Courses of Languages, Research Methodology, Statistics, Computer Courses)

21. The thesis shall be published only with permission of the University and such publication shall state on the title page itself that this was a thesis approved for the award of the Ph.D. Degree of the University.

22: After the viva-voce, the recommendation of the examiner shall be reported to the Executive Council for the award of Ph. D. Degree to the candidate. One copy of the thesis will be kept in the University Library and another copy will be kept in the Departmental Library of the Institute were the research work was carried out ; the third will be returned to the Supervisor.

23. After the declaration of the result the successful candidates may be provided the copies of reports of examiners who recommended for the award of the degree on payment of fee of Rs. 100.00 The reports will not be disclose the identity of the examiners.

24. The candidates who have been already registration for Ph. D. Degree under the repealed Ordinance will continue to be governed by the provisions of this or repealed ordinance.

The candidates who have applied for registration but have not been registration till this Ordinance comes into force shall be governed by the provisions of this Ordinance.

25. On detection of any irregularity, the University shall take suitable steps to withdraw the degree as per provisions of sections 6 (12) of the Adhiniyam.

Ordinance No. 43

MASTER OF SCIENCE EXAMINATION

1. The examination of the degree of master of science shall consist of two parts-

(a)The Previous Examination and

(b) The Final Examination

2. A candidate who after taking his Bachelor's degree of the University of an examination of any statutory University in India which has been recognised by the University and has completed a regular course of study in the teaching department of the University or in a College in the subject in which he offers himself for examination for one academic year shall be admitted to the Previous Examination for the degree of Master of Science. A candidate after passing a graduate examination under 11+3 scheme or any other examination recognised by the University as equivalent there to shall be eligible for admission to a post graduate course of studies where graduation is minimum qualification only after passing one year Bridge Course prescribed for the purpose. This shall apply to students graduation in 1991 main examination.

3. A candidate who after passing the M.Sc. Previous Examination of the University, has completed.a regular course of study for one academic year in a teaching department of the University or in a colleges shall be admitted to the Final Examination for the degree of master of Science in the subject in which he/she passed the previous Examination.

A candidate who has passed the Previous Examination for the degree of Master of Science of another University may also be admitted to the Final Examination for the degree of Master of Science after obtaining necessary permission from the Kulpati, provided that he offered for his Previous Examination a course of study of an equivalent standard with almost identical syllabus as required for one Previous Examination of the University and has attend a regular course of study for the one academic year in a College affiliated to the University or a teaching department of the University.

4. Besides regular students and subject to other compliance with this Ordinance, ex-students and non collegiate candidates shall be eligible for admission tot the Examination as per provisions of Ordinance No.3 relating to Examination (General) c. Provided that in the subject where field work or practical work is prescribed only such candidates will be permitted to appear as non collegiate candidates as have obtained permission of the Head of the University Teaching Department or Principal of the College teaching such subject.

5. The subject of the examination shall be one of the following

(i) Maths

(ii) Chemistry

(iii) Physics

(iv) Information Technology

(v) Software Engineering

(vi) Computer Science

(vii) Biotechnology

(viii) Geology

(ix) Zoology

(x) Botney

(xi) Statistics

(xii) Environmental Science

(xiii) Microbiology

A candidate securing 60% or more marks in the M.Sc. Previous Examination will be eligible to offer dissertation in lieu of one of the optional papers for the Final. A regular candidate can offer dissertation with the permission of the Professor and the Head of Department of his Institution, while a private candidate will have to secure the prior permission in writing of any one of the Professors of the subject working in an Institution within the jurisdiction of the University and will work under supervision of that Professor after obtaining prior permission of the University to that effect.

6. A Candidate who has passed the M.Sc. Examination of the University in any subject shall be allowed to present himself for the M.Sc. Examination in any one or more of the optional papers in that subject not taken by him at the said examination and is successful will be given a certificate to that effect.

7. For both the Previous and Final Examinations a candidate will be declared successful if he/she obtains atleasast 36% of the aggregate marks in the subject. In subject in which both Theory and Practical Examinations are held the examinee must pass separately in the Practical Examination obtaining not less that 36% marks.

8. No division will be assigned on the result of the Previous examination. The division in which a candidate is placed shall be determined on the basis of aggregate of marks obtained in both the M.Sc. Previous and the M.Sc. Final Examination.

9. Successful candidate who obtain 60% or more of the aggregate marks shall be placed in the first division, those obtaining less than 60% but not less than 48% in the Second Division and all other successful candidates obtaining less that 48% in the Third Division.

10. Candidates who have passed the M.Sc. Examination of the University in any, subject in Third or Second Division and desire to appear at the M.Sc. Examination in the same subject for improving division without attending a regular course of study in a college affiliated to the University or in a Teaching Department of the University be allowed to appear at the aforesaid examination as non-collegiate student on the following conditions :

(i) There shall be only two divisions for such candidates the First Division and Second Division. The marks required for obtaining these division shall be sameas prescribed in the Ordinance i.e. examinees who are

successful in Final of the Examination and have obtained 60% or more aggregate of the marks in Previous and Final Examination taken together shall be placed in the First Division and examinees who are successful in Final Examination and have obtained less than 60% but not less than 48% of aggregate marks n Previous and Final examinations taken together shall be paced in the Second Division.

(ii) The result of the candidates obtainingless than 48% of the aggregate marks in Previous and Final of the examination taken together shall not be declared.

(iii) Candidates shall be option to appear at both the Previous and Final Examinations in one and the same year and for being successful at the examination, the candidates shall obtain 48% of the aggregate marks.

Provided that such candidates who opt to appear in Previous and Final Examination separately shall have to obtain minimum aggregate required for the Previous Examination but he will have to obtain atleast 48% in the aggregate of Previous and Final Examinations taken together or else his result will be cancelled.

(iv) The syllabus for the examination shall be the same as prescribed for the year in which the examination is held.

(v) Not more than two attempts shall be allowed to such a candidate. Failure or non-appearance at the examination after permission has been accorded by the University shall be counted as an attempt.

Provided however such candidates who optto appear at the Previous and Final Examination separately will be allowed only one attempt at the previous examination and two attempts at the Final Examination.

(vi) Candidates who wish to avail the opportunity given in foregoing paras will have to apply for permission as required in the Ordinance relating to admission of non collegiate students to the University examination alongwith requisite registration fee.

(vii) In case a student improves his division under provision of this para the fresh Degree will be issued after cancelling his first Degree.

Use of Calculators

The students of Degree/P.G. classes will be permitted to use calculator in the examination hall on the following conditions.

Student will bring their own Calculators.

Calculators will not be provided either by the University or examination centres.

Calculator with memory and following variables be permitted + sqare reciprocal, exponential log. esquire root trigonometric functions viz, sine, cosine tangent etc., lactorial summation xy,yx and in the light of objective approval of merits and demerits of the viva only will be allowed.

ORDINANCE NO. 44

POST GRADUATION DIPLOMA IN INSURANCE AND RISK MANAGEMENT

1. **Name of the Course : Post Graduation Diploma in Insurance and Risk Management**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies in Computer Science of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year

The examination shall consist of total 6 papers in one year. each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory Examinations separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. . Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the Graduation. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies .

ORDINANCE NO. 45

POST GRADUATION DIPLOMA IN PUBLIC RELATION

1. **Name of the Course : Post Graduation Diploma in Public Relation**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies i of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year

The examination shall consist of total 4 papers in one year, each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the Graduation. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies .

ORDINANCE NO. 46

DIPLOMA IN CAPITAL MARKET AND MERCHENT BANKING

1. **Name of the Course : Diploma in Capital Market And Merchent Banking**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies i of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year

The examination shall consist of total 4 papers in one year, each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the higher secondry in any discpline. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies .

ORDINANCE NO. 47

DIPLOMA IN MASS COMMUNICATION

1. **Name of the Course : Diploma in Mass Communication**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year

The examination shall consist of total 7 papers in one year, each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. Minimum passing marks will be 33% in theory & 40% each in Practical & Sessional. A candidate failing in one or more subject(s) will be

allowed to continue in the next semester but will be required to clear it in the next examination His/her result will be declared only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%	-	Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More	-	First Division with Distinction

3. Eligibility and Admission :

A candidate who has passed the higher secondry in any discpline. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. Fee Structure :

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. Syllabus :

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies .

ORDINANCE NO. 48

DIPLOMA IN BASIC HEALTHCARE & COMMUNITY DEVELOPMENT

1. PROGRAMMES :

The Diploma in Basic Healthcare & Community Development Programme shall be a full-time Two year (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. ADMISSION:

A candidate seeking admission to Diploma in Basic Healthcare & Community Development Course should be atleasthigher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. SCHEME OF EXAMINATION:

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. SEMESTER EXAMINATION:

a) A student admitted to the Diploma in Basic Healthcare & Community Development course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for Diploma in Basic Healthcare & Community Development Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. **Student reappearing at any Semester :**

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance. shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. **SCHEMEOF EVALUATION:**

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. **INTERNAL ASSESSMENT :**

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. **THE MARKS ON INTERNAL :**

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. **SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :**

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate:

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however. be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. **CONDITIONS OF PASSING:**

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. **PRACTICAL TRAINING:**

Every student of Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks.

12. **EVALUATION OF REPORT:**

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student.

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. RE-APPEAR CLAUSE:

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Four Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. DECLARATION OF RESULT :

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Fourth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. AWARD OF DIVISION:

No Division, shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. Second, Third and Fourth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 49

DIPLOMA IN PHARMA SALES MANAGEMENT

1. **PROGRAMMES :**

The Diploma in Pharma Sales Management Programme shall be a full-time Two year (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. **ADMISSION:**

A candidate seeking admission to Diploma in Pharma Sales Management Course should be atleasthigher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. **SCHEME OF EXAMINATION:**

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. **SEMESTER EXAMINATION:**

a) A student admitted to the Diploma in Pharma Sales Management Programme course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for Diploma in Basic Healthcare & Community Development Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. **Student reappearing at any Semester :**

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance. shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. **SCHEMEOF EVALUATION:**

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. **INTERNAL ASSESSMENT :**

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interes . studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate:

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however, be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. PRACTICAL TRAINING:

Every student of Diploma in Pharma Sales Management Programme shall be required to undergo practical training .

12. EVALUATION OF REPORT:

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student .

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. RE-APPEAR CLAUSE:

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future:

Provided that a candidate must pass all the Four Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. DECLARATION OF RESULT :

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Fourth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. AWARD OF DIVISION:

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. Second, Third and Fourth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 50

DIPLOMA IN AUXILIARY NURSING & MIDWIFERY

1. PROGRAMMES :

The Diploma In Auxiliary Nursing & Midwifery Programme shall be a full-time Two year (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. ADMISSION:

A candidate seeking admission to Diploma in Auxiliary Nursing & Midwifery Course should be atleasthigher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature. scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. SCHEME OF EXAMINATION:

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. YEARLY EXAMINATION:

a) A student admitted to the Diploma in Auxiliary Nursing & Midwifery Development course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Yearly may be admitted to the First Yearly Examination.

b) Registration at The Yearly Examination: A candidate selected for Diploma in Auxiliary Nursing & Midwifery Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Year Examination, shall register his/her candidature for the First Year Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. Student reappearing at any Year :

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance. shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. SCHEMEOF EVALUATION:

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. INTERNAL ASSESSMENT :

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Year shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Year Examination.

b) Promotion to Next Year

Candidate registered for the First Year Examination will automatically be promoted to the Second Year. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Year Examination.

10. PRACTICAL TRAINING:

Every student of Diploma in Pharma Sales Management Programme shall be required to undergo practical training .

11. EVALUATION OF REPORT:

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

12. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Year to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Second Year to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student.

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

13. RE-APPEAR CLAUSE:

- A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Year Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Yearly Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Year with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Year backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Year) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Year. If a candidate fails to pass in any Year Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Two Year Examinations within five years of his admission to that First Year of Auxiliary Nursing & Midwifery programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the MPA programme and hence will have to leave the course.

14. All the students should join the classes in particular Year from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Year Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier Year.

15. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

16. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Year Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Year unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

17. DECLARATION OF RESULT :

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Year Examination(s) . However, Second Year Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. AWARD OF DIVISION:

No Division shall be awarded in Firast Year Examination. Successful candidates in all Second Year Examinations will be classified on the basis of combined result of First. and Second Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 51

DIPLOMA IN DENTAL HYGIENE

1. **PROGRAMMES :** The Diploma In Dental Hygeine Programme shall be a full-time Two year (Four Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. **ADMISSION:**

A candidate seeking admission to Diploma in Dental Hygeine Course should be atleast higher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. **SCHEME OF EXAMINATION:**

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. **YEARLY EXAMINATION:**

a) A student admitted to the Diploma in Dental Hygeine Development course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Yearly may be admitted to the First Yearly Examination.

b) Registration at The Yearly Examination: A candidate selected for Diploma in Dental Hygeine Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Year Examination, shall register his/her candidature for the First Year Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. **Student reappearing at any Year :**

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. **SCHEMEOF EVALUATION:** In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. **INTERNAL ASSESSMENT :**

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. **THE MARKS ON INTERNAL :**

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. **CONDITIONS OF PASSING:**

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Year shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Year Examination.

b) Promotion to Next Year

Candidate registered for the First Year Examination will automatically be promoted to the Second Year. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Year Examination.

10. **PRACTICAL TRAINING:**

Every student of Diploma in Dental Hygeine Programme shall be required to undergo practical training

11. **EVALUATION OF REPORT:**

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

12. **COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:**

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Year to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Second Year to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Second Year Examination for being incorporated in the final results of the student.

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

13. **RE-APPEAR CLAUSE:**

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Year Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Year Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the. examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Year backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Year) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Year. If a candidate fails to pass in any Year Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Two Year Examinations within five years of his admission to that First Year of Dental Hygeine programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

14. All the students should join the classes in particular Year from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Year Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier Year.

15. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

16. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Year Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Year unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

17. **DECLARATION OF RESULT :**

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Year Examination(s) . However, Second Year Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Firast Year Examination. Successful candidates in all Second Year Examinations will be classified on the basis of combined result of First. and Second Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 52

POST GRADUATE DIPLOMA IN CLINICAL PATHOLOGY

1. **PROGRAMMES :**

The Post Graduation Diploma In Clinical Pathology Programme shall be a full-time Two year programme of teaching and learning.

2. **ADMISSION:**

A candidate seeking admission to Post Graduation Diploma In Clinical Pathology Course should be Graduate with Bio Science in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. **SCHEME OF EXAMINATION:**

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. **YEARLY EXAMINATION:**

a) A student admitted to the Post Graduation Diploma In Clinical Pathology course through Admission Test and who participates in reguiar lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Yearly may be admitted to the First Yearly Examination.

b) Registration at The Yearly Examination: A candidate selected for Diploma in Dental Hygeine Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Year Examination, shall register his/her candidature for the First Year Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls. .

5. **Student reappearing at any Year :**

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be

granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. **SCHEMEOF EVALUATION:**

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. **INTERNAL ASSESSMENT :**

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled

by the institution from time to time, for this purpose. If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. **THE MARKS ON INTERNAL :**

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. **CONDITIONS OF PASSING:**

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Year shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Year Examination.

b) Promotion to Next Year

Candidate registered for the First Year Examination will automatically be promoted to the Second Year. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Year Examination.

10. **PRACTICAL TRAINING:**

Every student of Diploma in Dental Hygeine Programme shall be required to undergo practical training

11. **EVALUATION OF REPORT:**

The Renort shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

12. **COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:**

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Year to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Second Year to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Second Year Examination for being incorporated in the final results of the student .

The aforesaid viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

13. **RE-APPEAR CLAUSE:**

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Year Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Year Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Year backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Year) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Year. If a candidate fails to pass in any Year Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Two Year Examinations within five years of his admission to that First Year of Post Graduation Diploma In Clinical Pathology programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

14. All the students should join the classes in particular Year from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Year Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier Year.

15. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period. of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

16. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Year Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Year unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

17. **DECLARATION OF RESULT :**

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Year Examination(s) . However, Second Year Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Firast Year Examination. Successful candidates in all Second Year Examinations will be classified on the basis of combined result of First. and Second Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 53

BACHELOR DEGREE IN PHYSIOTHERAPY

THROUGH DISTANCE EDUCATION

The Bachelor Degree in Physiotherapy shall be instituted in the University

1. **OBJECTIVES**

(i) To develop the subject of Paramedical following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Paramedical.

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the programme shall be 4 years.

3. **ADMISSION**

No person shall be deemed to qualified for admission to the BOP Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. **MODE OF INSTRUCTION**

The course ware for BOP programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **MODE OF EXAMINATION**

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as BOP (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as BOP (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - III shall be known as BOP (DE) Part-III exam. at the end of third year.

Part - IV shall be known as BOP (DE) Part-IV exam. at the end of fourth year.

9.2 A candidate, after passing BOP (Part-I) examination and registered for BOP Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of BOP Part-II shall be eligible for appearing at the BOP Part-III exam. at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION :**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. **ASSIGNMENTS & PRACTICAL :**

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, University of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iii) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(iv) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(v) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director of University.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A student (failed candidate), seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the University, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES University examination Centre will be notified by University.

ORDINANCE NO. 54

BACHELOR DEGREE IN OCCUPATIONAL THERAPY

The Bachelor Degree in Occupational therapy shall be instituted in the University

1. OBJECTIVES

(i) To develop the subject of Paramedical following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Paramedical.

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the programme shall be 4 years.

3. **ADMISSION**

No person shall be deemed to qualified for admission to the BOT Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. **MODE OF INSTRUCTION**

The course ware for BOT programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **MODE OF EXAMINATION**

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as BOT (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as BOT (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - III shall be known as BOT (DE) Part-III exam. at the end of third year.

Part - IV shall be known as BOT (DE) Part-IV exam. at the end of fourth year.

9.2 A candidate, after passing BOT (Part-I) examination and registered for BOT Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of BOT Part-II shall be eligible for appearing at the BOT Part-III exam. at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance. ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION :**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, University of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iii) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(iv) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(v) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director of University.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A student (failed candidate), seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the University, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by University.

ORDINANCE NO. 55

BACHELOR DEGREE IN MEDICAL LABORATORY TECHNOLOGY

The Bachelor Degree in Medical Laboratory Technology shall be instituted in the University

1. OBJECTIVES

(i) To develop the subject of Paramedical following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Paramedical.

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. DURATION OF COURSE :

The duration of the programme shall be 3 years.

3. ADMISSION

No person shall be deemed to qualified for admission to the BMLT Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher

.secondary school Certificate Examination.

4. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. MODE OF INSTRUCTION

The course ware for BMLT programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. ASSIGNMENT & PRACTICAL

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. MODE OF EXAMINATION

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as BMLT (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as BMLT (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - III shall be known as BMLT (DE) Part-III exam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing BMLT (Part-I) examination and registered for BMLT Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of BMLT Part-II shall be eligible for appearing at the BMLT Part-III exam. at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 . A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. PASS PERCENTAGE AND DIVISION :

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, University of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iii) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(iv) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University / Director I.D.E..

(v) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator/Director of University.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A student (failed candidate), seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the

examination intended to appear to the University, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by University.

ORDINANCE NO. 56

BACHELOR OF RADIOLOGY & IMAGING TECHNOLOGY

1. PROGRAMMES :

The Bachelor Degree in Radiology & Imaging Technology Programme shall be a full-time Three year (Six Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. ADMISSION:

A candidate seeking admission to Bachelor Degree in Radiology & Imaging Technology Course should be atleast higher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. SCHEME OF EXAMINATION:

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. SEMESTER EXAMINATION:

a) A student admitted to the Bachelor Degree in Radiology & Imaging Technology course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for Bachelor Degree in Radiology & Imaging Technology Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. Student reappearing at any Semester :

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance. shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. SCHEMEOF EVALUATION:

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. INTERNAL ASSESSMENT :

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate;

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however, be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. PRACTICAL TRAINING:

Every student of Bachelor Degree in Radiology & Imaging Technology Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks.

12. EVALUATION OF REPORT:

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student .

Tharefor said viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. **RE-APPEAR CLAUSE:**

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed. on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Six Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Insitution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. **DECLARATION OF RESULT :**

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Sixth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. to Sixth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 57

BACHELOR DEGREE IN HOSPITAL MANAGEMENT

1. **PROGRAMMES :**

The Bachelor Degree in Hospital Management Programme shall be a full-time Three year (Six Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. **ADMISSION:**

A candidate seeking admission to Bachelor Degree in Hospital Management Course should be atleast higher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The [illegible] scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be

decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. **SCHEME OF EXAMINATION:**

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. **SEMESTER EXAMINATION:**

a) A student admitted to the Bachelor Degree in Hospital Management course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for Bachelor Degree in Hospital Management Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. **Student reappearing at any Semester :**

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing, which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. **SCHEMEOF EVALUATION:**

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. **INTERNAL ASSESSMENT :**

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. **THE MARKS ON INTERNAL :**

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. **SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :**

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate:

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however, be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. PRACTICAL TRAINING:

Every student of Bachelor Degree in Hospital Management Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks.

12. EVALUATION OF REPORT:

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two. Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student.

Tharefor said viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. RE-APPEAR CLAUSE:

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Six Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day.

Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. **DECLARATION OF RESULT :** As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However, Sixth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. **AWARD OF DIVISION:**

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. to Sixth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

ORDINANCE NO. 58

BACHELOR OF SCIENCE IN MICROBIOLOGY

THROUGH DISTANCE EDUCATION

The Bachelor of Science in Microbiology shall be instituted in the University under the University of Distance Education .

1. **OBJECTIVES**

(i) To develop the subject of Science following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Science

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. **DURATION OF COURSE :**

The duration of the programme shall be 3 years.

3. **ADMISSION**

No person shall be deemed to qualified for admission to the Bachelor of Science in Microbiology Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. **MODE OF INSTRUCTION**

The course ware for Bachelor of Science in Microbiology programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised.

Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. MODE OF EXAMINATION

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as B.Sc.(microbiology) (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - I shall be known as B.Sc.(microbiology) (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - I shall be known as B.Sc.(microbiology)(DE) Part-I exam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing B.Sc.(microbiology) (Part-I) examination and registered for B.Sc.(microbiology) Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of B.Sc.(microbiology) Part-II shall be eligible for appearing at the B.Sc.(microbiology) Part-II exam. at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. PASS PERCENTAGE AND DIVISION :

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. ASSIGNMENTS & PRACTICAL :

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director, Institute of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University .

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University .

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by the University .

ORDINANCE NO. 59

BACHELOR OF SCIENCE IN BIOTECHNOLOGY

The Bachelor of Science in Biotechnology shall be instituted in the University under the University of Distance Education .

1. OBJECTIVES

(i) To develop the subject of Science following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Science

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. DURATION OF COURSE :

The duration of the programme shall be 3 years.

3. ADMISSION

No person shall be deemed to qualified for admission to the Bachelor of Science in Biotechnology Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. MEDIUM OF INSTRUCTION

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. MODE OF INSTRUCTION

The course ware for Bachelor of Science in Biotechnology programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **MODE OF EXAMINATION**

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as B.Sc.(biotechnology) (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as B.Sc.(biotechnology) (DE) Part-II exam. at end ofsecond year.

Part - III shall be known as B.Sc.(biotechnology) (DE) Part-IIIexam. at the end of third year.

9.2 A candidate, after passing B.Sc.(biotechnology) (Part-I) examination and registered for B.Sc.(biotechnology) Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule ofB..Sc.(biotechnolog) Part-II shall be eligible for appearing at the B.Sc.(biotechnology) Part-II exam.at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION :**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. **ASSIGNMENTS & PRACTICAL :**

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. **SCHEME OF EXAMINATION**

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director,University of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University .

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University .

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by the University

ORDINANCE NO. 60

BACHELOR OF SCIENCE IN NURSING

The Bachelor of Science in Nursing shall be instituted in the University under the University of Distance Education .

1. OBJECTIVES

(i) To develop the subject of Science following a simple and informal approach for participants.

(ii) To develop expertise in latest emerging field i.e. Science

(iii) To prepare persons for Job, Career and professional course.

2. DURATION OF COURSE :

The duration of the programme shall be 3 years.

3. ADMISSION

No person shall be deemed to qualified for admission to the Bachelor of Science in Nursing Part-I examination unless he/she has passed the Higher Secondary School Certificate Examination unless he/she has passed the Higher secondary school Certificate Examination.

4. **MEDIUM OF INSTRUCTION**

The medium of instruction and examination shall be either Hindi of English. The candidates will have the option to write answers in any of the above language.

5. **MODE OF INSTRUCTION**

The course ware for Bachelor of Science in Nursing programme shall be as under :-

i) Written Material

ii) audio-visual aids.

iii) Personal Contact Programme 7

iv) Practicals

6. **ASSIGNMENT & PRACTICAL**

(i) Academic activities would include printed/cyclostyled study material response sheets, personal contact programme (PCP) and assignments etc.

(ii) Student shall be required to attend PCP and complete the assignments within time as per the syllabus. The duration Place and dates will be intimated after the admissions are finalised. Every student enrolled for this course shall be required to attend 75% personal contact programme in the academic year.

(iii) Lessons will be in Hindi and English language as per option of the candidate concerned. However, the question papers shall be in English and Hindi.

(iv) The whole course in each paper will be divided into different units, the lessons for which shall be supplied to the students in the intervening months.

7. **MODE OF EXAMINATION**

9.1 The three years course has been divided into three parts :

Part - I shall be known as B.Sc.(Nursing) (DE) Part-I exam. at the end of first year.

Part - II shall be known as B.Sc.(Nursing) (DE) Part-II exam. at the end of second year.

Part - III shall be known as B.Sc.(Nursing) (DE) Part-III exam. at the end of third year.

Part - III shall be known as B.Sc.(Nursing) (DE) Part-IV exam. at the end of fourth year.

9.2 A candidate, after passing B.Sc.(Nursing) (Part-I) examination and registered for B.Sc.(Nursing) Part-II in the Institute has successfully completed the programme schedule of B..Sc.(Nursing) Part-II shall be eligible for appearing at the B.Sc:(Nursing) Part-II exam.at the end of second year.

9.3 Registered students, other students, subject to compliance with other clauses of this ordinance, ex-students shall also be eligible for reappearing in the examination as per provisions of Ordinance 6 relating to examination.

9.4 In order pass at any part of the three year degree course examination the examiner must obtain minimum 40% marks in each theory paper, practical and assignments and a minimum 50% in aggregate.

9.5 There shall be supplementary examination ever year as per notification issued for the purpose.

9.5.1 The candidate who failed in one paper or in practical or in assignment as the case may be, shall be eligible to appear at the supplementary examination.

9.5.2 A candidate declared eligible for supplementary examination may appear as "supplementary candidate" in the two examinations immediately following the examination in which he/she was declared to be eligible for supplementary and thereafter, he/she will be required to appear in all the papers including practical and assignment.

8. **PASS PERCENTAGE AND DIVISION :**

(i) Minimum pass marks in each theory paper. Internal Assessment / Practical Training Programme & Assignments will be 40% and 50% in aggregate.

(ii) Successful examination at the final examination, obtaining 60% and above marks shall be placed in First Division and less than 60% but not less than 50% in the Second Division.

9. **ASSIGNMENTS & PRACTICAL :**

(i) During the period of course, assignments and lesson packages will be prepared.

(ii) The assignments shall be submitted by the candidate in the intervening months. These assignments will serve as feedback and will be counted towards internal assessment in each paper.

The whole course in each paper will be divided into number of units which shall be supplied to the candidate from time to time.

(iii) The practical examinations shall be divided in the three year as per recommendations of Board of Students / University rules

(iv) The attendance in practicals and contact programmes should not be less than 75.

10. SCHEME OF EXAMINATION

The scheme of examination will be as per recommendations of Board of Studies/University rules.

11. CONTACT PROGRAMME

(i) There shall be contact programmes of seven days as per scheduled declared by the director. The attendance of 75% in each programme is compulsory Prior information for the contact programmes will be given to the students, facilitating them to attend the programmes. The venues) declared for Contact Programmes) by the Director, Institute of Distance Education shall be notified to the students well in advance.

(ii) The Attendance certificate shall be issued to the students on the last day of contact programme. He will be required to attach attendance certificate alongwith the application form for admission to the examination.

(iii) All correspondence pertaining to Institute of Distance Education must be addressed to the Director,University of Distance Education.

12. EVALUATION

(i) At the end of each year, final test of practicals/viva-voce shall be conducted by an external examiner of the subject appointed by the University.

(ii) Other rules for remuneration etc. prescribed by the University .

(iii) Internal assignment will be done during the contact programme by the examiners appointed by the University.

(iv) The syllabus of different papers shall be as prescribed by the Academic Council or the Board of studies.

(v) The theory part of the examination shall be held at the end of the academic year, notified by the Registrar of the University .

(vi) The practical examination shall be arranged by the Co-ordinator.

13. FAILED CANDIDATE

(i) A candidate, failing in either or both of two parts, may reappear as failed candidate in the part concerned or in the whole as the cas may be at a subsequent examination without being required to undergo regular course of studies again, subject to his/her compiling with the provisions of the Ordinance and regulations. Such candidate will get only two successive chances to pass the course in question.

(ii) A failed candidate seeking permission for admission to a subsequent examination, shall submit his/her application on prescribed form indicating the papers and parts of the examination intended to appear to the Direct IDE, before the last date fixed for the purpose together with fees and documents as are required in the rules.

(iii) Marks of internal assessment shall be brought forward for the purpose of results at the subsequent examination .

14. EXAMINATION CENTRES

University examination Centre will be notified by the University .

ORDINANCE NO. 61

MASTERS OF PHILOSIPHY IN MANAGEMENT

1. **Name of the Course : Masters of Philosiphy in Management**

[One Year-Part time Course]

The course will be under the Board of studies in Management of the University for academic purposes.

2. **Duration :** One Year (Two Semester)

The examination shall consist of total 3 papers in , each carrying 100 marks. Candidate should pass in Theory separately. Each Theory paper will be having 50 marks each as sessional marks, which will be awarded, internally by teachers & Head of the Deptt. (Management). A candidate failing in one or more subject(s) will be allowed to continue only after he/she clears all the papers, the result dhould be declared according to following :

1.	Less than 33%		Fail
2.	33% & more but less than 50%	-	Pass Division
3.	50% & more but less than 60%	-	Second Division
4.	60% & More but less than 75%	-	First Division
5.	75% & More		First Division with Distinction

3. **Eligibility and Admission :**

A candidate who has passed the MBA,MA(ECO),M.Sc.(ECON),M.Sc.(STAT),M.Com.OR equivalent masters degree or any degree with ACA/AICWA/ACS/CFA. The admission will be done on the basis of Entrance Test. Admission to Maximum 10% of total seats may be given to eligible candidate(s) under NRI/NRI - Sponsored/Industry/Organisation Sponsored category. Entrance Test will not be required for the candidates under this category.

In each course 40 students will be admitted in this course but University reserves the right to alter the intake. The reservation of seats will be made as per govt. rules for SC/ST/OBC/PH category. In case no candidate in eligible/available for admission under reserved category the seats will be treated as unreserved and will be made available for general category candidates.

4. **Fee Structure :**

University reserves the right to decide the fee structure from time to time.

5. **Syllabus :**

The syllabus & scheme of examination has been approved by the Board of Studies in Computer Science of Dr. C.V. Raman, University Raipur and subject to alteration by the Board of studies.

ORDINANCE NO. 62

BACHELOR OF HOTEL MANAGEMENT

1. **PROGRAMMES :**

The Bachelor Degree in Hotel Management Programme shall be a full-time Three year (Six Semesters) programme of teaching and learning Each academic year shall be divided into two Semester of six months each.

2. **ADMISSION:**

A candidate seeking admission to Bachelor Degree in Hotel Management Course should be atleast higher secondry in any discipline with at least 50% marks (45% marks in case of SC/ST/OBC Category) of any Indian University, or Institute recognised by the University as equivalent there to.

The admission shall be through written test followed by group discussion and personal interview to be conducted by the concerned Institution or entrusted to a competent outside agency. The nature, scope and other necessary details of the admission test and the rules of admission shall be such as may be decided and notified by the University from time to time. Reservation for seats shall be made in the case of SC/ST and OBC candidates as per the Government Rules.

3. **SCHEME OF EXAMINATION:**

The scheme of examination and the scope of studies in various subjects and the programme of examination may be prescribed and notified in the prospectus by the University, from time to time.

English shall be the medium of Test, Instruction and Examination. However, the candidate will have the options to write the answers in Hindi/English.

4. **SEMESTER EXAMINATION:**

a) A student admitted to the Bachelor Degree in Hotel Management course through Admission Test and who participates in regular lectures of all subjects and qualifies successfully in the various test, secures minimum percentage of marks in the sessional examinations and other such tests as conducted and produces a certificate from the Head of Institution that he fulfils the above necessary requirements for concerned Semester may be admitted to the First Semester Examination.

b) Registration at The Semester Examination: A candidate selected for Bachelor Degree in Hospital Management Programme and found eligible by the Institution to appear at the First Semester Examination, shall register his/her candidature for the First Semester Examination.

Exemption from such requirement shall on no ground be granted. Failure to comply with the above requirement by any candidate shall cause his/her name liable to be struck of from the Rolls.

5. Student reappearing at any Semester :

Examination as an failed student as per provisions of this Ordinance, shall. have to offer courses/studies in force for the examination of the year in which he is re-appearing. Further, if there is/are any additional paper(s)/subject(s) prescribed further examination of the year in which he is re-appearing. which he/she had not studied while he/she was a regular student in/preceding year, he/she may be granted casual admission by the Head of the Institution to attend classes in such additional paper (s) /subjects) on payment of fees. In such additional paper(s)/ subject(s), his/her evaluation of class tests and sessional programme for those paper (s)/subject(s) shall be done in the same manner as for the regular students.

6. SCHEMEOF EVALUATION:

In each theory paper, the allocation of marks between written examination, i.e., External Assessment and Internal Assessment shall be 70% and 30% respectively.

7. INTERNAL ASSESSMENT :

The Internal Assessment for each subject shall be based on the participation of the students in class lectures and various other activities including seminar(s), group discussion, field study etc. as scheduled by the institution from time to time, for this purpose.

If a student performance on these scores is not satisfactory, and/or he/she shows a consistent lack of interest in studies, his/her admission is liable to be cancelled by the Head of the Institution.

8. THE MARKS ON INTERNAL :

Assessment shall be finalised by the HOD in consultation with the subject teachers and on the basis of the performance of the students in the above mentioned areas. Marks awarded shall be final and unquestionable and shall not opened for revaluation.

The Head of the Institution shall forward the Internal Assessment marks to the Registrar of the University in due course, for preparation and finalisation of results.

9. SEMESTER EXAMINATION SHALL BE OPEN TO A STUDENT :

WHO:

(a) has been on the rolls of the institution during that Semester:

(b) has attended a satisfactory number of lectures in each paper and successfully participated in various other compulsory activities held during that Semester (deficiency in respect of the normal requirements here of is condonable by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of Institution.

c) has obtained at least pass marks (40%) in the Internal Assessment of the paper (s) ,for which he/she is a candidate;

d) has not been a defaulter in respect of payment of dues to the institution and/or University.

e) has not been prevented by the university/provided that a candidate who fails to comply with the requirements of b) and c) above in respect of any particular paper(s), may, however, be eligible to take the examination in the remaining paper(s) and

f) has passed the previous Semester Examination or is covered under clause 15 here in below.

10. CONDITIONS OF PASSING:

a) The minimum percentage of marks to pass the examination in each Semester, shall be:

i) 40% in each written paper and internal Assessment separately.

ii) 50% in the aggregate of each Semester Examination.

b) Promotion to Next Semester;

Candidate registered for the First Semester Examination will automatically be promoted to the Second Semester. To be specific, the sole criterion for promotion is the registration for the Semester Examination.

11. PRACTICAL TRAINING:

Every student of Bachelor Degree in Hotel Management Programme shall be required to undergo practical training for six to ten weeks.

12. **EVALUATION OF REPORT:**

The Report shall be valued by the Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners submitted by the Examination Committee, for the purpose.

The report award shall be taken into account if a candidate appears in any further examination under 'Re-appear' clause (14) herein below.

In the case of any disagreement in respect of award, the Rules as appeared in the General Ordinance of the University shall apply.

13. **COMPREHENSIVE VIVA-VOCE:**

There will be a comprehensive viva-voce at the end of the Second Semester to assess the student's progress in core subjects and other functional areas.

The second comprehensive viva-voce will be held at the end of the Fourth Semester to assess the student's overall performance, on conclusion of the programme in general and to build confidence in them before placement, in particular. Total marks allocated to this HEAD' shall be divided equally between the above two.

Both the aforesaid comprehensive viva-voce shall be conducted by the Institution with the help of Examiners approved by the vice-chancellor from the panel of examiners as recommended by the Examination Committee.

The marks awarded to students shall be on the Record of the Institution and forwarded to the Registrar of Examination on conclusion of the Fourth Semester Examination for being incorporated in the final results of the student.

Tharefor said viva-voce award will be taken into account when the candidate appears in any future examination under Re-appear Clause (14).

14. **RE-APPEAR CLAUSE:**

A candidate who has completed the prescribed courses of instruction for any Semester Examination but did not appear in it, or having appeared, failed, may be allowed, on the recommendation of the Head of the Institution to appear/re-appear in the Semester Examination(s) paper(s), as the case may be, without attending fresh course of studies While re-appearing in the, examination the candidate shall be exempted from re-appearing, in the paper(s), seminar, viva-voce and submitting Project/Training Report etc. in which he/she had obtained at least 50% marks including the marks for Internal Assessment, where prescribed.

A candidate will be given provisional admission to the next Semester with a specific understanding that the candidate shall have to clear the earlier Semester backlogs by two more chances as per the at.k.t.

Such a candidate in the meantime, may prosecute his/her studies for the next higher Semesters) and appear in the examination(s) for the same alongwith the examination for lower Semester(s). If a candidate fails to pass in any Semester Examination even in the Third Chance as mentioned above, he/she will have to repeat the course as a regular student in the institution work the relevant course(s) is/are offered in future;

Provided that a candidate must pass all the Six Semester Examinations within five years of his admission to that First Semester of programme failing which he/she will be deemed to be unfit for the programme and hence will have to leave the course.

15. All the students should join the classes in particular Semester from the first day of the commencement of classes as notified by the University and attendance shall be counted from the aforesaid first day. Provisional admission is permissible to candidates who failed at the earlier Semester Examination. NO condonation in attendance shall be given for a students late joining on the ground of later declaration of results of earlier semester(s).

16. A candidate will be permitted to discontinue the course for a period of one your and extendible for another year on substantiated ground by the vice-chancellor on the recommendation of the Head of the Institution.

17. The Internal Assessment Award of a candidate who failed in any Semester Examination shall be carried forward to the next examination provided that candidate who has not obtained pass marks in the Internal assessment for any paper (s) will not be allowed to take examination in the said paper(s) in the relevant Semester unless he/she repeats the course in the paper(s) concerned and obtains the minimum pass marks in the internal Assessment.

18. **DECLARATION OF RESULT :**

As soon as possible, after the termination of the Examination, the Registrar of Examinations shall publish a list of candidates who have passed / promoted in the Semester Examination(s) . However,

Sixth Semester Examination results of the candidates having backlog(s)will be declared only when such candidates clear all the papers irrespective of the Semester.

19. AWARD OF DIVISION:

No Division shall be awarded in Semester Examination. Successful candidates in all four Semester Examinations will be classified on the basis of combined result of First. to Sixth Semester Examinations respectively, as follows:

Candidates securing 60% and above marks will be placed in the First Division. All other successful candidates shall be placed in Second Division.

रायपुर, दिनांक 10 नवम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-211/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत इन्द्रप्रस्थ टेक्नॉलाजिकल यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 30 (तीस) प्रथम संविधयां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

INDRAPRASTHA TECHNOLOGICAL UNIVERSITY

Established under Section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002), vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F. 73/211/HE/38, Dated 10.10.2003.

FIRST STATUTES

Made in accordance with eh provisions in Section 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These Statues shall, here-in-after be called, The First Statues of, the Indraprastha Technological University 2003.

1.2 These First Statutes are applicable to Indraprastha Technological University and any matter relating and incidental thereto.

1.3. These First Statutes shall come into force on the date of publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of Indraprastha Technological University shall be located at R-11, Avantivihar, Sector – 1 Ext, Raipur.

2.0 Definitions (in alphabetic order)

In these First Statutes unless and otherwise the context demands :

2.1 **Academic Centres** means Distance Education Academic Centres approved by the Unversity for imparting education in formal/nonformal mode in respect of any or all courses offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such centres shall be designated as Distance Education Academic Centres (DEAC). Such Centres shall function independently within the frame work of the University norms.

2.2 **Academic Council** means the Academic Councilconstituted under Section 22 of the Act and under Section 13.0 of these First Statutes.

2.3 **Academic Staff** means such categories of staff as are designated as academic staff by the ordinances.

2.4 **Academic Year** ordinarily means the period from 01 July of any year to 30 th June and from 01 January to 31st December of the following year or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

2.5 Act means, the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana SAur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

2.6 **Ad-hoc Committee** means a committee constituted under the Section 19.0 of these First Statues.

2.7 **Administrator** mean the officer appointed by the Governing Body to exchange correspondence on behalf of the University, to sign and authenticate records on behalf of the University, to obtain reports and returns from Colleges and Schools of the University and to liaise with the State Government, UGC and other State Authorities, to generally supervise the administrative functions of the University and to manage the office of the Registrar in his absence.

2.8 **Affiliation** means and includes together with its grammatical variations in relation to all institutions, colleges and schools, recognition of such institutions, colleges, schools by association of such colleges and schools with and admission of such schools, colleges, institutions to the privileges of a University. These institutions, schools and colleges may be located in or outside the State of Chhattisgarh which includes outstation and foreign countries.

2.9 **Authorities** means authorities mentioned under Section 19 of the Act, and Section 9.0 of these First Statues.

2.10 **Board** means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and Section 11.0 of these First Statues.

2.11 **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects constituted by the Academic Council.

2.12. **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and Section 4.0 of these First Statutes.

2.13 **Committee** means all committees constituted under Sections 15, 16, 17, 18, 19 and 20 of these First Statutes.

2.14 **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

2.15 **Course** include programmes and courses of studies imparted in the formal mode and/or in the non-formal/distance education mode in the institutions, colleges, schools and/or Study Centres of the University.

2.16 **Dean (College)** means the person responsible for the upkeep, development and proper utilization of infrastructural facilities of the respective school/college and fulfil the academic requirements of the system.

2.17 **Dean (Planning and Monitoring)** means the person responsible for the preparation, monitoring and implementation of the plans of the University.

2.18 **Dean (Research)** means the person responsible for the execution and monitoring of the research schemes formulated and approved by the University Research Board.

2.19 **Dean (Students Welfare)** means the person responsibile for looking after the campus amenities and general welfare of the students of schools and colleges of the University.

2.20 **Dean (Discipline)** means the person responsible for maintaining the discipline amongst the students of schools and colleges of the University.

2.21 Director means the officer appointed by the Governing Body for coordinatin the functions and activities of the Dean of schools, colleges and study centres and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice Chancellor.

2.22 Distance Education means the education/courses/programmes offered to the students on off campus mode. it includes system of imparting education through any means of communication such as providing printed lessons, broadcasting, contact programmes, internet, e-learning or the combination of any two or more of such means.

2.23 Employee means and includes and person appointed by the University.

2.24 Finance Committee means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act of Section 17.0 of these First Statues.

2.25 Financial Year means the period commencing on the 1st April of any year and ending with 31st March of the following year or any period as prescribed by the Governing Body.

2.26 Fund means the General Fund established under Section 7 of the Act and Section 22.0 of these First Statutes.

2.27 Government means the Government of the State of Chhattisgarh.

2.28 He includes she and His includes Her.

2.29 Institute means and includes institute, institution, schools and colleges constituted as part of the University to impart education in specified disciplines located within or outside the State of Chhattisgarh in India and/or Abroad.

2.30 Main Campus means the campus of the University, Colleges and Schools located at Nagpura, Durg, Bhilai, Raipur in particular and the adjoining districts in general.

2.31 Manual of Instructions includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities, Officers of the University for the purposes of smooth functioning of the University.

2.32 Ordinance means ordinances issued by the University as prescribed by Section 25 of the Act.

2.33 Planning Committee means the planning committee of the University.

2.34 Regulations means Regulations made under Section 37 of the Act.

2.35 Rules means the Rules made under Section 36 of the Act.

2.36 Sponsoring Body means the Institute of Ecology and Environment Society registered under the provisions of Chhattisgarh Societies Registration Act 1973.

2.37 Staff means the teaching and non-teaching employees of the University who are on the of payroll the University and does not include any casual, temporary contractual, employees or adhoc visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

2.38 States means the States of India

2.39 Statutes means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the ammendments, alterations and modifications to the Statutes.

2.40 Student means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University or Institutes, Study Centres, Academic and Centres Colleges affiliated and/or associated to the University.

2.41 Study Centres means Distance Education Centres approved by the University under the advice of the Governing Body for imparting education in nonformal and distance mode in respect of any or all courses offered by the University and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such Study Centres for convenience may be as designated Delhi Campus, Mumbai Campus, Bangalore Campus, Hyderabad Campus, Patna Campus, Pune Campus, Gurgaon Campus, Noida Campus, Kolkata Campus, London Campus, Oxford Campus, Cambridge Compus and likewise.

2.42 INDRAPRASTHA TECHNOLOGICAL University established under Section 5 of the Act and will have the same meansing as stated in Section 2 (f) of the University Grants Commission Act 1956 as amended from time to time.

2.43 Vice Chancellor means the Vice Chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act and Section 5.0 of these First Statutes.

2.44 Visitor means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

3.0 Objects of the University.- The objects of the University are listed in succeeding paragraphs :

3.1 To provide for instructions in all branches of learning in Higher Education\as the University may consider appropriate and to make provision for research, advancement and dissemination of knowlege.

3.2 To establish main campus in the State of Chhattisgarh and to affiliate Instutions, approve Study Centres, Academic Centres and Off-Campus instutions at different locations in Indian and abroad.

3.3 To create higher levels of intellectual abilities.

3.4 To institute ______, diplomas, certificates and other academic distinctions on the basis of assignments and examinations, or any other mode of evaluation and assessment as laid down by the Academic Council.

3.5 To withdraw degrees, diplomas, certificates and oher academic distinctions for good and sufficient cause as recommended by the Academic Council.

3.6 To offer continuing and distance education programmes.

3.7 To ensure that the standard of the degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions are not lower than those laid down by the related regulatory bodies and authorities.

3.8 To encourage and promote research activities and set up centres of excellence for pure and applied research and development, and institute awards and fellowships for undertaking research at University as well as at other Institutions/Centres of the University in India and abroad.

3.9 To affiliate, recognize or collaborate with any other college, university, research institution, industry association, professional association or any other organisation in India or abroad to conceptualize, design and develop specific educational and research programmes, training programmes, exchange programmes and any such other programmes which the University may consider appropriate for students, faculty members and others.

3.1 To undertake surveys, studies and consultancy for any organisation in India or abroad.

3.! To undertake programmes for the training and development of faculty members of the University and other institutions in India or abroad.

3.12 To undertake collaborative research with any organisation in India or abroad and undertake commercialisation of technologies.

3.13 To develop, register and license all forms of Intellectual property rights including trademarks, copyrights, know-how and patents, etc.

3.14 To conceptualise, design, develop and commercialise various products, equipments and machinery as part of the research and development activity.

3.1 To establish State-of-the-art facilities for the promotion and advancement of education, training and research activities.

3.16 To establish Examination Centres within and outside Chhattisgarh in India as well as in other countris.

3.17 To confer Honorary degrees and other academic distinctions in the manner laid down in the Statues.

3.18 To encourage sports, cultural, extra curricular and co-curricular activities for the students and the staff.

3.19 To do all things necessary to promote the above objectives.

3.20 To pursue any other objective as may be approved by the Governing Body but within the framework of the University Act (2 to 2002).

3.21 To pursue any other objective as may be approved by the State Government.

4.0 Appointment and Powers of the Chancellor

4.1 The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body with the prior approval of the Visitor.

4.2 The term of office of the Chancellor shall be three years.

4.3 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and the Head of the University.

4.4 The Chancellor shall preside over the Convocation of the University, when the Visitor is not present.

4.5 The Chancellor shall have the following powers :

4.5.1 To call for any information or record.

4.5.2 To appoint the Vice Chancellor.

4.5.3 To remove the Vice Chancellor.

4.5.4 To exercise such other powers as may be delegated to him by the Governing Body.

4.6 If in the opinion of the Sponsoring Body, the actions of the Chancellor are in any way detrimental to the interests of the University, it may with prior approval of the Visitor, recall and replace the Chancellor. The Sponsoring Body shall appoint such other person as may be found appropriate in the position of Chancellor to succeed the person so acting with the prior approval of the Visitor.

5.0 Appointment, Powers and Duties of the Vice Chancellor

5.1 The Vioe Chancellor shall be appointed by the Chancellor fr[illegible] a panal of three persons recommended by the Governing Body.

5.2 The terms of the office of the Vice Chancellor shall initially be for a period of four years. He may be reappointed for another term not exceeding four years by the Chancellor.

5.3 The Vice Chancellor shall be principal academic officer of the University and also be the ex-officio member of the Governing Body, Board of Management, Academic Council, and such other Committees that may be set up by the Governing Body or the Board of Management from time to time.

5.4 The Vice Chancellor shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of the various authorities of the University, and shall exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the Act and the Statues.

5.5 If in the opinion of the Vice Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter of which powers and conferred on any other authority by or under the Act, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter.

Provided that if in the opinion of the concerned authority such action should not have been taken by the Vice Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor whose decision there on shall be final.

Provided further that where any such action taken by the Vice Chancellor affects any person in the service of the University, such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Governing Body and the Governing Body may confirm or modify or reverse the action taken by the ____ Chancellor.

5.6 If the opinion of the Vice Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Act, Statutes or Ordinances is likely to be prejudicial to the interests to the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of its decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or fails to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.

5.7 If at any time upon representation being made or otherwise, and after making such enquiries as may be deemed necessary, the Chancellor on the recommendations of the Governing Body may by an order in writing stating the reasons therein, ask the Vice Chancellor to relinquish his office ____ such data as may be specified in the order.

5.8 The Vice Chancellor may constitute such committees as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him or under the Act.

5.9 The Vice Chancellor may sanction an allowance to an employee of the University for any special duties assigned to such an employee or additional duties performed by him which in the opinion of the Vice Chancellor warrants such payments.

Provided that such allowance shall not exceed twenty percent of the basic salary of such employee.

5.10 The Vice Chancellor may sanction such posts as he deems necessary to help him in the discharge of his duties.

6.0 Appointment, Powers and Duties of the Registrar

6.1 The Registrar shall be appointed by the Vice Chancellor, based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose with the approval of the Chancellor.

6.2 The Selection Committee shall consist of the following members :

i) One Representative of the Vice Chancellor.
ii) One Representative of the Sponsoring Body, who is also a member of the Governing Body.
iii) One expert nominated by the Sponsoring Body, who is not in any way connected with the University.

6.3 The term of office of the Registrar shall not exceed 3 years.

6.4 The Registrar shall have such qualifications and experience and draw such emoluments as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

6.5 The Registrar shall undertake all such functions and responsibilities as may be specified by the Governing Body, the Board of Management and the Vice Chancellor.

6.6 The Registrar shall be the ex-officio non-member Secretary of the Board of Management and ex-officio Secretary of the Academic Council and such other authorities and bodies as may be constituted by or under the Act, the Statutes and the Ordinances as recommended by the Board of Management.

6.7 The Registrar shall report of the Vice Chancellor.

6.8 The following shall be the duties of the Registrar :

(i) To be the custodian of the records, common seal and such other property of the University as the Governing Body or the Board of Management shall commit to his charge.

(ii) To exchange the official correspondence on behalf of the authorities of the university.

(iii) To make Agenda and issue Notices of meetings of the authorities of the University and all Committees and Sub-Committees appointed by any of these authorities with the approval of the vice Chancellor.

(iv) To keep the minutes of the meetings of the all the authorities and Sub-Committee appointed by any of these authorities and circulated the same among the members, with the approval of the Vice Chancellor.

(v) To represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign powers of attorney and pleadings or depute as representatives for this purpose.

(vi) To sign contracts and documents and authenticate records on behalf of the University.

(vii) To submit information, reports and documents to the Government and liaise with the State Government, Central Government, University Grants Commission and other Government authorities.

(viii) To generally supervise the administrative functions of the University.

7.0 Appointment, Powers and Duties of the Controller of Examination :

7.1 The Controller of Examination shall be appointed by the Vice Chancellor on the recommendations of the Selection Committee appointed for the purpose.

7.2 The Selection Committee shall consist of :

7.2.1 The Vice Chancellor – Chairman

7.2.2 The Registrar

7.2.3 One Representative of the Sponsoring Body, who is also a Member of Governing Body.

7.2.4 One Representative of the Sponsoring Body, who is not in any way connected with the University.

7.3 The Controller of Examination shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

7.4 The Controller of Examination shall draw such salary, allowances and perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

7.5 The term of office and the conditions of appointment of the controller of Examination shall be laid down in the order of appointment issued by the Vice Chancellor.

7.6 The Controller of Examination shall report to the Vice Chancellor.

7.7 The following shall be the duties of the Controller of Examination :

7.7.1 He shall be fully responsible for the timely and smooth conduct of the combined entrance test and the end-semester/year examinations.

7.7.2 He shall lay down the guidelines for the setting up of the examination papers.

7.7.3 He shall appoint internal as well as external examiners through the Examination Committee for each subject and get at least 2 sets of question papers prepared well in advance.

7.7.4 He shall appoint a Moderation Committee and get all papers moderated before these are sent for printing.

7.7.5 He shall ensure strict security of the examination papers.

7.7.6 He shall ensure timely dispatch of answer books and admit cards to all examination centres.

7.7.7 He shall be responsible for getting the answer books evaluated in accordance wih the guidelines laid down by the paper setter.

7.7.8 He shall be responsible for getting the results complied accurately and declared on time.

7.7.9 He shall be responsible for re-evaluation of the answer books on request from the students for a fee as prescribed by the Board of Management.

8.0 Appointment, Powers and Duties of the Chief Finance and Accounts Officer.

8.1 The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Vice Chancellor based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose.

8.2 The Selection Committee shall consist of :

8.2.1 The Vice Chancellor - Chairman.

8.2.2 One Representative of the Chancellor.

8.2.3 One Representative of the Sponsoring Body who is also a Member of the Governing Body.

8.2.4 One Expert Nominated by the Sponsoring Body who is not in any way connected with the University.

8.3 The Chief Finance and Accounts Officer shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

8.4 The Chief Finance and Accounts Officer shall draw such salary, allowance as and be entitled to such perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

8.5 The term of office and the terms of appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be as mentioned in his order of appointment by the Vice Chancellor.

8.6 The Vice Chancellor may appoint a person to officiate as the Chief Finance and Accounts Officer, in the event of temporary absence of the Chief Finance and Accounts Officer.

8.7 The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise general supervision over the funds of the University and shall have such powers and responsibilities as may be delegated or assigned to him by the Board of Management or the Finance Committee.

8.8 The Chief Finance and Accounts Officer shall report to the Vice Chancellor.

9.0 Authorities of the University :

9.1 The Governing Body.

9.2 The Board of Management

9.3 The Academic Council

9.4 The Finance Committee

9.5 The Examination Committee

The powers and functions of the authorities will be as per the following paragraphs.

10.0 The Governing Body :

The Governing Body shall be the supreme authority of the University.

10.1 Constitution of the Governing Body :

The Governing Body shall consist of the following members :

10.1.1 The Chacellor

10.1.2 The VIce Chancellor

10.1.3 Three Persons nominated by the Sponsoring Body

10.1.4 One Representative of the State Government.

10.1.5 One Educationist of repute to be nominated by the State Government.

10.1.6 One Academician to be nominated by the Visitor.

The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body

10.2 Term of the Governing Body

The Members of the Governing Body shall have a term of 4 years.

10.3 Disqualifications of the Members of the Governing Body

The Members of the Governing body shall cease to be the Member under the following circumstances :

10.3.1 If the member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

10.3.2 If the act and conduct of a member is detrimental to the interest of the University, the Sponsoring Body shall have the powers to replace or recall any such member in consultation with the nominating authority.

10.4 Powers and Functions of the Governing Body

10.4.1 The Governing Body shall have the following powers.

(i) To appoint the Director, to coordinate the functions and activities of the Deans of Schools, Colleges and Study Centres and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice Chancellor.

(ii) To appoint all Deans and Administrator(s).

(iii) To appoint Auditors of the University.

(iv) To oversee the performance and review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the Act; Rules, Statutes or Ordinances.

(v) To approve the Annual Report and Accounts of the University.

(vi) To lay down the policies of the University.

(vii) To take decision about the voluntary liquidation of the University.

(viii) To delegate such powers as it may deem fit to the Board of Management and other authorities or officers of the University.

10.4.2 The Governing Body shall perform such other functions and have such other powers as are not otherwise provided for and are necessary for proper functioning and administration of the University.

10.5 Reserved Powers of the Governing Body

10.5.1 In case any deadlock in the functioning of the Board of Management

And if in the opinion of the Governing Body the business of the University cannot be transacted in the normal course, the Governing Body shall have the powers to do all necessary things ncluding superseding the Board of Management and forming a new Board to facilitate smooth functioning of the University.

10.5.2 The Governing Body may also exercise the reserved powers suomoto or as and when a written report is submitted by any officut or authority of the University to the Chancellor or the Vice Chancellor about the deadlock in the functioning of the Board.

10.5.3 Upon receipt of such a report the Chancellor or the Vice Chancellor shall convene a special meeting of the Board within 5 working days for restoration of normally of operations.

10.5.4 The decisions taken by the Governing Body implemented by the Officers under the clause shall be final and binding on all Members of the Board and on all the Members of the Governing Body.

10.6 Meeting of the Governing Body

10.6.1 The Governing Body shall meet at least twice in a calendar year, on any working day, at the headquarters of the University or at any other location(s) as agreed to by majority of the Members.

10.6.2 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and shall preside over the meetings of the

10.6.3 A notice of 07 days shall be given to the Members stating the agenda for the meeting. A notice of less than 07 days may be considered sufficient if majority of the members agree of such a shorter notice

10.6.4 The quorum of the meeting shall be 5 Members present in person.

10.6.5 Each Member of Governing Body including the presiding officer shall have on vote and decisions at the meeting shall be adopted by simple majority.

10.6.6 The presiding officer of the meeting shall cause the minutes of the meeting to be recorded and circulated to the members within a period of one month form the date of such a meeting.

10.7 Extraordinary Meeting of the Governing Body

10.7.1 In the event of exigency, the Chancellor and the Vice Chancellor may call for an extraordinary general meeting of the Governing Body.

10.7.2 The Sponsoring Body, may in the event of exigency and/or .... interest of the administration of University, in consultation with the Chancellor or the Vice Chancellor call for an extraordinary meeting

of the Governing Body by circulating a resolution amongst the Members.

10.7.3 The Chancellor or the Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Governing Body by circulating appropriate resolution among its members any such resolution so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Governing Body.

11.0 The Board of Management

The Board of Management shall be he principal executive body of the University.

11.1 Constitution of the Board of Management.

11.1.1 Following Members shall constitute the Board.

(i) The Vice Chancellor (Ex-Officio).

(ii) Two Nominees of the Sponsoring Body.

(iii) One Representative to be nominated by the State Government.

(iv) Senior most Professor of the University to be nominated by the Vice Chancellor.

11.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board and the Registrar shall be the non-member Secretary.

11.1.3 The Vice Chancellor shall preside over the meetings of the Board and in the absence of the Vice Chancellor one of the Nominees of the Sponsoring Body shall conduct the proceedings of the meeting.

11.1.4 The tenure of he Members of the Board of Management shall be three years, except in the case of Ex-Officio members.

11.2. Disqualifications of the Members of the Board.

The members of the Board of Management shall cease to be the members under the following circumstances:

11.2.1 If the individual member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

11.2.2 If in the opinion of the Chancellor, a Member of the Board acts in a way detrimental to the interests of he University, the Chancellor may in consultation with the nominating authority ask such member to relinquish his office form such date as may be specified.

11.3 Meetings of the Board:

11.3.1 The Board of Management shall meet as often as necessary, and at least once in three calendar months.

11.3.2 The meetings shall be convened by the Registrar.

11.3.3 A notice of 07 days shall be given for the meeting provided that an emergency meeting may be convened at the discretion of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 02 days.

11.3.4 The quorum of the meeting shall be 3 members present in person.

11.3.5 Each member of the Board including the Chairman/Presiding Officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be taken by simple majority. In case of a tie, the presiding officer shall ex......... casting vote.

11.3.6 The Registrar shall cause recording of minutes of the meeting, with the approval of the Vice- Chancellor and circulate them to the member concerned within a period of one month form the date of conduction of the meeting.

11.3.7 The Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Board by circulating appropriate resolution among its Members and any resolution so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Board.

11.4 Powers and Functions of the Board of Management

The Board of Management shall have the powers to take all the necessary decisions for smooth and efficient functioning of the University. The Powers shall interalia include but not be limited to the following.

11.4.1 Staffing:

11.4.1.1 To manage and administer all revenues and properties of the University and to conduct all administrative affairs of the University not otherwise specifically provided for.

11.4.1.2 To create teaching, academic, administrative, ministerial and other necessary posts and to decide on the number, qualifications and cadre thereof, and to determine the emoluments for such posts in consultation with the Finance Committee.

11.4.1.3 To appoint Directors, Associate Directors, Principals, Vice Principals, Deans, Associate Deans, professors, Associate Professors, Assistant Professors, Senior Lecturers, Junior Lecturers; Operational Staff, Administrative, Ministerial and other Staff as may .... recommendations of the Selection Committee.

11.4.1.4 To lay down rules in respect of emoluments and duties of the various academic and non-academic staff recruited by the University.

11.4.1.5 To lay down rules for appointment of Visiting Fellows, Visiting Professors, Professor Emeritus, Consultants, Scholars and determine their terms and conditions of such appointments.

11.4.1.6 To appoint internal auditors to undertake audertake audit of the variours functions of the University.

11.4.2 Academic Matters

11.4.2.1 To generally lay down, in consultation with the Academic Council, the academic \policies, education and teaching standard and .... relating to students' admission, examinations and award of degree.......... diplomas and certificates and other academic awards of distinctions.

11.4.2.2 To establish, on the advice of the Academic Council, Schools and Colleges specific to a discipline of Higher Education and to allocate areas of Study, Teaching and Research to them.

11.4.2.3 To institute Fellowships, Scholarships, Studentships, Medals and Prizes in accordance with the Regulations.

11.4.2.4 To lay down rules regarding the emoluments and travelling and other allowances o examiners appointed or examination, tabulation and such other personnel appointed or examination, in consultation with the Academic Council and the Finance Committee.

11.4.2.5 To acquire intellectual property rights, copyright, trade marks and the like from any institution or organisation, on such terms and conditions as the Board may determine, and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable.

11.4.3. Finance:

11.4.3.1 To consider the budget as recommended by the Finance Committee and to approve the same with or without modifications.

11.4.3.2 To mange and administer the revenues, regulate the finance, accounts, investments, property and all other administrative .... of the University and for that purpose appoint such agent(s)/representative(s)/consultant(s) it may deem fit.

11.4.3.3 To open account(s) of the University with any one or more nationalised/scheduled banks and to lay down the procedure for operating the same.

11.4.3.4 To draw, accept, make endorse, discount and negotiate securities the Government promissory notes, Bills of exchange, Cheques or other negotiable instruments.

11.4.3.5 To receive and give grants, donations, contributions, gifts, prizes, scholarship, fees and other moneys.

11.4.3.6 To purchase, take on lease, accept as gift or otherwise any land or buildings or work which may be required for the purposes of the University on such terms and conditions as deemed appropriate and to construct or alter and maintain any such buildings or works.

11.4.3.7 To transfer or accept transfers of any moveable property on behalf of the University.

11.4.3.8 To advise the Sponsoring Body on matters regarding acquisition, management and disposal of any immovable property on behalf of the University.

11.4.3.9 To execute in consultation with the Sponsoring Body, Conver.................... transfer, reconveyances, mortgages, leases, bonds, licenses and agreements in respect of property, moveable or immovable, belonging to the University or to be acquired for the purposes of the University.

11.4.3.10 To provide building(s), premises, furnitures, fittings, equipments, appliances and other facilities required for smooth functioning of the University.

11.4.3.11 To appoint, in order to execute an instrument or transact any business of the University, any person as attorney of the University with such powers as it may deem fit.

11.4.3.12 To invest the funds of the University or money entrusted to the University, in such securities and in such manner as it may .... and from time to time transpose any investment.

11.4.3.13 To raise and borrow notes or other obligations of securities in consultation with the Sponsoring Body by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay out of the funds of the University, all expenses, ... to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed.

11.4.3.14 To establish, maintain and operate the General Fund as stipulated in Section 7 and 8 of the Act and Section 22.0 of these First Statues.

11.4.3.15 To maintain proper accounts and other relevant records and prepare Annual Statements of Accounts including the Balance Sheet for every previous financial year, in such form as may be prescribed by the Regulations and submit the same to the Governing Body for their approval.

11.4.3.16 To fix limits of the total non-recurring expenditure for a year on the recommendations of the Finance Committee.

11.3.4. Students' Affairs:

11.4.4.1 To regulate and enforce discipline among the students of the University and to take appropriate disciplinary action wherever necessary.

11.4.4.2 To entertain and adjudicate upon appeals and grievance of the students of the University through Committees set up for the purpose

11.4.4.3 To establish and regulate the maintenance of hostels for the students for the University an recognise hostels established by outside parties on the basis of the recommendations of a committee established for the purpose.

11.4.5 Administrative and Legal Matters:

11.4.5.1 To enter into, vary, carryout and cancel contracts on behalf of the University and to do all such acts as are necessary to raise .... for furthering the objectives of the University.

11.4.5.2 To grant leave of absence to any officer of the University other than the Chancellor and the Vice Chancellor and to make necessary arrangements for discharge of the functions of such officers during their absence.

11.4.5.3 To regulate and enforce discipline among the emp loyees of the University and to take appropriate disciplinary action whenever necessary.

11.4.5.4 To entertain, adjudicate upon and if considered fit, to redress any grievances of the employees of the University, whom may, for any reaso fall aggrieved.

11.4.5.5 To select an emblem and to have a common seal for the University and to provide for the custody and use of such seal.

11.4.5.6 To conduct inspections and enquiries in various departments, centres, institutions, and affiliated colleges of the University and initiate corrective action wherever needed.

11.4.6 Formation of Committees:

The Board of management may form such Committees for such purposes and with such powers as the Board may deem fit and coopt such persons on these committees as it thinks fit.

12.0 De legation of Powers:

The Governing Body and the Board of Management may by a resolution, delegate the Vice Chancellor, the Registrar, the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, such of its powers as it may deem fit-subject to the condition that the action taken by the Vice Chancellor or the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, or any of their Officers to whom such powers are delegated, shall be reported at the next meeting of the Governing Body and the Board of Management.

13.0 **The Academic Council:**

The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of the Act, the Statues, the Ordinances and the Regulations, coordinate and exercise general control and supervision over the academic policies and programmes of the University and be responsible for the maintenance of standards of the University and be responsible for the maintenance of the standards of education, teaching and training, interdepartmental coordination, research, examination and tests within the University.

13.1 **Constitution of the Academic Council:**

13.1.1 The Academic Council shall consist of the following members

(i) The Vice Chancellor-Chairman

(ii) The Registrar- Non Member Secretary

(iii) Deans/Associate Deans of various Schools/Colleges of the University and its Study Centres.

(iv) Three Faculty Members to the nominated by the Vice Chancellor.

(v) Three outside experts nominated by the Vice Chancellor

13.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Vice Chancellor.

13.1.3. The term of the Members of the Academic Council other than the ....Officio Members shall be two years. However, in the case of the employees of the University, the term shall end immediately after their relinquishing their office at the University .

13.1.4 Subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances and the Regulations, the Academic Council shall have the powers to control, regulate and maintain the standards of education, instruction and examination of the University and shall exercise such other powers and functions as may be conferred or imposed upon it by this Act, Statues or the Ordinances.

13.1.5 The Vice Chancellor may invite such other persons as he may deem fit, to attend the meetings of the Academic Council from time to time. However, the invitees shall not be eligible to vote on any of the resolutions of the Academic Council .

13.2 **Disqualification of the Members of the Academic Council:**

13.2.1 Where a person has become a Member of the Academic Council by reason of the office of appointment he holds, his membership shall terminate when he ceases to hold that office or appointment.

13.2.2 A member of the Academic Council shall cease to be a member in the following circumstances also:

(i) If the member resigns form the Academic Council.

(ii) If the member becomes mentally unsound.

(iii) If the members had been convicted a criminal offence involving moral turpitude or any other reason, and a higher court has not stayed such conviction.

(iv) If the member fails to attend three consecutive meetings of the Academic Council without leave from the Chairman.

13.3 Meetings of the Academic Council:

13.3.1 The Academic Council shall meet as often as may be necessary.

13.3.2 One third of the total members of the Academic Council shall constitute the quorum of the meeting of the Academic Council .

13.3.3 Resolutions of the Academic Council may be passed through circulation among all the members, except in classes where such Resolution are required to be passed at a meeting. The resolutions so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such Resolution had been passed in the meeting of the Academic Council, provided that at least one half of the total number of the members of the Academic Council have recorded their views on the Resolution.

13.4 Functions and Powers of the Academic Council:

Subject to the provisions of the Act, Statutes and the Ordinances, the powers of the Academic Council shall include, interalia, the following.

13.4.1 To exercise general supervision over the academic work of the University and to give direction regarding methods of instructions, evaluation research and improvement in the academic standards.

13.4.2 To report and act on any matter referred to or delegated to it by the Board.

13.4.3 To formulate different courses and programmes to be imparted to the students of the University.

13.4.4 To lay down the curriculum and frame syllabus for any of the courses and programmes offered by the University, and publish text books and other instructional material for the same.

13.4.5 to innovate, constantly upgrade and improve the syllabus to include emerging and futuristic technologies.

13.4.6 To make recommendations to the Board, with regard to creation, abolition or classification of teaching posts in the University and the emoluments and the duties attached thereto.

13.4.7 To formulate and modify or revise schemes for the organisation of the faculties, colleges and schools and to assign to such faculties schools and colleges, their respective subjects

and also to report to the Board as to the expediency of the abolition or division or combination of one faculty, college and school with another.

13.4.8 To make regulations for lateral entry of students from other Universities/Boards of Technical Education of Indian or Foreign Origin.

13.4.9 To promote research activities and programmes, and to ask for, from time to time, reports on such research activities and programmes from faculties, colleges and schools.

13.4.10 To consider proposals submitted by the faculties, schools and colleges relating to instructions, teaching facilities, etc.

13.4.11 To appoint Committees for admission of students to the University.

13.4.12 To recognise Diplomas and Degrees of other Universities and institutions located in India and abroad and to determine their equivalence in relation to the Diplomas and Degrees of the University on reciprocal basis in consultation with the Association of Indian Universities (AIU).

13.4.13 To make regulations for awarding admission to Secondary, Post Secondary, Under-Graduate, Graduate, Post-Graduate and Doctoral programmes of the University to such candidtes who do not posses formal University/Technical Education Board/Secondary Board of Education qualification otherwise mandatory for admission to such courses but have the prescribed age, quantifiable knowledge, skills and competencies in the related discipline.

13.4.14 To approve conferment of degrees, honours, diplomas, licenses, titles and marks of honour on the basis of the results declared.

13.4.15 To make guidelines for the award of fellowships, stipends, scholarship, medals and prizes, etc. And empower the Vice Chancellor or any other officer of the University to approve the eligible candidates for such awards.

13.4.16 To prepare such forms and registers as are, from time to time, prescribed by regulations and to perform, in relation to academic matters, all such duties and to do all such acts, as may be necessary, for the purposes of the provisions of the Act, Statues, Ordinances and/or the regulations.

13.4.17 To make recommendations to the Board of Management on:

(i) Measures for improving standards to teaching, training, research and aminations.

(ii) Institution of Fellowships, Exchange Programmes, Scholarships, Medals, Prizes etc.

(iii) Regulation covering the academic functioning of the University and its departments, colleges and institutions, discipline, residence, admissions, examinations, award of felloship and studentship, freeship, concessions,

attendance, etc. And submit the same to the Board of Management for approval.

13.4.18 To suggest measures for departmental co-ordination.

13.4.19 To appoint Committees consisting of such members as the Academic Council may deem fit to deal with any of the matters ordinarily dealt with by the Academic Council.

13.4.20 To approve new courses not being offered by the University.

14.0 The Board of Advisors

The Governing Body may by a resolution constitute a Board of Advisors. The Board of Advisors will render advice to the Governing body as also the Board of Management in managing the affairs of the University and enhancing its academic standards. The members of University and enhancing its academic standards. The members of the Board of Advisors shall consist of eminent educationists, industrialists and public figures besides selected members drawn from the Governing Body and the Academic Council and the schools, colleges and the study centres of the University in India and abroad.

15.0 Examination Committee

15.1 The Vice Chancellor shall constitute an Examination Committee for the purpose of recommending suitable persons for appointment as examiners for various examinations and for suggesting evaluation methods for each subject.

15.2 The Examination Committee shall consist of :

(i) The Vice Chancellor- Chairman

(ii) Controller of Examination – Member Secretary

(iii) Two Professors from the College/School of the University.

(iv) One Expert nominated by the Chancellor.

15.3 The Examination Committee shall recommend a panel of Examiners for each subject of the courses of study to the Vice Chancellor.

15.4 The Vice Chancellor shall ordinarily appoint Examiners from the panel recommended by the Examination Committee. He may appoint examiners outside the panel, if he deems it fit and necessary.

16.0 Results Committee

16.1 The Vice Chancellor shall constitute a Results Committee to approve the results of various examinations before they are declared.

16.2 The Results Committee shall consist of :

(i) Vice Chancellor – Chairman

(ii) Deans of Colleges/Schools of the University.

(iii) One Expert nominated by the Chancellor.

(iv) The Registrar.

(v) The Controller of Examination – Member Secretary.

17.0 The Finance Committee and its Constitution:

The Governing Body shall appoint the Finance Committee

The Finance Committee shall consist of the following members:

(i) The Vice Chancellor

(ii) The Chief Finance and Accounts Officer.

(iii) Three Nominees of the Sponsoring Body.

The vice Chancellor shall be the Chairman of the Committee and in his absence, one of the nominees of the Sponsoring Body shall preside over the meetings of the Committee.

17.1 Meetings of the Finance Committee

17.1.1 The Committee shall meet as often as necessary.

17.1.2 One third of the Members of the Committee shall constitute the quorum .

17.1.3 The Chief Finance Officer shall call the meeting of the Finance Committee with the approval of the Vice Chancellor.

17.2. Powers and Functions of the Finance Committe:

17.2.1 To make recommendations on the all financial matters to the Board.

17.2.2 To consider all proposals for capital expenditures and to make recommendations to the Board.

17.2.3 To examine the annual accounts of the University and advise the Board.

17.2.4 To examine the annual budget estimate and advise the Board thereon.

17.2.5 To review the financial position of the University periodically and recommend to the Board any action to be taken.

17.2.6 To keep a constant watch on the state of cash and bank balances and on the state of investments.

17.2.7 To ensure that the limit fixed by the Governing Body for recurring and non-recurring expenditure for a year are not exceeded and that all moneys are spent for the purpose for which they have been granted/allotted.

17.2.8 To review the internal controls and act on the comments of the internal auditors.

17.2.9 To make recommendations to the Board on all proposals involving the raising of funds, receipts and expenditure.

17.2.10 To determine and fix the fee payable by the students of the University and lay down the procedure thereof.

17.2.11 To fix the basis for charging consultancy and other fee to be charged by the University.

17.2.12 To generally perform and act on any of the activities that may be delegated by the Board or the Governing Body.

17.2.13 To recommend to the Board appropriate action against person(s) responsible for nauthorised expenditure and any financial irregularity.

17.2.14 To hold and manage the property and investments of the University including endowed property.

17.2.15 To ensure that the registers of the buildings, land, furniture and equipments are maintained up to date and that the stock taking is carried out periodically.

18.0 Selection Committee

18.1 The Board may appoint a Selection Committee to recommend names of the persons for the posts of Professors, Associate Professors, Assistant Professors, and such other academic posts as may be prescribed by the Board of Management.

18.2 The Selection Committee so appointed shall consist of:

(i) Three experts in the relevant disciplines nominated by the Chancellor.

(ii) One nominee of the Board of Management not connected with the University and not below the rant of a professor.

(iii) Dean of the Faculty.

(iv) The Vice Chancellor – Chairman.

19.0 Constitution of Standing Committee and Adhoc Committee

19.1 The Governing Body and/or the Board of Management may, by a resolution in a duty conducted meeting appoint a Standing committee or an Adhock Committee and/or Enquiry Committee by defining-

(i) The purpose of appointment.

(ii) The constitution

(iii) The tenure of the Committee

(iv) The financial budget.

(v) The procedure to be adopted.

(vi) The rights and obligations of the Committee

(vii) The facilities to be acquried and

(viii) Other matters relevant or incidental to complete the purpose for which it is ppointed.

19.2 The Committee so appointed shall exercise their powers and functions with in the delegated authority. Neither the University nor the Governing Body, nor the Board of Management shall be accountable for the authority of powers used outside the scope of delegation by such Committees.

19.3 Such Committees shall be automatically dissolved on the completion of their tenure or after completion of the tasks assigned to them by the authority appointing them unless extension in the tenure is granted by the said authority.

20.2 Advisory Committee

20.1 The Governing Body may appoint an Advisory Committee of the purpose of rendering advice to it and the Board in matter relation to the conduct of the affairs of the University or for such other purposes as it may prescribed form time to time.

The Advisory Committee shall consist of eminet people and also include the members of the Governing Body and the Representatives from Schools, Colleges and Study Centres of the University.

20.2 The Board may direct the Academic Council, Finance Committee and / or any other Committees set up under the Act or these Statutes to follow the recommendations of the Advisory Committee.

20.3 The Board shall define the functions and powers while establishing such Committees.

21.0 Service Conditions for Faculty Members, Officers and other Employees.

21.1 The Board shall formulate the terms and conditions of appointment and service of Faculty Members, Officer s and Employees.

21.2. The Registrar shall issue the appointment letters to Faculty Members, Officers and Employees in accordance with the policies and procedures as formulated by the Board.

22.0 General Fund

The University shall establish a fund which shall be called the General Fund to which shall be credited the following namely:

22.1 Fees and other charges received by the University.

22.2 Any contribution made by the Sponsoring Body.

22.3 Any income received from consultancy and other work undertaken by the University in pursuance of its objectives.

22.4 Trusts, bequests, donations endowments and any other grants

22.5 All other sums received by the University

22.6 The General Fund shall be used for the purposes enumerated in the Act.

23.0 Budget

23.1 The Chief Finance and Accounts Officer, with the approval of the Finance Committee, base on the proposed budgets received from different colleges, institutes of the University shall prepare an annual budget for the forthcoming financial year, and submit at least two months before the beginning of financial year to the Board for the purposes of approving the same. The Board, upon the merits may suggest modifications, alternations or additions or approve the same with or without modifications and such approved budget will be the annual budget of the University for the year

23.2 No expenditure other than that provide in the budget shall be incurred by the colleges and institutes of University without the approval of the Finance Committee.

23.3 The Finance Committee may consider any revision of the Budget based on the recommendation of the Chief Finance and Account Officer and shall place the same for rectification by the Board, at a subsequent meeting of the Board.

24.0 Accounts and Audit

24.1 The accounting year of the University shall be form 1st April of year to 31st march of the following year.

24.1 The accounts of various institutions, schools, colleges and campuses of the University shall be consolidated by the Chief Finance and Accounts Officers who shall prepare the final annual accounts, consisting of the Income and Expenditure Account and the Balance Sheet of the University and place the same before the Finance Committee for their comments. The appropriation or absorption of excess of expenditure and income shall be decide by the finance Committee. The accounts will thereafter be adopted by the Board after which they will be audited by the Auditors appointed by the Governing Body.

24.3 All the assets of the University shall be maintained in the name of the University and shall be used for the settlement of liabilities at the time of liquidation or closure of the University under Section 33 and 34 of the Act.

24.4 The accounts of the University shall be open to examination by the Chancellor, Vice Chancellor, Registrar, Auditor of the University and any other person authorised by the Governing Body or the Sponsoring Body for the purpose.

24.5 Every Balance Sheet and Income and Expenditure account of ht University shall comply with the relevant accounting standard as may be prescribed by the Government of India in consultation with the National Advisory Committee on Accounting Standards

24.6 The Vice Chancellor shall place the audited financial statements before the Governing Body, alongwith the report of the Auditors for information.

24.7 The Chief Finance and Accounts Officer, thereafter along with the Annual Report of the University, shall submit such financial statements to the Visitor and the State Government as provide under section 30 of the Act.

25.0 Arbitration in case of Disputes

25.1 The Chancellor shall be responsible for resolution of disputes and grievances between the teachers, officers other emp loyees and the students of the University.

25.2 The Vice Chancellor may delegate the responsibility for arbitration to the Registrar of the Deans as he may deem fit.

25.3 Any person who is aggrieved of the decision of the Vice Chancellor may appeal to the Chancellor within 15 days of communication of the decision by the Vice Chancellor.

25.4 Where it is found necessary, the Chancellor may appoint an Arbitration Committee to arbitrate such disputes and grievances with such constitution and such powers as he may deem fit.

25.5 The procedures for arbitration of disputes shall be laid down by the Board.

26.0 Regulations and Manuals

26.1 Save as otherwise provided in the act, and the Statutes, the Board may make Regulations as empowered under Section 37 of the Act, to conduct the business of the University and attain the objectives for which it is established. The Regulation may interalia relate to the following:

26.1.1 Establishment of Schools/ Colleges / Faculties and Halls of Residence.

26.1.2 The Courses of Study to be laid down for all degrees, diploma and certificates of the University.

26.1.3 The grant of academic award and distinctions.

26.1.4 Number of seats indifferent programmes of the University, not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose

26.1.5 Reservation of seats in different programmes of the University not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose

26.1.6 Admission of the students and their enrolment

26.1.7 Fee and other charges payable by the students

26.1.8 Examination and Student Assessment.

26.1.9 Award of Scholarship, bursaries, fee waivers, etc. to students.

26.1.10 Discipline of students and staff.

26.1.11 Resolution of disputes among students and staff and procedure for arbitration.

26.1.12 Conferment of Honorary degrees to distinguished persons.

26.1.13 Finance and administration of the University.

26.2 The Board may appoint and Ad-hoc Committee to draft he Regulations and to prepare manuals for different departments/ functions of the University.

26.3 The Committee appointed above, shall have such members as nominated by the Board and perform all the functions as required under the order of appointment/ constitution.

26.4 On satisfying themselves on the Regulations made out by the Committee appointed for the purpose, the Board may adopt them for the University.

26.5 Each and every authority and officer, teaching and non-teaching staff, members of the Committees and students are b0und to adhere to the provisions and procedures laid down in the manual of instructions drafted for the purpose.

26.6 The board shall have right to alter, amend, frame new rules and regulation which are not inconsistent with the provisions of the Act for the purpose of conducting the activities of the University for which it is established.

26.7 The establishment of Distance Education Study Centres, Academic Centres, Examination Centres, etc.

26.8 The Creation, composition and functions of any Committee or Body, which is considered necessary for the work of the University.

26.9 The preparation and submission of budget estimate.

26.10 The procedure for convening a meeting of any authorities and the conduct of the same.

27.0 Subsequent Statutes

The Governing Body may make, amend, alter, modify these First Statutes and the Ordinances as required for the administration of the University and submit the same to the Government for approval as per provision of the Act.

28.0 Ordinances

The Vice Chancellor of the University shall cause the Ordinances of the University to be made as per the provisions of Sections 27 of the act and shall submit the same to the Government for its approval. He shall carry out the necessary changes in the Ordinances,

as suggested by the Government, shall table the Ordinances after their due approval by the Government in the next meeting of the Governing Body. The Vice Chancellor shall follow similar procedure while making may modifications to the Ordinances, or for introducing new Ordinances.

29.0 University to the be open to all Classes, Castes and Creed

29.1 The University shall be open to all persons irrespective of sex, caste, creed religion, race or class or place of domicile or nationality and it shall not be lawful for the University to adopt or impose on any person any test whatsoever of religious belief or any profession in order to entitle him to be appointed as a Teacher of the University to hold any other office therein or to be admitted as a student in the University or to graduate there at or to enjoy or exercise any privilege there of;

29.2 Notwithstanding any thing containe in clause(a), the University shall make special provisions in the Regulations for the employment or profession of educational interests of women, persons with disability or of persons belonging to the weaker sections of the Society and in particular of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other Backward Classes as may be directed by the State Government form time to tim.

30.0 Interpretation

30.1 In the event of conflict of opinion with regard to the interpretation of the Statutes, Ordinances and Regulations, the provisions of the Act shall prevail.

30.2 The decision of the Government on interpretation shall be final and binding.

रायपुर, दिनांक 10 नवम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-212/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत अन्ना टेक्नॉलाजिकल यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 30 (तीस) प्रथम संविधयां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

ANNA TECHNOLOGICAL UNIVERSITY

Estalished under Section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman). Adhiniyam, 2002 (Chhattisgarh Adhiniyam No. 2 of 2002), vide Notification of the Government of Chhattisgarh No. F. 73/212/HE/38, Dated 10.10.2003.

FIRST STATUTES

Made in accordance with the provisions in Section 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These Statutes shall, here-in-after be called, The First Statutes of the Anna, Technological University 2003.

1.2 These First Statutes are applicable to Anna, Technological University and any matter relating and incidental thereto.

1.3 These First Statutes shall come into force on the date of publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of Anna, Technological University shall be located at SM-7, Avanti Vihar, Phase-1, Raipur

2.0 Definitions (in alphabetic order)

In these First Statutes unless and otherwise the context demands :

2.1 **Academic Centres** means Distance Education Academic Centres approved by the University for imparting education in formal/nonformal mode in respect of any or all courses offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such centres shall be designated as Distance Education Academic Centres (DEAC). Such Centres shall function independently within the framework of the University norms.

2.2 **Academic Council** means the Academic Council constituted under Section 22 of the Act and under Section 13.0 of these First Statutes.

2.3 **Academic Staff** means such categories of staff as are designated as academic staff by the ordinances.

2.4 **Academic** Year ordinarily means the period from 01 July of any year to 30th June and from 01 January to 31 December of the following year or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

2.5 Act means, the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

2.6 **Ad-hoc Committee** means a committee constituted under the Section 19.0 of these First Statutes.

2.7 **Administrator** means the officer appointed by the Governing Body

to exchange correspondence on behalf of the University, to sign and authenticate records on behalf of the University, to obtain reports and returns from Colleges and Schools of the University and to liaise with the State Government, UGC and other State Authorities, to generally supervise the administrative functions of the University and to manage the office of the Registrar in his absence.

2.8 **Affiliation** means and includes together with its grammatical variations in relation to all institutions, colleges and schools, recognition of such institutions, colleges, schools by association of such colleges and schools with, and admission of such schools, colleges, institutions to the privileges of a University. These institutions, schools and colleges may be located in or outside the State of Chhattisgarh which includes outstation and foreign countries.

2.9 **Authorities** means authorities mentioned under Section 19 of the Act, and Section 9.0 of these First Statutes.

2.10 **Board** means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and Section 11.0 of these First Statutes.

2.11 **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects constituted by the Academic Council.

2.12 **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and Section 4.0 of these First Statutes.

2.13 **Committee** means all committees constituted under Sections 15, 16, 17, 18, 19 and 20 of these First Statutes.

2.14 **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

2.15 **Courses** include programmes and courses of studies imparted in the formal mode and/or in the non-formal/distance education mode in the institutions, colleges, schools and/or Study Centres of the University.

2.16 **Dean (College)** means the person responsible for the upkeep, development and proper utilization of infrastructural facilities of the respective school/college and fulfil the academic requirements of the system.

2.17 **Dean (Planning and Monitoring)** means the person responsible for the preparation, monitoring and implementation of the plans of the University.

2.18 **Dean (Research)** means the person responsible for the execution and monitoring of the research schemes formulated and approved by the University Research Board.

2.19 **Dean (Students Welfare)** means the person responsible for looking after the campus amenities and general welfare of the students of schools and colleges of the University.

2.35 Rules means the Rules made under Section 36 of the Act.

2.36 Sponsoring Body means the Institute of Ecology and Environment Society. registered under the provisions of Chhattisgarh Societies Registration Act. 1973

2.37 Staff means the teaching and non-teaching employees of the University who are on the payroll of the University and does not include any casual, temporary, contractual, adhoc employees or visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

2.38 States means the States of India.

2.39 Statutes means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Statutes

2.40 Student means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University or Institutes, Study Centres, Academic Centres and Colleges affiliated and/or associated to the University.

2.41 Study Centres means Distance Education Centres approved by the University under the advice of the Governing Body for imparting education in non-formal and distance mode in respect of any or all courses offered by the University and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such Study Centres for convenience may be designated as Delhi Campus, Mumbai Campus, Bangalore Campus, Hyderabad Campus, Patna Campus, Pune Campus, Gurgaon Campus, Noida Campus, Kolkata Campus, London Campus, Oxford Campus, Cambridge Compus and likewise.

2.42 I ANNAA TECHNOLOGICAL UNIVERSITY established under Section 5 of the Act and will have the same meaning as stated in Section 2 (f) of the University Grants Commission Act 1956 as amended from time to time.

2.43 Vice Chancellor means the Vice Chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act and Section 5.0 of these First Statutes.

2.44 Visitor means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

3.0 Objects of the University The objects of the University are listed in succeeding paragraphs :

3.1 To provide for instructions in all branches of learning in Higher Education as the University may consider appropriate and to make provision for research, advancement and dissemination of knowledge.

2.20 **Dean (Discipline)** means the person responsible for maintaining the discipline amongst the students of schools and colleges of the University.

2.21 Director means the officer appointed by the Governing Body for coordinating the functions and activities of the Dean of schools, colleges and study centres and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice Chancellor.

2.22 Distance Education means the education/courses/programmes offered to the students on off campus mode. It includes system of imparting education through any means of communication such as providing printed lessons. broadcasting, contact programmes, internet, e-learning or the combination of any two or more of such means.

2.23 Employee means and includes and person appointed by the University.

2.24 Finance Committee means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act of Section 17.0 of these First Statutes.

2.25 Financial Year means the period commencing on the 1st April of any year and ending with 31st March of the following year or any period as prescribed by the Governing Body.

2.26 Fund means the General Fund established under Section 7 of the Act and Section 22.0 of these First Statutes.

2.27 Government means the Government of the State of Chhattisgarh.

2.28 He includes she and His includes Her.

2.29 Institute means and includes institute, institution, schools and colleges constituted as part of the University to impart education in specified disciplines located within or outside the State of Chhattisgarh in India and/or Abroad.

2.30 Main Campus means the campus of the University, Colleges and Schools located at Nagpura, Durg, Bhilai, Raipur in particular and the adjoining districts in general.

2.31 Manual of Instructions includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities, Officers of the University for the purposes of smooth functioning of the University.

2.32 Ordinance means ordinances issued by the University as prescribed by Section 25 of the Act.

2.33 Planning Committee means the planning committee of the University.

2.34 Regulations means Regulations made under Section 37 of the Act.

3.2 To establish main campus in the State of Chhattisgarh and to affiliate Institutions, approve Study Centres, Academic Centres and Off-Campus Institutions at different locations in India and abroad.

3.3 To create higher levels of intellectual abilities.

3.4 To institute degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions on the basis of assignments and examinations, or any other mode of evaluation and assessment as laid down by the Academic Council.

3.5 To withdraw degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions for good and sufficient cause as recommended by the Academic Council.

3.6 To offer continuing and distance education programmes.

3.7 To ensure that the standard of the degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions are not lower than those laid down by the related regulatory bodies and authorities.

3.8 To encourage and promote research activities and set up centres of excellence for pure and applied research and development, and institute awards and fellowships for undertaking research at University as well as at other Institutions/Centres of the University in India and abroad.

3.9 To affiliate, recognize or collaborate with any other college, university, research institution, industry association, professional association or any other organisation in India or abroad to conceptualize, design and develop specific educational and research programmes, training programmes, exchange programmes and any such other programmes which the University may consider appropriate for students, faculty members and others.

3.10 To undertake surveys, studies and consultancy for any organisation in India or abroad.

3.11 To undertake programmes for the training and development of faculty members of the University and other institutions in India or abroad.

3.12 To undertake collaborative research with any organisation in India or abroad and undertake commercialisation of technologies.

3.13 To develop, register and license all forms of Intellectual property rights including trademarks, copyrights, know-how and patents, etc.

3.14 To conceptualise, design, develop and commercialise various products, equipments and machinery as part of the research and development activity.

3.15 To establish State-of-the-art facilities for the promotion and advancement of education, training and research activities.

5

3.16 To establish Examination Centres within and outside Chhattisgarh in India as well as in other countries.

3.17 To confer Honorary degrees and other academic distinctions in the manner laid down in the Statues.

3.18 To encourage sports, cultural, extra curricular and co-curricular activities for the students and the staff.

3.19 To do all things necessary to promote the above objectives.

3.20 To pursue any other objective as may be approved by the Governing Body but within the framework of the University Act (2 of 2002)

3.21 To pursue any other objective as may be approved by the State Government

4.0 Appointment and Powers of the Chancellor

4.1 The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body with the prior approval of the Visitor.

4.2 The term of office of the Chancellor shall be three years.

4.3 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and the Head of the University.

4.4 The Chancellor shall preside over the Convocation of the University, when the Visitor is not present.

4.5 The Chancellor shall have the following powers :

4.5.1 To call for any information or record.

4.5.2 To appoint the Vice Chancellor.

4.5.3 To remove the Vice Chancellor.

4.5.4 To exercise such other powers as may be delegated to him by the Governing Body.

4.6 If in the opinion of the Sponsoring Body, the actions of the Chancellor are in any way detrimental to the interests of the University, it may with prior approval of the Visitor, recall and replace the Chancellor. The Sponsoring Body shall appoint such other person as may be found appropriate in the position of Chancellor to succeed the person so acting with the prior approval of the Visitor.

5.0 Appointment, Powers and Duties of the Vice Chancellor

5.1 The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body.

5.2. The term of the office of the Vice Chancellor shall initially be for a period of four years. He may be reappointed for another term not exceeding four years by the Chancellor.

5.3 The Vice Chancellor shall be principal academic officer of the University and also be the ex-officio member of the Governing Body, Board of Management, Academic Council, and such other Committees that may be set up by the Governing Body or the Board of Management from time to time.

5.4 The Vice Chancellor shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of the various authorities of the University, and shall exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the Act and the Statues.

5.5 If in the opinion of the Vice Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter of which powers are conferred on any other authority by or under the Act, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter.

Provided that if in the opinion of the concerned authority such action should not have been taken by the Vice Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor whose decision there on shall be final.

Provided further that where any such action taken by the Vice Chancellor affects any person in the service of the University, such person shall be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Governing Body and the Governing Body may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice Chancellor.

5.6 If the opinion of the Vice Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Act, Statutes or Ordinances is likely to be prejudicial to the interests to the University, he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of its decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or fails to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and his decision thereon shall be final.

5.7 If at any time upon representation being made or otherwise, and after making such enquiries as may be deemed necessary, the Chancellor on the recommendations of the Governing Body may by an order in writing stating the reasons therein, ask the Vice Chancellor to relinquish his office from such date as may be specified in the order.

5.8 The Vice Chancellor may consititute such committees as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him or under the Act.

5.9 The Vice Chancellor may sanction an allowance to an employee of the University for any special duties assigned to such an employee or additional duties performed by him which in the opinion of the Vice Chancellor warrants such payments.

Provided that such allowance shall not exceed twenty percent of the basic salary of such employee.

5.10 The Vice Chancellor may sanction such posts as he deems necessary to help him in the discharge of his duties.

6.0 Appointment, Powers and Duties of the Registrar

6.1 The Registrar shall be appointed by the Vice Chancellor, based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose with the approval of the Chancellor.

6.2 The Selection Committee shall consist of the following members :

i) One Representative of the Vice Chancellor.
ii) One Representative of the Sponsoring Body, who is also a member of the Governing Body.
iii) One expert nominated by the Sponsoring Body, who is not in any way connected with the University

6.3 The term of office of the Registrar shall not exceed 3 years.

6.4 The Registrar shall have such qualifications and experience and draw such emoluments as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

6.5 The Registrar shall undertake all such functions and reponsibilities as may be specified by the Governing Body, the Board of Management and the Vice Chancellor.

6.6 The Registrar shall be the ex-officio non-member Secretary of the Board of Management and ex-officio Secretary of the Academic Council and such other authorities and bodies as may be constituted by or under the Act, the Statutes and the Ordinances as recommended by the Board of Management.

6.7 The Registrar shall report of the Vice Chancellor.

6.8 The following shall be the duties of the Registrar

(i) To be the custodian of the records, common seal and such other property of the University as the Governing Body or the Board of Management shall commit to his charge.

(ii) To exchange the official correspondence on behalf of the authorities of the University.

(iii) To make Agenda and issue Notices of meetings of the authorities of

the University and all Committees and Sub-Committees appointed by any of these authorities with the approval of the Vice Chancellor.

(iv) To keep the minutes of the meetings of the all the authorities and Sub-Committee appointed by any of these authorities and circulate the same among the members, with the approval of the Vice Chancellor.

(v) To represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign powers of attorney and pleadings or depute as representatives for this purpose.

(vi) To sign contracts and documents and authenticate records on behalf of the University.

(vii) To submit information, reports and documents to the Government and liaise with the State Government, Central Government, University Grants Commission and other Government authorities.

(viii) To generally supervise the administrative functions of the University.

7.0 Appointment, Powers and Duties of the Controller of Examination :

7.1 The Controller of Examination shall be appointed by the Vice Chancellor on the recommendations of the Selection Committee appointed for the purpose.

7.2 The Selection Committee shall consist of :

7.2.1 The Vice Chancellor - Chairman

7.2.2 The Registrar

7.2.3 One Representative of the Sponsoring Body, who is also a Member of Governing Body.

7.2.4 One Representative of the Sponsoring Body, who is not in any way connected with the University

7.3 The Controller of Examination shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

7.4 The Controller of Examination shall draw such salary, allowances and perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

7.5 The term of office and the conditions of appointment of the Controller of Examination shall be laid down in the order of appointment issued by the Vice Chancellor.

7.6 The Controller of Examination shall report to the Vice Chancellor.

7.7 The following shall be the duties of the Controller of Examination :

7.7.1 He shall be fully responsible for the timely and smooth conduct of the combined entrance test and the end-semester/year examinations.

7.7.2 He shall lay down the guidelines for the setting up of the examination papers.

7.7.3 He shall appoint internal as well as external examiners through the Examination Committee for each subject and get at least 2 sets of question papers prepared well in advance.

7.7.4 He shall appoint a Moderation Committee and get all papers moderated before these are sent for printing.

7.7.5 He shall ensure strict security of the examination papers.

7.7.6 He shall ensure timely dispatch of answer books and admit cards to all examination centres.

7.7.7 He shall be responsible for getting the answer books evaluated in accordance with the guidelines laid down by the paper setter.

7.7.8 He shall be responsible for getting the results compiled accurately and declared on time.

7.7.9 He shall be responsible for re-evaluation of the answer books on request from the students for a fee as prescribed by the Board of Management.

8.0 Appointment, Powers and Duties of the Chief Finance and Accounts Officer.

8.1 The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Vice Chancellor based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose.

8.2 The Selection Committee shall consist of :

8.2.1 The Vice Chancellor - Chairman.

8.2.2 One Repfesentative of the Chancellor.

8.2.3 One Representative of the Sponsoring Body who is also a Member of the Governing Body.

8.2.4 One Expert Nominated by the Sponsoring Body who is not in any way connected with the University.

8.3 The Chief Finance and Accounts Officer shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

8.4 The Chief Finance and Accounts Officer shall draw such salary, allowances

and be entitled to such perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

8.5 The term of office and the terms of appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be as mentioned in his order of appointment by the Vice Chancellor.

8.6 The Vice Chancellor may appoint a person to officiate as the Chief Finance and Accounts Officer, in the event of temporary absence of the Chief Finance and Accounts Officer.

8.7 The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise general supervision over the funds of the University and shall have such powers and responsibilities as may be delegated or assigned to him by the Board of Management or the Finance Committee.

8.8 The Chief Finance and Accounts Officer shall report to the Vice Chancellor.

9.0 Authorities of the University :

9.1 The Governing Body.

9.2 The Board of Management

9.3 The Academic Council

9.4 The Finance Committee

9.5 The Examination Committee

The powers and functions of the authorities will be as per the following paragraphs.

10.0 The Governing Body :

The Governing Body shall be the supreme authority of the University.

10.1 Constitution of the Governing Body:

The Governing Body shall consist of the following members :

10.1.1 The Chancellor

10.1.2 The Vice Chancellor

10.1.3 Three Persons nominated by the Sponsoring Body.

10.1.4 One Representative of the State Government.

10.1.5 One Educationist of repute to be nominated by the State Government.

10.1.6 One Academician to be nominated by the Visitor.

The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body

10.2 Term of the Governing Body

The Members of the Governing Body shall have a term of 4 years

10.3 Disqualifications of the Members of the Governing Body

The Members of the Governing Body shall cease to be the Member under the following circumstances :

10.3.1 If the member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

10.3.2 If the act and conduct of a member is detrimental to the interest of the University, the Sponsoring Body shall have the powers to replace or recall any such member in consultation with the nominating authority.

10.4 Powers and Functions of the Governing Body

10.4.1 The Governing Body shall have the following powers :

(i) To appoint the Director, to coordinate the functions and activities of the Deans of Schools, Colleges and Study Centres and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice Chancellor.

(ii) To appoint all Deans and Administrator(s).

(iii) To appoint Auditors of the University.

(iv) To oversee the performance and review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the Act, Rules, Statutes or Ordinances.

(v) To approve the Annual Report and Accounts of the University.

(vi) To lay down the policies of the University.

(vii) To take decision about the voluntary liquidation of the University

(viii) To delegate such powers as it may deem fit to the Board of Management and other authorities or officers of the University

10.4.2 The Governing Body shall perform such other functions and have such other powers as are not otherwise provided for and are necessary for proper functioning and administration of the University.

10.5 Reserved Powers of the Governing Body

10.5.1 In case of any deadlock in the functioning of the Board of Management

and if in the opinion of the Governing Body the business of the University cannot be transacted in the normal course, the Governing Body shall have the powers to do all necessary things including superseding the Board of Management and forming a new Board to facilitate smooth functioning of the University.

10.5.2 The Governing Body may also exercise the reserved powers suo-moto or as and when a written report is submitted by any officer or authority of the University to the Chancellor or the Vice Chancellor about the deadlock in the functioning of the Board.

10.5.3 Upon receipt of such a report the Chancellor or the Vice Chancellor shall convene a special meeting of the Board within 5 working days for restoration of normally of operations.

10.5.4 The decisions taken by the Govening Body and implemented by the Officers under the clause shall be final and binding on all Members of the Board and on all the Members of the Governing Body.

10.6 Meetings of the Governing Body

10.6.1 The Governing Body shall meet at least twice in a calendar year, on any working day, at the headquarters of the University or at any other location(s) as agreed to by majority of the Members.

10.6.2 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and shall preside over the meetings of the Governing Body. In the absence of the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside over the meeting.

10.6.3 A notice of 07 days shall be given to the Members stating the agenda for the meeting. A notice of less than 07 days may be considered sufficient if majority of the members agree of such a shorter notice

10.6.4 The quorum of the meeting shall be 5 Members present in person

10.6.5 Each Member of the Governing Body including the presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be adopted by simple majority.

10.6.6 The presiding officer of the meeting shall cause the minutes of the meeting to be recorded and circulated to the members within a period of one month from the date of such a meeting.

10.7 Extraordinary Meeting of the Governing Body

10.7.1 In the event of exigency, the Chancellor and the Vice Chancellor may call for an extraordinary general meeting of the Governing Body.

10.7.2 The Sponsoring Body, may in the event of exigency and/or [illegible] interest of the administration of University, in consultation with the Chancellor or the Vice Chancellor call for an extraordinary meeting

of the Governing Body by circulating a resolution amongst the Members.

10.7.3 The Chancellor or the Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Governing Body by circulating appropriate resolution among its members any such resolution so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Governing Body.

11.0 The Board of Management

The Board of Management shall be the principal executive body of the University.

11.1 Consittution of the Board of Management

11.1.1 Following Members shall constitute the Board.

(i) The Vice Chancellor (Ex-Officio).

(ii) Two Nominees of the Sponsoring Body.

(iii) One Representative to be nominated by the State Government.

(iv) Senior most Professor of the University to be nominated by the Vice Chancellor.

11.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board and the Registrar shall be the non-member Secretary.

11.1.3 The Vice Chancellor shall preside over the meetings of the Board and in the absence of the Vice Chancellor one of the Nominees of the Sponsoring Body shall conduct the proceedings of the meeting

11.1.4 The tenure of the Members of the Board of Management shall be three years, except in the case of Ex-Officio Members.

11.2 Disqualifications of the Members of the Board.

The members of the Board of Management shall cease to be the member under the following circumstances :

11.2.1 If the individual member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

11.2.2 If in the opinion of the Chancellor, a Member of the Board acts in a way detrimental to the interests of the University, the Chancellor may in consultation with the nominating authority ask such member to relinquish his office from such date as may be specified

11.3 Meetings of the Board :

11.3.1 The Board of Management shall meet as often as necessary, and at least once in three calendar months.

11.3.2 The meetings shall be convened by the Registrar.

11.3.3 A notice of 07-days shall be given for the meeting provided that an emergency meeting may be convened at the discretion of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 02 days.

11.3.4 The quorum of the meeting shall be 3 members present in person.

11.3.5 Each member of the Board including the Chairman/Presiding Officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be taken by simple majority. In case of a tie, the presiding officer shall exercise a casting vote.

11.3.6 The Registrar shall cause recording of minutes of the meeting, with the approval of the Vice-Chancellor and circulate them to the member concerned within a period of one month from the date of conduction of the meeting.

11.3.7 The Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Board by circulating appropriate resolution among its Members and any resolution so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Board.

11.4 Powers and Functions of the Board of Management

The Board of Management shall have the powers to take all the necessary decisions for smooth and efficient functioning of the University. The Powers shall interalia include but not be limited to the following:

11.4.1 Staffing :

11.4.1.1 To manage and administer all revenues and properties of the University and to conduct all administrative affairs of the University not otherwise specifically provided for.

11.4.1.2 To create teaching, academic, administrative, ministerial and other necessary posts and to decide on the number, qualifications and cadre thereof, and to determine the emoluments for such posts in consultation with the Finance Committee.

11.4.1.3 To appoint Directors, Associate Directors, Principals, Vice Principals, Deans, Associate Deans, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, Senior Lecturers, Junior Lecturers, Operational Staff, Administrative, Ministerial and other Staff as may be nece[illegible] recommendations of the Selection Committee.

11.4.1.4 To lay down rules in respect of emoluments and duties of the various academic and non-academic staff recruited by the University.

11.4.1.5 To lay down rules for appointment of Visiting Fellows, Visiting Professors, Professor Emeritus, Consultants, Scholars and determine their terms and conditions of such appointments.

11.4.1.6 To appoint internal auditors to undertake audit of the various functions of the University.

11.4.2 Academic Matters

11.4.2.1 To generally lay down, in consultation with the Academic Council, the academic policies, education and teaching standard and policies relating to students' admission, examinations and award of degrees, diplomas and certificates and other academic awards or distinctions.

11.4.2.2 To establish, on the advice of the Academic Council, Schools and Colleges specific to a discipline of Higher Education and to allocate areas of Study, Teaching and Research to them.

11.4.2.3 To institute Fellowships, Scholarships, Studentships, Medals and Prizes in accordance with the Regulations.

11.4.2.4 To lay down rules, regarding the emoluments and travelling and other allowances of examiners appointed for examination, tabulation and such other personnel appointed for examination, in consultation with the Academic Council and the Finance Committee.

11.4.2.5 To acquire intellectual property rights, copyright, trade marks and the like from any institution or organisation, on such terms and conditions as the Board may determine, and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable.

11.4.3 Finance :

11.4.3.1 To consider the budget as recommended by the Finance Committee and to approve the same with or without modifications.

11.4.3.2 To manage and administer the revenues, regulate the finance, accounts, investments, property and all other administrative affairs of the University and for that purpose appoint such agent(s)/ representative(s)/consultant(s) it may deem fit.

11.4.3.3 To opern account(s) of the University with any one or more nationalised/scheduled banks and to lay down the procedure for operating the same.

11.4.3.4 To draw, accept, make, endorse, discount and negotiate securities of the Government promissory notes, Bills of exchange, Cheques or other negotiable instruments.

11.4.3.5 To receive and give grants, donations, contributions, gifts, prizes, scholarship, fees and other moneys.

11.4.3.6 To purchase, take on lease, accept as gift or otherwise any land or buildings or work which may be required for the purposes of the University on such terms and conditions as deemed appropriate and to construct or alter and maintain any such buildings or works.

11.4.3.7 To transfer or accept transfers of any moveable property on behalf of the University.

11.4.3.8 To advise the Sponsoring Body on matters regarding acquisition, management and disposal of any immovable property on behalf of the University.

11.4.3.9 To execute in consultation with the Sponsoring Body, conveyances, transfer, re-conveyances, mortgages, leases, bonds, licenses and agreements in respect of property, moveable or immovable, belonging to the University or to be acquired for the purposes of the University.

11.4.3.10 To provide building(s), premises, furnitures, fittings, equipments, appliances and other facilities required for smooth functioning of the University.

11.4.3.11 To appoint, in order to execute an instrument or transact any business of the University, any person as attorney of the University with such powers as it may deem fit.

11.4.3.12 To invest the funds of the University or money entrusted to the University, in such securities and in such manner as it may deem fit and from time to time transpose any investment.

11.4.3.13 To raise and borrow notes or other obligations or securities in consultation with the Sponsoring Body by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay out of the funds of the University, all expenses, incidental to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed.

11.4.3.14 To establish, maintain and operate the General Fund as stipulated in Section 7 and 8 of the Act and Section 22.0 of these First Statutes.

11.4.3.15 To maintain proper accounts and other relevant records and prepare Annual Statements of Accounts including the Balance Sheet for every previous financial year, in such form as may be prescribed by the Regulations and submit the same to the Governing Body for their approval.

11.4.3.16 To fix limits of the total non-recurring expenditure for a year on the recommendations of the Finance Committee.

11.3.4 Students' Affairs :

11.4.4.1 To regulate and enforce discipline among the students of the University and to take appropriate disciplinary action wherever necessary.

11.4.4.2 To entertain and adjudicate upon appeals and grievance of the students of the University through the Committees set up for the purpose.

11.4.4.3 To establish and regulate the maintenance of hostels for the students for the University and recognise hostels established by outside parties on the basis of the recommendations of a committee established for the purpose.

11.4.5 Administrative and Legal Matters :

11.4.5.1 To enter into, vary, carryout and cancel contracts on behalf of the University and to do all such acts as are necessary to raise resources for furthering the objectives of the University.

11.4.5.2 To grant leave of absence to any officer of the University other than the Chancellor and the Vice Chancellor and to make necessary arrangements for discharge of the functions of such officers during their absence.

11.4.5.3 To regulate and enforce discipline among the employees of the University and to take appropriate disciplinary action whenever necessary.

11.4.5.4 To entertain, adjudicate upon and if considered fit, to redress any grievances of the employees of the University, who may, for any reaso fall aggrieved.

18

11.4.5.5 To select an emblem and to have a common seal for the University and to provide for the custody and use of such seal.

11.4.5.6 To conduct inspections and enquires in various departments, centres, institutions and affiliated colleges of the University and initiate corrective action wherever needed.

11.4.6 Formation of Committees :

The Board of Management may form such Committees for such purposes and with such powers as the Board may deem fit and co-opt such persons on these committees as it thinks fit.

12.0 Delegation of Powers :

The Governing Body and the Board of Management may by a resolution, delegate the the Vice Chancellor, the Registrar, the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, such of its powers as it may deem fit, subject to the condition that the action taken by the Vice Chancellor or the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, or any of their Officers to whom such powers are delegated, shall be reported at the next meeting of the Governing Body and the Board of Management.

13.0 The Academic Council :

The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of the Act, the Statutes, the Ordinances and the Regulations, coordinate and exercise general control and supervision over the academic policies and programmes of the University and be responsible for the maintenance of standards of education, teaching and training, interdepartmental coordination, research, examination and tests within the University.

13.1 Constitution of the Academic Council :

13.1.1 The Academic Council shall consist of the following members .

(i) The Vice Chancellor - Chairman

(ii) The Registrar - Non Member Secretary

(iii) Deans/Associate Deans of various Schools/Colleges of the University and its Study Centres.

(iv) Three Faculty Members to the nominated by the Vice Chancellor.

(v) Three outside experts nominated by the Vice Chancellor

13.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Academic Council.

13.1.3 The term of the Members of the Academic Council other than the Ex-officio Members shall be two years. However, in the case of the employees of the University, the term shall end immediately after their relinquishing their office at the University.

13.1.4 Subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances and the Regulations, the Academic Council shall have the powers to control, regulate and maintain the standards of education, instruction and examination of the University and shall exercise such other powers and functions as may be conferred or imposed upon it by this Act, Statutes or the Ordinances.

13.1.5 The Vice Chancellor may invite such other persons as he may deem fit, to attend the meetings of the Academic Council from time to time. However, the inviteees shall not be eligible to vote on any of the resolutions of the Academic Council.

13.2 Disqualification of the Members of the Academic Council :

13.2.1 Where a person has become a Member of the Academic Council by reason of the office of appointment he holds, his membership shall terminate when he ceases to hold that office or appointment.

13.2.2 A member of the Academic Council shall cease to be a member in the folowing circumstances also:

(i) If the member resigns from the Academic Council.

(ii) If the member becomes mentally unsound.

(iii) If the members had been convicted of a criminal offence involving moral turpitude or any other reason, and a higher court has not stayed such conviction.

(iv) If the member fails to attend three consecutive meetings of the Academic Council without leave from the Chairman.

13.3 Meetings of the Academic Council :

13.3.1 The Academic Council shall meet as often as may be necessary.

13.3.2 One third of the total members of the Academic Council shall constitute the quorum of the meeting of the Academic Council.

13.3.3 Resolutions of the Academic Council may be passed through circulation among all the members, except in cases where such Resolution are required to be passed at a meeting. The resolutions so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such Resolution had been passed in the meeting of the Academic Council, provided that at least one half of the total number of the members of the Academic Council have recorded their views on the Resolution.

13.4 Functions and Powers of the Academic Council :

Subject to the provisions of the Act, Statutes and the Ordinances, the powers of the Academic Council shall include, interalia, the following:

13.4.1 To exercise general supervision over the academic work of the University and to give direction regarding methods of instructions, evaluation, research and improvement in the academic standards.

13.4.2 To report and act on any matter referred to or delegated to it by the Board.

13.4.3 To formulate different courses and programmes to be imparted to the students of the University.

13.4.4 To lay down the curriculum and frame syllabus for any of the courses and programmes offered by the University, and publish text books and other instructional material for the same.

13.4.5 To innovate, constantly upgrade and improve the syllabus to include emerging and futuristic technologies.

13.4.6 To make recommendations to the Board, with regard to creation, abolition or classification of teaching posts in the University and the emoluments and the duties attached thereto.

13.4.7 To formulate and modify or revise schemes for the organisation of the faculties, colleges and schools and to assign to such faculties,

schools and colleges, their respective subjects and also to report to the Board as to the expediency of the abolition or division or combination of one faculty, college and school with another.

13.4.8 To make regulations for lateral entry of students from other Universities/Boards of Technical Education of Indian or Foreign Origin.

13.4.9 To promote research activities and programmes, and to ask for, from time to time, reports on such research activities and programmes from faculties, colleges and schools.

13.4.10 To consider proposals submitted by the faculties, schools and colleges relating to instructions, teaching facilities, etc.

13.4.11 To appoint Committees for admission of students to the University.

13.4.12 To recognise Diplomas and Degrees of other Universities and institutions located in India and abroad and to determine their equivalence in relation to the Diplomas and Degrees of the University on reciprocal basis in consultation with the Association of Indian Universities (AIU).

13.4.13 To make regulations for awarding admission to Secondary, Post Secondary, Under-Graduate, Graduate, Post-Graduate and Doctoral programmes of the University to such candidates who do not posses formal University/Technical Education Board/Secondary Board of Education qualification otherwise mandatory for admission to such courses but have the prescribed age, quantifiable knowledge, skills and competencies in the related discipline.

13.4.14 To approve conferment of degrees, honours, diplomas, licenses, titles and marks of honour on the basis of the results declared.

13.4.15 To make guidelines for the award of fellowships, stipends, scholarship, medals and prizes, etc., and empower the Vice Chancellor or any other officer of the University to approve the eligible candidates for such awards.

13.4.16 To prepare such forms and registers as are, from time to time, prescribed by regulations and to perform, in relation to academic matters, all such duties and to do all such acts, as may be necessary, for the purposes of the provisions of the Act, Statutes, Ordinances and/or the regulations.

13.4.17 To make recommendations to the Board of Management on :

(i) Measures for improving standards to teaching, training, research and examinations.

(ii) Institution of Fellowships, Exchange Programmes, Scholarships, Medals, Prizes, etc.

(iii) Regulation covering the academic functioning of the University

and its departments, colleges and institutions, discipline, residence, admissions, examinations, award of fellowships and studentship, freeship, concessions, attendance, etc. and submit the same to the Board of Management for approval.

13.4.18 To suggest measures for departmental co-ordination.

13.4.19 To appoint Committees consisting of such members as the Academic Council may deem fit to deal with any of the matters ordinarily dealt with by the Academic Council.

13.4.20 To approve new courses not being offered by the University.

14.0 The Board of Advisors

The Governing Body may by a resolution constitute a Board of Advisors. The Board of Advisors will render advice to the Governing Body as also the Board of Management in managing the affairs of the University and enhancing its academic standards. The members of the Board of Advisors shall consist of eminent educationists, industrialists and public figures besides selected members drawn from the Governing Body and the Academic Council and the schools, colleges and the study centres of the University in India and abraod.

15.0 Examination Committee

15.1 The Vice Chancellor shall constitute an Examination Committee for the purpose of recommending suitable persons for appointment as examiners for various examinations and for suggesting evaluation methods for each subject.

15.2 The Examination Committee shall consist of :

(i) The Vice Chancellor - Chairman

(ii) Controller of Examination - Member Secretary

(iii) Two Professors from the College/School of the University.

(iv) One Expert nominated by the Chancellor.

15.3 The Examination Committee shall recommend a panel of Examiners for each subject of the courses of study to the Vice Chancellor.

15.4 The Vice Chancellor shall ordinarily appoint Examiners from the panel recommended by the Examination Committee. He may appoint examiners outside the panel, if he deems it fit and necessary.

16.0 Results Committee

16.1 The Vice Chancellor shall constitute a Results Committee to approve the results of various examinations before they are declared.

16.2 The Results Committee shall consist of :

(i) Vice Chancellor - Chairman

(ii) Deans of Colleges/Schools of the University.

(iii) One Expert nominated by the Chancellor.

(iv) The Registrar.

(v) The Controller of Examination - Member Secretary.

17.0 The Finance Committee and its Constitution :

The Governing Body shall appoint the Finance Committee.

The Finance Committee shall consist of the following members :

(i) The Vice Chancellor

(ii) The Chief Finance and Accounts Officer.

(iii) Three Nominees of the Sponsoring Body.

The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Committee and in his absence, one of the nominees of the Sponsoring Body shall preside over the meetings of the Committee.

17.1 Meetings of the Finance Committee

17.1.1 The Committee shall meet as often as necessary.

17.1.2 One third of the members of the Committee shall constitute the quorum.

17.1.3 The Chief Finance Officer shall call the meeting of the Finance Committee with the approval of the Vice Chancellor.

17.2 Powers and Functions of the Finance Committee :

17.2.1 To make recommendations on all financial matters to the Board.

17.2.2 To consider all proposals for capital expenditures and to make recommendations to the Board.

17.2.3 To examine the annual accounts of the University and advise the Board.

17.2.4 To examine the annual budget estimate and advise the Board thereon.

17.2.5 To review the financial position of the University periodically and recommend to the Board any action to be taken.

17.2.6 To keep a constant watch on the state of cash and bank balances and on the state of investments.

17.2.7 To ensure that the limit fixed by the Governing Body for recurring and non-recurring expenditure for a year are not exceeded and that all moneys are spent for the purpose for which they have been granted/ allotted.

17.2.8 To review the internal controls and act on the comments of the internal auditors.

17.2.9 To make recommendations to the Board on all proposals involving the raising of funds, receipts and expenditure.

17.2.10 To determine and fix the fee payable by the students of the University and lay down the procedure thereof.

17.2.11 To fix the basis for charging consultancy and other fee to be charged by the University.

17.2.12 To generally perform and act on any of the activities that may be delegated by the Board or the Governing Body.

17.2.13 To recommend to the Board appropriate action against person(s) responsible for unauthorised expenditure and any financial irregularity.

17.2.14 To hold and manage the property and investments of the University including endowed property.

17.2.15 To ensure that the registers of the buildings, land, furniture and equipments are maintained up to date and that the stock taking is carried out periodically.

18.0 Selection Committee

18.1 The Board may appoint a Selection Committee to recommend names of the persons for the posts of Professors, Associate Professors, Assistant Professors, and such other academic posts as may be prescribed by the Board of Management.

18.2 The Selection Committee so appointed shall consist of :

(i) Three experts in the relevant disciplines nominated by the Chancellor.

(ii) One Nominee of the Board of Management not connected with the University and not below the rank of a professor.

(iii) Dean of the Faculty.

(iv) The Vice Chancellor - Chairman.

19.0 Constitution of Standing Committee and Adhoc Committee

19.1 The Governing Body and/or the Board of Management may, by a resolution in a duty conducted meeting appoint a Standing Committee or an Adhoc Committee and/or Enquiry Committee by defining -

(i) The purpose of appointment.

(ii) The constitution

(iii) The tenure of the Committee

(iv) The financial budget

(v) The procedure to be adopted

(vi) The rights and obligations of the Committee

(vii) The facilities to be acquired and

(viii) Other matters relevant or incidental to complete the purpose for which it is appointed.

19.2 The Committee so appointed shall exercise their powers and functions within the delegated authority. Neither the University nor the Governing Body, nor the Board of Management shall be accountable for the authority of powers used outside the scope of delegation by such Committees.

19.3 Such Committees shall be automatically dissolved on the completion of their tenure or after completion of the tasks assigned to them by the authority appointing them unless extension in the tenure is granted by the said authority.

20.0 Advisory Committee

20.1 The Governing Body may appoint an Advisory Committee for the purpose of rendering advice to it and the Board in matters relating to the conduct of the affairs of the University or for such other purposes as it may prescribed from time to time.

The Advisory Committee shall consist of eminent people and also include the members of the Governing Body and the Representatives from Schools, Colleges and Study Centres of the University.

20.2 The Board may direct the Academic Council, Finance Committee and/or any other Committees set up under the Act or these Statutes to follow the recommendations of the Advisory Committee.

20.3 The Board shall define the functions and powers while establishing such Committees.

21.0 Service Conditions for Faculty Members, Officers and other Employees.

21.1 The Board shall formulate the terms and conditions of appointment and service of Faculty Members, Officers and Employees.

21.2 The Registrar shall issue the appointment letters to Faculty Members, Officers and Employees in accordance with the policies and procedures as formulated by the Board.

22.0 General Fund

The University shall establish a fund which shall be called the General Fund to which shall be credited the following namely :

22.1 Fees and other charges received by the University.

22.2 Any contribution made by the Sponsoring Body.

22.3 Any income received from consultancy and other work undertaken

by the University in pursuance of its objectives.

22.4 Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants.

22.5 All other sums received by the University

22.6 The General Fund shall be used for the purposes enumerated in the Act.

23.0 Budget

23.1 The Chief Finance and Accounts Officer, with the approval of the Finance Committee, based on the proposed budgets received from different colleges, institutes of the University shall prepare an annual budget for the forthcoming financial year, and submit at least two months before the beginning of financial year to the Board for the purposes of approving the same. The Board, upon the merits may suggest modifications, alternations or additions or approve the same with or without modifications and such approved budget will be the annual budget of the University for the year.

23.2 No expenditure other than that provided in the budget shall be incurred by the colleges and institutes of University without the approval of the Finance Committee.

23.3 The Finance Committee may consider any revision of the Budget based on the recommendation of the Chief Finance and Accounts Officer and shall place the same for rectification by the Board, at a subsequent meeting of the Board.

24.0 Accounts and Audit

24.1 The accounting year of the University shall be from 1st April of a year to 31st March of the following year.

24.2 The accounts of various institutions, schools, colleges and campuses of the University shall be consolidated by the Chief Finance and Accounts Officer who shall prepare the final annual accounts, consisting of the Income and Expenditure Account and the Balance Sheet of the University and place the same before the Finance Committee for their comments. The appropriations or absorptions of excess of expenditure and income shall be decided by the Finance

Committee. The accounts will thereafter be adopted by the Board, after which they will be audited by the Auditors appointed by the Governing Body.

24.3 All the assets of the University shall be maintained in the name of the University and shall be used for the settlement of liabilities at the time of liquidation or closure of the University under Section 33 and 34 of the Act.

24.4 The accounts of the University shall be open to examination by the Chancellor, Vice Chancellor, Registrar, Auditor of the University and any other person authorised by the Governing Body or the Sponsoring Body for the purpose.

24.5 Every Balance Sheet and Income and Expenditure account of the University shall comply with the relevant accounting standard as may be prescribed by the Government of India in consultation with the National Advisory Committee on Accounting Standards.

24.6 The Vice Chancellor shall place the audited financial statements before the Governing Body, alongwith the report of the Auditors for information.

24.7 The Chief Finance and Accounts Officer, thereafter along with the Annual Report of the University, shall submit such financial statements to the Visitor and the State Government as provided under Section 30 of the Act.

25.0 Arbitration in case of Disputes

25.1 The Vice Chancellor shall be responsible for resolution of disputes and grievances between the teachers, officers, other employees and the students of the University.

25.2 The Vice Chancellor may delegate the responsibility for arbitration to the Registrar or the Deans as he may deem fit.

25.3 Any person who is aggrieved of the decision of the Vice Chancellor may appeal to the Chancellor within 15 days of communication of the decision by the Vice Chancellor.

25.4. Where it is found necessary, the Chancellor may appoint an Arbitration Committee to arbitrate such disputes and grievances with such constitution and such powers as he may deem fit.

27.5 The procedures for arbitration of disputes shall be laid down by the Board.

26.0 Regulations and Manuals

26.1 Save as otherwise provided in the Act, and the Statutes, the Board may make Regulations, as empowered under Section 37 of the Act, to conduct the business of the University and attain the objectives for which it is established. The Regulations may, interalia relate to the following :

26.1.1 Establishment of Schools/Colleges/Faculties and Halls of Residence.

26.1.2 The Courses of Study to be laid down for all degrees, diplomas and certificates of the University.

26.1.3 The grant of academic award and distinctions.

26.1.4 Number of seats in different programmes of the University, not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose.

26.1.5 Reservation of seats in different programmes of the University not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose.

26.1.6 Admission of the students and their enrolment.

26.1.7 Fee and other charges payable by the students.

26.1.8 Examination and Student Assessment.

26.1.9 Award of scholarship, bursaries, fee waivers, etc. to students.

26.1.10 Discipline of students and staff.

26.1.11 Resolution of disputes among students and staff and procedure for arbitration.

26.1.12 Conferment of Honorary degrees to distinguished persons.

26.1.13 Finance and administration of the University.

26.2 The Board may appoint an Ad-hoc Committee to draft the Regulations and to prepare manuals for different departments/functions of the University.

26.3 The Committee appointed above, shall have such members as nominated by the Board and perform all the functions as required under the order of appointment/ constitution.

26.4 On satisfying themselves on the Regulations made out by the Committee appinted for the purpose, the Board may adopt them for the University.

26.5 Each and every authority and officer, teaching and non-teaching staff, members of the Committees and students are bound to adhere to the provisions and procedures laid down in the manual of instructions drafted for the purpose.

26.6 The Board shall have right to alter, amend, frame new rules and regulations which are not inconsistent with the provisions of the Act for the purpose of conducting the activities of the University for which it is established.

26.7 The establishment of Distance Education Study Centres, Academic Centres, Examination Centres, etc.

26.8 The creation, composition and functions of any Committee or Body, which is considered necessary for the work of the University.

26.9 The preparation and submission of budget estimates.

26.10 The procedure for convening a meeting of any authority and the conduct of the same.

27.0 Subsequent Statutes

The Governing Body may make, amend, alter, modify these First Statutes and the Ordinances as required for the administration of the University and submit the same to the Government for approval as per provision of the Act

28.0 Ordinances

The Vice Chancellor of the University shall cause the Ordinances of the University to be made as per the provisions of Sections 27 of the Act and shall submit the same to the Government for its approval. He shall carry out the necessary changes in the Ordinances, as suggested by the Government, shall table the Ordinances after their due approval by the Government in the next meeting of the Governing Body. The Vice Chancellor shall follow similar procedure while making any moidifications to the Ordinances. or for introducing new Ordinances.

29.0 University to the be open to all Classes, Castes and Creed

29.1 The University shall be open to all persons irrespective of sex, caste, creed, religion, race, or class or place of domicile or nationality and it shall not be lawful for the University to adopt or impose on any person, any test whatsoever of religious belief or any profession in order to entitle him to be appointed as a Teacher of the University to hold any other office therein or to be admitted as a student in the University or to graduate there at or to enjoy or exercise any privilege there of;

29.2 Notwithstanding any thing contained in clause(a), the University shall make special provisions in the Regulations for the employment or profession of educational interests of women, persons with disability or of persons belonging to the weaker sections of the Society and in particular of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other Backward Classes as may be directed by the State Government from time to time.

30.0 Interpretation

30.1 In the event of conflict of opinion with regard to the interpretation of the Statutes, Ordinances and Regulations, the provisions of the Act shall prevail.

30.2 The decision of the Government on interpretation shall be final and binding.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जगदलपुर, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक क/भू-अर्जन/2/अ-82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	जगदलपुर	बम्हनी	1.82	मुख्य अधिशासी एन.एम.डी.सी. स्टील प्लांट, जगदलपुर.	आमागुड़ा रेल्वे स्टेशन से एन. एम. डी. सी. स्टील प्लांट तक प्रस्तावित रेल्वे लाइन निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) आदि का निरीक्षण जिलाध्यक्ष, बस्तर जिला अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

जगदलपुर, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक क/भू-अर्जन/4/अ-82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	जगदलपुर	नगरनार	0.46	कार्यपालन यंत्री, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर.	भालुगुडा उदवहन सिंचाई योजना हेतु. (पुनरीक्षित मुआ-वजा प्रकरण)

भूमि का नक्शा (प्लान) आदि का निरीक्षण जिलाध्यक्ष, बस्तर जिला अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

जगदलपुर, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक क/भू-अर्जन/5/अ-82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	जगदलपुर	नगरनार	0.63	कार्यपालन यंत्री, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर.	भालुगुडा उदवहन सिंचाई योजना के अंतर्गत भूमि का अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) आदि का निरीक्षण जिलाध्यक्ष, बस्तर जिला अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

जगदलपुर, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक क/भू-अर्जन/6/अ-82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	जगदलपुर	कस्तुरी	2.29	कार्यपालन यंत्री, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन विभाग, जगदलपुर.	भालुगुडा उदवहन सिंचाई योजना के अंतर्गत नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) आदि का निरीक्षण जिलाध्यक्ष, बस्तर जिला अथवा संबंधित विभाग के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
दिनेश कुमार श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दन्तेवाड़ा, दिनांक 12 अप्रैल 2004

क्रमांक 1483/क/भू-अर्जन/01/अ-82/2003-2004—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा	भोपालपटनम्	मोदकपाल	0.836	मेजर, कमान अधिकारी, बी.आ ओ. केम्प कारली (गीदम).	राष्ट्रीय राजमार्ग-16 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु.

दन्तेवाड़ा, दिनांक 12 अप्रैल 2004

क्रमांक 1484/क/भू-अर्जन/14/अ-82/2001-2002—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा	बीजापुर	बीजापुर	0.72	मेजर, कमान अधिकारी, सीमा सड़क संगठन, हीरक परियोजना, कैंप-कारली.	राष्ट्रीय राजमार्ग-16 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

के. आर. पिस्दा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

सरगुजा, दिनांक 5 फरवरी 2004

रा. प्र. क्र. 1 अ-82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सरगुजा	सूरजपुर	(1) तेलसरा	8.41	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, सूरजपुर.	सोनपुर जलाशय के बांध निर्माण हेतु.
		(2) सोनपुर	10.17	—''—	—''—
		योग	18.58		

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, सूरजपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

सरगुजा, दिनांक 3 मार्च 2004

रा. प्र. क्र. 11 अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सरगुजा	सूरजपुर	(1) अक्षयपुर	2.50	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग सूरजपुर, सरगुजा.	परसुरामपुर जलाशय के शाखा नहर हेतु.
		(2) सुरता	7.98	—''—	—''—
		योग	10.48		

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, सूरजपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मनोज कुमार पिंगुआ, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चाम्पा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/108.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चाम्पा	जैजैपुर	मुक्ता प. ह. नं. 15	0.303	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक-3, सक्ती.	चोरभट्ठी माइनर (पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/109.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चाम्पा	जैजैपुर	कचंदा प. ह. नं. 12	0.369	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक-3, सक्ती.	कचंदा उप वितरक ब्रांच माइनर 6 L पूरक

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/110.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चाम्पा	जैजैपुर	गुंजियाबोर प. ह. नं. 27	0.080	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक-3, सक्ती.	भनेतरा ब्रांच माइनर 1 R नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/111.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चाम्पा	जैजैपुर	कचंदा प. ह. नं. 12	0.089	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक-3, सक्ती.	माइनर S L

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक-क/भू-अर्जन/112.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा-5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चाम्पा	जैजैपुर	भनेतरा प. ह. नं. 27	0.012	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक-3, सक्ती.	भनेतरा ब्रांच माइनर 3 L नहर निर्माण हेतु (पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
निधि छिब्बर, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 26 अप्रैल 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 19/अ-82/सन् 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, राज्य शासन, इसके द्वारा,अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा (4) की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिंया	नहरपाली प.ह.नं. 14	96.050	महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायगढ़.	औद्योगिक प्रयोजनार्थ मे. मोनेट इस्पात लिमि. हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिंया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

कांकेर, दिनांक 5 मार्च 2004

क्रमांक 311/01/अ-82/03-04/2004.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन
- (क) जिला-उत्तर बस्तर, कांकेर
- (ख) तहसील-भानुप्रतापपुर
- (ग) नगर/ग्राम-हाटकोंदल
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-39.51 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
48	0.25
105	4.45
49	0.22
50	1.64
146	1.08
153	0.25
155	0.22
161	0.50
162	0.85
56	0.20
58	0.40
57	0.85
61	0.30
63	2.56
106	0.40
102	0.67
107	1.77
108	0.30
109	1.04
149	0.14
185	1.00
226	0.65
151	0.20
152	3.98
147	0.08
156	3.63
165	0.81
182	1.36
232	0.28
157	0.19
160	0.11
164	0.24
183	0.41
158	0.13
159	0.15
184	0.93
187	0.18
170/1	0.16
170/2	0.27
169	0.15
239	1.00
181/1	0.03
141	0.05
233	1.98
240	1.17
234	0.98
229	0.81
245	0.48
योग	39.51

(2) सार्वजनिक प्रयोजन का नाम जिसके लिए आवश्यकता है-जयराम पारा तालाब के डूब में आने वाली भूमि.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा), भानुप्रतापपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. एन. ध्रुव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.